@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 26 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 22 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुगल आक्रांता के काल में गुरु साहिब ने वीरता का आदर्श स्थापित किया : पीएम मोदी

● प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत की विरासत का अद्भुत संगम बनकर आया है।

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनका अटूट साहस और सेवा भावना सभी को प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत की विरासत का अद्भुत संगम बनकर आया है। आज सुबह मैं रामायण की नगरी अयोध्या में था और अब मैं यहां गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हूं। यहां हम सभी श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर उन्हें नमन कर रहे हैं। इस आयोजन में हमारे बीच जो संत मौजूद हैं, जो सम्मानित संगत उपस्थित है, मैं सभी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि 5-6 साल पहले एक और अद्भुत संयोग बना था। साल 2019 में 9 नवंबर को जब राम मंदिर पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया था तो उस दिन मैं करतारपुर साहिब कॉरिडोर के उद्घाटन के लिए डेरा बाबा नानक में था। उन्होंने कहा कि मैं यही प्रार्थना कर रहा था कि राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो, करोड़ों रामभक्तों की आकांक्षा पूरी हो और हम सभी की प्रार्थना पूरी हुई, उसी दिन राम मंदिर के पक्ष में निर्णय आया। उन्होंने कहा था 'स्वधर्मे निधनं श्रेयः,' अर्थात सत्य के मार्ग पर अपने

धर्म के लिए प्राण देना भी श्रेष्ठ है। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने भी सत्य, न्याय और आस्था की रक्षा को अपना धर्म माना और उन्होंने अपने प्राण देकर इस धर्म की रक्षा की। पीएम मोदी ने कहा कि अब आज जब अयोध्या में धर्म ध्वजा की स्थापना हुई है तो फिर मुझे सिख संगत से आशीर्वाद लेने का मौका मिला है। अभी कुछ देर पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर पांचजन्य स्मारक का लोकार्पण भी हुआ है। कुरुक्षेत्र की इसी धरती पर खड़े होकर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्य और न्याय की रक्षा को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के चरणों में एक स्मृति डाक टिकट और विशेष सिक्का भी समर्पित किया। मेरी कामना है कि हमारी सरकार गुरु परंपरा की इसी तरह निरंतर सेवा करती रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी जैसे व्यक्तित्व इतिहास में विरले ही होते हैं। उनका जीवन, उनका त्याग, उनका चरित्र बहुत बड़ी प्रेरणा है। मुगल आक्रांताओं के उस काल में, गुरु साहिब ने वीरता का आदर्श स्थापित किया। कहा कि उनका मन तोड़ने के लिए, गुरु साहिब को पथ से डिगाने के लिए, उनके सामने उनके तीन साथियों, भाई दयाला जी, भाई सतीदास जी, और भाई मतिदास जी की निर्ममता से हत्या की गई, लेकिन गुरु साहिब अटल रहे, उनका संकल्प अटल रहा। उन्होंने धर्म का रास्ता नहीं छोड़ा। तब की अवस्था में गुरु साहिब ने अपना शीश धर्म की रक्षा को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि इन वाक्यों में श्री गुरु तेग बहादुर जी की निडरता की पराकाष्ठा थी। इसके बाद जिसकी आशंका थी, वही हुआ। उस क्रूर औरंगजेब ने गुरु साहिब को बंदी बनाने का आदेश दिया, लेकिन गुरु साहिब ने खुद दिल्ली जाने की घोषणा कर दी। मुगल शासकों ने उन्हें प्रलोभन भी दिए, लेकिन श्री गुरु तेग बहादुर अडिग रहे। उन्होंने धर्म और सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

प्रधानमंत्री के देशहित में प्रयासों को आगे बढ़ा रही हरियाणा सरकार: नायब सैनी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश व समाज को एकता के सूत्र में बांधने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, हरियाणा सरकार उन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। नायब सैनी मंगलवार को हरियाणा सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पहले स्वागत भाषण दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को सिरोपा देकर भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में गीता जयंती समारोह का आयोजन राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करने का संदेश दिया था, जिसके बाद 2016 से हरियाणा सरकार लगातार गीता जयंती समारोह के आयोजन का विस्तार कर रही है। अब विदेशों में भी इसका आयोजन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत को याद करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा पंचकूला, फरीदाबाद, यमुनानगर तथा सिरसा से चार यात्राओं का आयोजन किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को दिया नए स्कूल खोलने का निर्देश, तीन महीने में नीति बनाने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए केरल की स्कूल शिक्षा पर चिंता जताई। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि शत प्रतिशत साक्षरता का दावा करने वाला राज्य अगर इस स्थिति में है, तो ये बहुत चिंताजनक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षा में कोई कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कहा है कि उन सभी इलाकों में जहां पहले से कोई सरकारी लोअर प्राइमरी या प्राइमरी स्कूल नहीं है, वहां नए स्कूल खोले जाएं, जिससे हर बच्चे को पढ़ाई का मौका मिले। कोर्ट ने साफ कहा कि तीन महीने के अंदर सरकार को इसके लिए एक पॉलिसी तैयार करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जहां भी हर 1 किलोमीटर के दायरे में कोई लोअर प्राइमरी स्कूल नहीं है और हर 3 किलोमीटर के दायरे में कोई अपर प्राइमरी स्कूल नहीं है, वहां नए स्कूल खोले जाएं। अगर स्कूल के लिए कोई बिल्डिंग मौजूद नहीं है तो अस्थाई तौर पर प्राइवेट बिल्डिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही स्थायी स्कूल भवनों के लिए बजट का भी इंतजाम करना जरूरी है। इसके अलावा, कोर्ट ने ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी भी तय की। अदालत ने कहा कि पंचायतें अपनी तरफ से उपलब्ध जमीन की जानकारी सरकार को दें ताकि नए स्कूलों के लिए जगह मिल सके। स्कूलों में टीचरों की कमी न हो, इसके लिए

रिटायर्ड टीचरों को अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जा सकता है, जब तक नए टीचरों की भर्ती पूरी नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को स्पष्ट आदेश दिया है कि हर क्षेत्र में सरकारी स्कूल होने चाहिए, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए अब सरकार को तीन महीने के अंदर एक पॉलिसी तैयार करनी होगी।हालांकि, सरकार के लिए यह चुनौती भी है कि वह जल्दी से जल्दी योजना तैयार करे, बजट का प्रावधान करे और नए स्कूल खोलने की प्रक्रिया शुरू करे।

साइप्रस गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल ने सीपी राधाकृष्णन से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। साइप्रस की हाउस ऑफ रिप्रजेन्टेटिव की अध्यक्ष अन्निता डेमेत्रियू के नेतृत्व में साइप्रस गणराज्य के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। राधाकृष्णन ने डेमेत्रियू और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया तथा साइप्रस की संसद का नेतृत्व करने वाली पहली महिला के रूप में उनकी ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की। राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक सभापति राधाकृष्णन ने विशेष रूप से जून 2025 में प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में आई मजबूती और सुदृढ़ता को रेखांकित किया। उन्होंने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, सांस्कृतिक तथा जनस्तर पर समन्वय में हुए विस्तार को भी उजागर किया और इंडिया-साइप्रस जॉइंट एक्शन प्लान (2025-2029) को भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक

दस्तावेज बताया।

राधाकृष्णन ने भारत के मूल हितों के मुद्दों, विशेषकर आतंकवाद विरोध पर साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और सीमित द्विपक्षीय व्यापार के बावजूद सुदृढ़ निवेश संबंधों की सराहना की। सभापति ने सांस्कृतिक समन्वय को बढ़ाने तथा सीधी हवाई संपर्क की संभावनाओं की तलाश करने की आवश्यकता पर बल दिया।दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर मजबूत समन्वय की समीक्षा भी की। राधाकृष्णन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की उम्मीदवारी के समर्थन के लिए साइप्रस को धन्यवाद दिया। राधाकृष्णन ने वर्ष 2026 में यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता के लिए साइप्रस को शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि इससे यूरोपीय संघ-भारत के संबंध और सुदृढ़ होंगे। इस अवसर पर राज्यसभा के सदस्य विवेक के. तन्खा और लहर सिंह सिरोया भी उपस्थित थे।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को खाली करना होगा 10 सर्कुलर रोड का सरकारी आवास

● बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को खाली करना होगा 10 सर्कुलर रोड का सरकारी आवास

एजेंसी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी को पटना स्थित 10-सर्कुलर रोड का सरकारी आवास खाली करने का आदेश दिया गया है। भवन निर्माण विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने जानकारी दी कि राबड़ी देवी को नया आवास आवंटित किया जा चुका है। उन्हें 39 हार्डिंग रोड स्थित बिहार विधान परिषद सदस्यों के लिए बने आवास में स्थानांतरित होना होगा। विभाग की ओर से उन्हें

नोटिस दे दी गई है।

राबड़ी देवी पिछले 20 वर्षों से 10-सर्कुलर रोड के आवास में रह रही थीं।भवन निर्माण विभाग के इस निर्णय के बाद राजनीतिक बयानबाज़ी भी शुरू हो गई है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि सरकार जानबूझकर परेशान करने की नीयत से ऐसा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'यह सब किसके इशारे पर हो रहा है, सबको पता है। आखिर 20 वर्षों बाद ऐसी क्या आवश्यकता आ गई कि राबड़ी देवी को आवास खाली करने को कहा गया? गौरतलब है कि 10-सर्कुलर रोड लंबे समय से लालू परिवार का मुख्य निवास रहा है और इसे राबड़ी देवी को पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर आवंटित किया गया था।

मुख्यमंत्री रेखा ने शहीदी दिवस पर आयोजित पवित्र ध्वज यात्रा को रवाना किया

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 25 नवंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कल श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य 'हिंद की चादर' पवित्र ध्वज यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह भव्य यात्रा गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से प्रारंभ होकर गुरुद्वारा आनंदपुर साहिब (पंजाब) तक जाएगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु गुरु जी की शिक्षाओं, आदर्शों और धर्म की रक्षा के प्रति उनके अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी संगत (श्रद्धालुओं) को नमन किया और कहा कि गुरु जी की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे और सभी का जीवन सुख, समृद्धि और शांति से परिपूर्ण हो। उन्होंने ध्वज यात्रा पर जाने वाली बस को फ्लैग ऑफ करने से पहले गुरु साहब को

नमन कर उनका आशीर्वाद लिया और सभी यात्रियों के लिए मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल श्री गुरु तेग बहादुर जी के अदम्य साहस और त्याग की याद दिलाता है, बल्कि हमें उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने और समाज में धर्म, शांति तथा समानता की भावना को बनाए रखने की प्रेरणा भी देता है।उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान न केवल सिख धर्म के लिए, बल्कि पूरी मानवता और सत्य के मूल्यों की रक्षा के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। उन्हें %हिंद की चादर% कहा जाता है क्योंकि उन्होंने देश की धार्मिक स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों से अपील की कि वे गुरु जी के आदर्शों का पालन करते हुए समाज में भाईचारे और सहिष्णुता का संदेश फैलाएं। मुख्यमंत्री ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु जी की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे और प्रत्येक जीवन सुख, समृद्धि और शांति से परिपूर्ण हो। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जयकारे लगाए 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के उद्घोष के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया।

राज्य सरकार गौवंश संवर्धन के लिए पूर्ण रूप से समर्पित' - सीएम

एजेंसी

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार सनातन संस्कृति के उत्थान, गौसेवा और युवा, महिला, मजदूर तथा किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार मन्दिरों और तीर्थ स्थलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा मंगलवार को पाली के नेतरा में भगवान श्री मीरा-माधव मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां गौशाला परिसर में बने मन्दिर में भगवान श्री मीरा-माधव सरकार की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें गौमाता की चरण धूलि से पवित्र इस पुण्य भूमि पर आने का अवसर मिला है। यहां भगवान श्रीकृष्ण और भक्त शिरोमणि मीरा बाई की आराधना होगी, जिससे नेतरा गांव की पुण्य भूमि साक्षात बैकुंठ के समान बन जाएगी। आस्था धामों में हो रहे विश्व स्तरीय विकास कार्य शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण में अनेक कार्य हुए हैं।

सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ है। यह मंदिर सांस्कृतिक तौर पर विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। आज करोड़ों लोगों धार्मिक भावनाओं को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री ने श्री राम मंदिर में धर्मध्वजा फहराई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के साथ केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे आस्था धामों में विश्व स्तरीय विकास के कार्य कराए गए हैं।

ओबीसी रिजर्वेशन के साथ निकाय चुनाव कराना मकसद, सुप्रीम कोर्ट का फैसला होगा मंजूरः देवेंद्र फडणवीस

सीएम ने बताया कि आज सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी रिजर्वेशन पर पॉजिटिव कमेंट्स किए।

एजेंसी

बुलढाणा। सुप्रीम कोर्ट में चल रही ओबीसी रिजर्वेशन की सुनवाई पर मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बात की। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव शुरू हो गए हैं और पूरा प्रोसेस अपने फाइनल स्टेज पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जो निर्णय देगा, वही मान्य होगा। सीएम ने बताया कि आज सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी रिजर्वेशन पर पॉजिटिव कमेंट्स किए। कोर्ट ने कहा कि जो पुराना फैसला है, उसे रिव्यू किया जाए। सीएम ने उम्मीद जताई कि चुनाव आसानी से होंगे, लेकिन फैसला तो सुप्रीम कोर्ट का ही है, इसलिए वह इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। राज्य सरकार ने पहले क्या स्टैंड लिया था और आगे क्या रहेगा के सवाल पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमेशा से राज्य सरकार का स्टैंड यही रहा है कि चुनाव पूरे ओबीसी रिजर्वेशन के साथ होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब उद्धव ठाकरे की सरकार थी, तो उन्होंने कई जगह ओबीसी रिजर्वेशन खत्म कर दिया था। इसके बाद हमने कोर्ट का रुख किया और कोर्ट ने ओबीसी रिजर्वेशन दिया।सीएम ने बताया कि हमने यह भी कहा कि हमें पूरा रिजर्वेशन मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस पर कुछ कमेंट्स भी किए और उसी के आधार पर ये चुनाव शुरू हुए। हालांकि, इसके बाद कुछ लोग कंटेम्प्ट में चले गए। उन्होंने कहा कि पहले कोर्ट का एक जजमेंट था, उसी वजह से कृष्णमूर्ति का केस फिर से शुरू हुआ।

फडणवीस ने साफ कहा कि उनका मकसद चुनाव को पूरी तरह ओबीसी रिजर्वेशन के साथ कराना है। उन्होंने इसे लेकर उम्मीद जताई कि चुनाव शांतिपूर्ण और आसानी से होंगे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि रिजर्वेशन पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। उन्होंने जनता और अधिकारियों से अपील की कि चुनाव प्रक्रिया में कोई बाधा न आए और सब लोग नियमों का पालन करें।

हाईकोर्ट से सीएम हेमंत सोरेन को झटका

ईडी के समन का पालन न करने से जुड़े केस में निचली अदालत में जारी रहेगा ट्रायल

एजेंसी

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन की अवहेलना से जुड़े केस में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। इस मामले में जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की बेंच ने 4 दिसंबर 2024 को उन्हें दी गई अंतरिम राहत को समाप्त करते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट को ट्रायल की प्रक्रिया बढ़ाने का निर्देश दिया है। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में हेमंत सोरेन के खिलाफ 19 फरवरी 2024 को शिकायतवाद दर्ज कराया गया था। एजेंसी का कहना है कि रांची के बड़गाई अंचल से संबंधित जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन को पहली बार 14 अगस्त 2023 को हाजिर होने के लिए समन भेजा गया था। इसके बाद इसी वर्ष उन्हें 19 अगस्त, 1 सितंबर, 17 सितंबर, 26 सितंबर, 11 दिसंबर, 29 दिसंबर को और 2024 में 13 जनवरी, 22 जनवरी और 27 जनवरी को भी समन भेजे गए थे। इस तरह उन्हें कुल दस समन भेजे गए, लेकिन इनमें से मात्र दो समन पर वह उपस्थित हुए। यह पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की धारा 63 एवं आईपीसी की धारा 174 के तहत गैरकानूनी है। कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल शिकायतवाद पर सुनवाई के बाद 4 मार्च 2024 इसलिए इस शिकायतवाद को निरस्त किया जाए।

इस पर पूर्व में हाईकोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट में निजी तौर पर उपस्थिति से

को संज्ञान लिया था। बाद में यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया। हेमंत सोरेन ने कोर्ट की ओर से इस मामले में संज्ञान लिए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा था कि ईडी के जिन समन पर वह हाजिर नहीं हुए थे, उनका जवाब उन्होंने लिखित तौर पर दे दिया था। ये समन लैप्स होने के बाद नए समन पर वह ईडी के समक्ष हाजिर हुए थे और इसका अनुपालन किया था। ईडी ने उन्हें दुर्भावना से प्रेरित होकर बार-बार समन भेजा, छूट प्रदान की थी। मंगलवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सोरेन के अधिवक्ता ने बहस के लिए वक्त देने और अंतरिम राहत आगे बढ़ाने का आग्रह किया, लेकिन कोर्ट ने इनकार करते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट को मामले के ट्रायल की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश दिया है। अब एमपी-एमएलए कोर्ट में इस केस में 28 नवंबर को सुनवाई होनी है, जिसमें सीएम हेमंत सोरेन को उपस्थित होना पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने की मप्र के अशोकनगर के सिटी प्लान और विकास कार्यों की वर्चुअल समीक्षा

एजेंसी

अशोक नगर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के सिटी प्लान के अंतर्गत संचालित प्रमुख विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की वर्चुअल समीक्षा की। इस बैठक में लगभग 6645.85 लाख रुपये लागत वाली विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। अशोकनगर कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में कलेक्टर आदित्य सिंह, विधायकगण बृजेन्द्र सिंह यादव व जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका विनोद उन्नीतान ,जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सौन्दर्यीकरण के लिए सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि अशोकनगर का विकास केवल भौतिक संरचना तक सीमित न रहे, बल्कि यह शहर संस्कृति, पर्यावरण और आमजनों की सुविधाओं के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण बने।

वैष्णो देवी कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों में 42 पर मुस्लिमों का चयन

–हिंदू संगठनों ने किया विरोध, प्रशासन ने कहा– प्रक्रिया नीट नियमों के अनुरूप

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में स्थापित माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस के पहले बैच के लिए हुए दाखिलों ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विवाद की वजह बना 50 सीटों में से 42 मुस्लिम छात्रों का चयन हुआ है, जिसके बाद बीजेपी, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। इन विरोधियों का आरोप है कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के वित्तीय सहयोग से चल रहे संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी।

इंस्टीट्यूट ने इस माह की शुरुआत में नीट मेरिट लिस्ट के आधार पर अपने पहले एमबीबीएस बैच के लिए दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुल 50 सीटों में से 85फीसदी सीटें जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए आरक्षित थीं। मेरिट के आधार पर 42 मुस्लिम और 8 हिंदू छात्रों का चयन किया गया। दाखिला सूची जारी होते ही हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने तर्क दिया कि- यह संस्थान माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के धन से चलता है इसलिए हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। बीजेपी ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देते हुए दाखिला सूची रद्द करने की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने एलजी मनोज सिन्हा से मिलकर विरोध दर्ज कराया और कहा- कि श्राइन बोर्ड को मिलने वाला दान हिंदुओं का है, जो हिंदुओं की भलाई के लिए खर्च होना चाहिए हम चाहते हैं कि प्रवेश उन्हीं को मिले जिनकी माता वैष्णो देवी में आस्था है। इस साल की प्रवेश सूची स्वीकार नहीं है, नियम बदलने चाहिए। इन संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि मेडिकल कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया जाए जिससे धर्म आधारित आरक्षण लागू किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विरोध प्रदर्शनों को अनुचित और गैर-संवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रवेश सूची कानूनन और पूरी तरह मेरिट-आधारित है। उमर ने बीजेपी की मांगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आप बिना मेरिट के प्रवेश चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेकर आएं। संविधान में 'सेक्युलर' शब्द है- अगर आपको यह पसंद नहीं, तो इसे हटा दीजिए। उन्होंने कहा- धर्म के आधार पर प्रवेश देना संविधान के मुताबिक संभव नहीं है। क्या पुलिस भी धर्म के आधार पर काम करेगी? अगर अस्पताल और विश्वविद्यालय लोगों से दान लेकर बने हैं, तो क्या आप कहेंगे कि मुसलमान या गैर-हिंदू वहां इलाज न कराएं? उमर अब्दुल्ला ने यह भी पूछा कि यदि प्रशासन बीजेपी नेताओं को भविष्य में धर्म आधारित आरक्षण देने का आश्वासन दे रहा है, तो यह कैसे संभव होगा। अगर ऐसा है, तो फिर माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी और अस्पताल को भी दान-आधारित और धर्म-आधारित संस्थान घोषित कर दें। फिलहाल प्रशासन ने कहा है कि प्रवेश सूची में कोई बदलाव नहीं होगा और प्रक्रिया नीट के नियमों के अनुरूप है।

तिब्बत में चीन के बड़े बांध भारत के लिए खतरा– तिब्बती राष्ट्रपति

लखनऊ (एजेंसी)। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने कहा है कि तिब्बत प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, जो पूरे एशिया में लगभग दो अरब लोगों को जीवन देता है। लेकिन चीन बड़े पैमाने पर बांध निर्माण कर रहा है, जिससे भारत सहित डाउनस्ट्रीम देशों पर

दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि तिब्बती लिपि भारतीय गुप्त लिपि से विकसित हुई है और नालंदा परंपरा की बौद्ध शिक्षाओं को संरक्षित करने में तिब्बत की ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके अनुसार, ये सांस्कृतिक परंपराएं आज भी प्राचीन भारतीय ज्ञान का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई हैं। तिब्बती राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लंबे समय से मिले समर्थन के लिए भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दलाई लामा और चीन के बीच हुए 17 सूत्रीय समझौते, चीनी सरकार के साथ शांतिपूर्ण संवाद, हजारों तिब्बतियों के भारत में निर्वासन, सिक्योंग से निर्वासित तिब्बती प्रशासन के गठन, दलाई लामा के मार्गदर्शन में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास तथा विभिन्न तिब्बती बस्तियों की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चीन तेज़ी से तिब्बती बच्चों को बोर्डिंग स्कूलों में दाखिल कर रहा है और उन्हें चीनी भाषा अपनाने पर जोर दे रहा है।

नया बिहार बनाने में जुटी सरकार, अब हर 40 किमी पर फोरलेन, 4 घंटे में पहुंचेंगे पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार एनडीए की सरकार एक बार फिर बन गई है। काम का नया जोश भी दिखाई दे रहा है। उत्साहित सरकार अब बिहार के लोगों को घर से 40 किलोमीटर की दूरी पर फोर लेन सड़क देने जा रही है। अगले दो साल में राज्य के किसी भी कोने से चार घंटे में पटना पहुंचने की योजना को साकार करने के लिए पथ निर्माण विभाग इस लक्ष्य के साथ काम करेगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विभाग का पदभार ग्रहण करने के साथ यह प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त किया। कहा कि पथ निर्माण विभाग राज्य के समग्र विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता रहेगी कि अगले पांच साल में एक्सप्रेस–वे और रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ससमय धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य किए जाएं। साथ ही प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से घोषित परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम होगा। मंत्री ने कहा कि मॉनिटरिंग प्रणाली को टेक्नोलॉजी के माध्यम से और भी सशक्त करने एवं पथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अगले पांच वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने, पर्यटन स्थलों तक बेहतर मार्ग उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक गलियारों को राज्य के अन्य हिस्सों से जोड़ने की विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम हो। पुराने एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का पुनर्निर्माण कराया जायेगा। अगले पांच सालों में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने, निर्माण गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिजिटल सिस्टम अपनाने तथा सड़क सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद टली यात्रा : इजरायली पीएम नेतन्याहू भारत नहीं आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो सप्ताह पहले हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस वर्ष के अंत में निर्धारित अपनी भारत यात्रा को एक बार फिर स्थगित कर दिया है। यह हमला पिछले एक दशक में राजधानी में हुआ सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए। इजरायली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू अब सुरक्षा आकलन के बाद अगले वर्ष भारत आने की नई तारीख तय करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने 2018 में भारत की अपनी आखिरी आधिकारिक यात्रा की थी। पहले ऐसी रिपोर्टें थीं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसी साल के अंत से पहले भारत दौरे पर आ सकते हैं। लेकिन यह तीसरी बार है जब उन्होंने इसी वर्ष निर्धारित अपनी यात्रा रद्द या स्थगित की है। नेतन्याहू ने पहले ही दिल्ली धमाके पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया– भारत और इजरायल प्राचीन सभ्यताएं हैं जो शाश्वत सत्यों पर खड़ी हैं। आतंक हमारे शहरों पर हमला कर सकता है, लेकिन वह कभी हमारी आत्माओं को हिला नहीं सकता। हमारे राष्ट्रों की रोशनी दुश्मनों के अंधेरे को मात देगी। इससे पहले सितंबर में उनकी भारत यात्रा रद्द की गई थी, जब इजरायल में 17 सितंबर को दोबारा चुनाव कराने की घोषणा के बाद उनके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इससे पहले भी उन्होंने अप्रैल चुनावों के चलते भारत यात्रा स्थगित की थी। दिल्ली हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए जा रहे आकलन पूरे होने के बाद ही नेतन्याहू की भारत यात्रा को लेकर नई तारीख तय की जाएगी।

दिल्ली में जहरीली हवा का कहर : कार्यालय में सिर्फ 50 फीसदी स्टाफ, बाकी वर्क–फाम होम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के चलते सरकार और प्रशासन ने नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। सभी सरकारी और निजी कार्यालय अब केवल 50 फीसदी स्टाफ के साथ काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी वर्क–फॉम–होम मोड में कार्य करेंगे। यह आदेश ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लेवल 3 के तहत लागू किया गया है, जिसे कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट निर्धारित करता है। दिल्ली सरकार ने पहले ही स्कूलों के लिए कई प्रतिबंध लगाए हैं। जब वायु गुणवत्ता अत्यधिक खराब हो, तो बच्चों को खुले में खेलने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक छुट्टियों और खास अवसरों पर सरकारी कार्यालयों में कम अटेंडेंस रहने की संभावना रहती है। उदाहरण के लिए, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व के दिन कार्यालयों में स्टाफ की उपस्थिति कम रहने की उम्मीद जताई गई थी। सीएक्यूएम पूरे एनसीआर क्षेत्र से डेटा एकत्र करता है और औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स व मौसम की स्थिति के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करता है। जीआरएपी लेवल यह तय करता है कि किन परिस्थितियों में शहर कितनी कठिनाइयों का सामना कर सकता है। सर्दियों में यह स्थिति पिछले वर्षों में आम रही है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने ध्वजारोहण समारोह में नहीं बुलाए जाने का आरोप लगाया

लखनऊ (एजेंसी)। फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण से जुड़े समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा कि ''रामलला के दरबार में धर्म ध्वजा स्थापना कार्यक्रम में मुझे न बुलाए जाने का कारण मेरा दलित समाज से होना है। तो यह राम की मर्यादा नहीं, किसी और की संकीर्ण सोच का परिचय है। राम सबके हैं। मेरी लड़ाई किसी पद या आमंत्रण को लेकर नहीं है, बल्कि सम्मान, बराबरी और संविधान की मर्यादा के लिए है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा था, ''मुझे अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्योता नहीं मिला है। यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा...!''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साधु–संतों, आदिवासियों समेत अनेक श्रद्धालुओं–मेहमानों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया।

शीतकालीन सत्र से पहले 30 नवंबर को केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अगुवाई में होने वाली इस बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे और विधेयकों पर सभी दलों से चर्चा की जाएगी।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मीडिया को बताया कि सरकार विपक्ष के नेताओं के साथ सभी लंबित तथा प्रस्तावित विधेयकों की सूची साझा करेगी। उन्होंने कहा, हम विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के नेताओं को सूची सौंपी जाएगी और उनके सुझावों के अनुरूप रणनीति तय की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया है, कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार द्वारा सुझाई गई तारीखों को मंजूरी दे दी है। कुल 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी। निजी सदस्यों के विधेयक 5 व 19 दिसंबर तथा निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा 12 दिसंबर को तय है। इसी बीच, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 को लेकर उठ रही अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने स्पष्ट किया है कि चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव केवल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से है। इससे चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन या पंजाब और हरियाणा के साथ स्थापित परंपरागत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, कि इस मामले पर अंतिम निर्णय सभी हितधारकों से विस्तृत परामर्श के बाद ही किया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

क्या भाजपा में जाएंगे कांग्रेस नेता डीके? पूर्व मंत्री के बयान से कर्नाटक में मची सियासी हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर बढ़ी रार थमने का नाम नहीं ले रही है। इस सियासी झगड़े का फायदा कोई तीसरा उठा सकता है ऐसी संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस में जारी कलह के बीच भारतीय जनता पार्टी अलर्ट नजर आ रही है। राज्य के पूर्व मंत्री और विधायक रमेश जिरकिहोली ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने साफ किया है कि अगर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो उन्हें अन्य विकल्प तलाशने होंगे। खबर है कि शिवकुमार समर्थक कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए विधायक दिल्ली में डेरा डाले हैं।

जब सवाल किया गया कि क्या शिवकुमार पार्टी बदलेंगे और भाजपा के समर्थन से सरकार बनाएंगे। इसपर जरकिहोली ने कहा कि ऐसी स्थिति की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर ऐसा होता है तो मैं उन्हें अपने नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। यह इस जीवन में तो संभव नहीं है। अगर शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो मुझे अन्य राजनीतिक विकल्पों की ओर देखना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि शिवकुमार के पास कांग्रेस में विधायकों का समर्थन है। अगर यह सच होता, तो वह पहले ही सीएम बन गए होते।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जरकिहोली ने कहा कि मैं भाजपा नेतृत्व से न्यूट्रल रहने की अपील करता हूं। उन्हें इसमें दखल नहीं देना चाहिए, यह दलदल है और हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, पावर शेयरिंग को लेकर नेताओं के बीच कन्फ्यूजन है। कुछ नेता सीएम को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह पद हासिल कर सकें। वो जो चाहते हैं, उन्हें करने दीजिए। हमने अगले चुनावों का इंतजार करना चाहिए और पूर्ण बहुमत के साथ आना चाहिए। यह मेरा निजी विचार है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास अभी जनादेश है। उन्हें उनका कार्यकाल पूरा करने दीजिए। साथ ही बार-बार चुनाव राज्य के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जन विरोधी है और अगर अगले ढाई साल सरकार में रही, तो लोगों की नाराजगी का सामना करेगा। उन्होंने कहा, फिर स्वभाविक रूप से लोग भाजपा को चुनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है। इस बीच, सिद्धारमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अगर वे तय करते हैं कि मुझे (मुख्यमंत्री पद पर) बने रहना चाहिए, तो मैं पद पर बना रहूंगा। आखिरकार, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। शिवकुमार को भी उसे स्वीकार करना चाहिए।

एसआईआर सबसे बड़ा चुनावी घोटाला, देश में 17 बीएलओ की मौत-संजय सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला बता दिया है। संजय सिंह ने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है, जबकि 563 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई और हजारों परिवार भय और उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं।

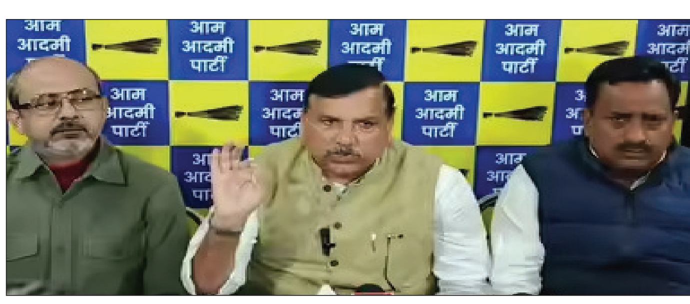

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव डेढ़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की सुनियोजित साजिश? संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय पर सरकार जानबूझकर चुप है और नकली मुद्दों के जरिए जनता को भ्रमित करना चाहती है। आप सांसद ने कहा कि बीजेपी सरकार की तानाशाही और एसआईआर जैसे चुनावी घोटालों के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी इसे पूरी ताकत से उठाएगी। संजय सिंह ने कहा कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक लाखों वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए है। एक ही विधानसभा में 50-60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि रिटायर्ड आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया है। क्या इसका मतलब है कि वे भी घुसपैठिए हैं? उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त अज्ञानेश कुमार बीजेपी सरकार के एजेंडा को पूरा करने में इतनी तेजी दिखा रहे हैं कि सरकारी कर्मचारी आत्महत्या तक करने लगे हैं। यह प्रशासनिक नहीं, राजनीतिक निर्देश है और इसके लिए चुनाव आयोग सीधा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 17 बीएलओ की मौत पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

महंत के बिगड़े बोल कहा- कलाम को बताया आतंकी अफजल गुरु का हमदर्द

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी एक बार फिर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइलमैन कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक अब्दुल कलाम पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। यति ने ना सिर्फ उन्हें अफजल गुरु से हमदर्दी रखने का आरोप लगाया बल्कि उन्हें जिहाद करने वाला तक बता डाला। हैरानी की बात यह है कि यति ने यह सब पुलिसकर्मियों के सामने कहा जो उनके आगे हाथ जोड़ते रहे।

खुद को रोकने वाले पुलिसकर्मियों के सामने यति नरसिंहानंद ने कहा कि वह (अब्दुल कलाम) तीनों सेनाओं का अध्यक्ष होकर जिहाद कर सकता है और हमारा छोटा सा सिपाही भी धर्म के लिए कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि सिस्टम हमारा ऐसा ही है। इन टिप्पणियों के बावजूद वहां खड़े पुलिसकर्मी यति को हाथ जोड़ते नजर आए। इससे पहले यति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यति नरसिंहानंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री आवास जाने का ऐलान किया था। वह इस्लामिक जिहाद को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर पीएम आवास जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया। फिर क्या था, यति नरसिंहानंद वहीं खड़े होकर एक से बढ़कर एक विवादित बातें करने लगे। पुलिस द्वारा रोके जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए गिरी ने कहा कि इस्लाम का जिहाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यदि यह जारी रहा तो बहुत जल्द सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी।

इसके बाद वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तक पहुंच गए और उन्हें सबसे कट्टर मुसलमान बताते हुए अफजल के परिवार से मुलाकात, जिहाद जैसे आरोप लगाने लगे। यति ने कहा, अफजल गुरु के परिवार से सारे प्रोटोकॉल तोड़कर मिला। अब्दुल कलाम से कट्टर मुसलमान इस देश में नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही राष्ट्रपति है जो मृत्युदंड पाए किसी अपराधी के परिवार से मिला। जब तक अब्दुल कलाम उसके परिवारवालों से नहीं मिला था अफजल गुरु ने दया याचिका दायर नहीं की थी। अब्दुल कलाम ने कहा कि दया याचिका दायर करो मैं बैठा हूं यहां पर। कांग्रेस सरकार ने तब तक दया याचिका होम डिपार्टमेंट से भेजी नहीं, वरना...। यति ने अब्दुल कलाम को भारत रत्न देने वाले नेताओं के लिए भी अपशब्द का इस्तेमाल किया।

कई राज्यों में ठंड दिखा रही अपना असर, बर्फीली हवाओं ने जनजीवन किया प्रभावित

– श्रीनगर में पारा –3.2 डिग्री सेल्सियस, दिल्ली में एक्यूआई खराब श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में नवंबर में ही ठंड का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। तापमान गिरने लगा है। कश्मीर घाटी में ठंड ने इस बार नवंबर में ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तेज बर्फीली हवाओं और गिरते तापमान ने लोगों के जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बांदीपोरा में पारा -4.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का, जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। वहीं, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और मनाली में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ने लगा है। इसके अलावा उत्तराखंड के कई जिलों में भी तापमान तेजी से नीचे गिर रहा है। दिल्ली और एनसीआर लगातार तीसरे सप्ताह से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 396 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। आने वाले दिनों में और बुरा हाल होने वाला है। हालांकि एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में स्थिति और भी भयावह है, जहां एक्यूआई 450 के स्तर को पार पहुंच गया। यूपी में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। अब धीरे-धीरे रात के समय ठंडक बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में ठंडक में इजाफा हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 2-3 दिनों से जारी तापमान में गिरावट का सिलसिला अगले 48 घंटों तक जारी रहेगा। प्रदेश में किसी सक्रिय मौसम तंत्र के न होने और ठंडी और शुष्क पछुआ, उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण सर्दी लगातार बढ़ रही है। 25 नवंबर को प्रदेश में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में सुबह के समय कहीं-कहीं पर कोहरा छा सकता है। इसी तरह 26, 27 और 28 नवंबर को प्रदेश में मौसम साफ रह सकता है। सुबह कोहरा छा सकता है। 29 और 30 नवंबर को भी प्रदेश में मौसम साफ रहने के साथ ही कोहरा छाने की संभावना है।

बिहार में सर्दी के साथ ही कोहरा भी बढ़ रहा है और साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक लेवल तक बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से ठंड बढ़ी है। उत्तराखंड में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है लेकिन तापमान में गिरावट आ रही है। न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जिसके चलते पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी जनपदों तक ठिठुरन होने लगी है।

मौसम केंद्र के मुताबिक फिलहाल मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार बना रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला गिरने और मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छा सकता है। देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार को तेज धूप खिली रही। हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से दिन के समय भी खासी ठंड महसूस की गई है।

आतंकी हैंडलरों को लेकर देश भर के अल्पसंख्यक संस्थानों पर रखी जाएगी नजर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली धमाके में जिस तरह से फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम आते पूरे देश के अल्संख्यक संस्थान निशाने पर आ गए हैं। अब राज्य सरकारें अपने-अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेंगी कि वहां किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियां तो नहीं चल रही हैं या फिर किसी तरह की संदिग्ध वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं हो रही हैं। बता दें कि दिल्ली धमाकों के तार अबतक अल-फलाह के कम से कम तीन डॉक्टरों से सीधे तौर पर जुड़े पाए गए हैं। खुद फिदायीन हमलावर डॉ उमर उन नबी भी वहीं पढ़ाता था। बता दें कि अल-फलाह ग्रुप का फाउंडर और चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में है। जब, उसकी यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों का नाम टेरर मॉड्यूल के रूप में सामने आया तो कुछ ही दिन बाद ईडी ने इसे गिरफ्तार कर लिया। जवाद के ट्रस्ट से जुड़े करीब दो दर्जन ठिकानों पर ईडी छापा मार चुकी है। जवाद से जुड़ी यूएई की दो प्रॉपर्टी, यूके समेत विदेशी स्रोत से मिले हजारों डॉलर के फंड की जांच हो रही है। ईडी उन लोगों की भी तहकीकात कर रहा है, जो जवाद के लगातार संपर्क में रहे हैं। एक वरिष्ठ सरकारी सत्र ने बताया. राज्य सरकारों से कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराता है, जिसका अतीत संदेहास्पद रहा है, तो उन पर नजर रखें। यह भी कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, खासकर अगर वह स्टूडेंट्स के लिए मीडियेटर या हैंडलर के रूप में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और वह भी विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर से है तो उसको लेकर अलर्ट रहें। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में इस तरह का फैसला लिया गया है। इस बैठक में एनआईए, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने आपस में विचार-विमर्श किया है। अब से राज्य सरकारों को जैसे ही अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की भनक लगेगी, वह तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट करेगा। अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों को स्पष्ट तौर पर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच-पड़ताल की वजह से उनके किसी भी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को किसी तरह की असुविधा नहीं होने पाए।

नाबालिग ने युवक पर बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां,हत्या के मामले में पुलिस ने 3 को पकड़ा

नई दिल्ली। रणहौला इलाके में बुधवार रात 18 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त सैनिक एन्क्लेव, मोहन गार्डन निवासी नितिन (18) के रूप में हुई है। वह फर्नीचर की फैक्टरी में काम करता था। पुलिस ने हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने मामले की छानबीन कर वारदात में शामिल तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हत्या के कारणों की जांच कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे रणहौला थाना पुलिस को जीडी लांसर पब्लिक स्कूल के पास एक युवक को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले युवक को पास के अस्पताल में ले जा चुके थे। अस्पताल में पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। उसके शरीर पर तीन गोली के घाव थे। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कर जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला कि घटना के समय नितिन स्कूल के सामने बैठा हुआ था, इसी दौरान वहां तीन युवक पहुंचे। इस दौरान एक नाबालिग ने उसपर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से कई साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें वारदात को अंजाम देते आरोपी कैद हुए थे। मुखबिरों के जरिये पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर बृहस्पतिवार को तीन आरोपियों को पकड़ लिया।

बेटी की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता था अंगद, पिता ने बेटे-भांजे संग मिलकर काटा गला

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में लड़की को परेशान करने और उसकी अश्लील वीडियो लीक करने की धमकी देने पर युवक की हत्या कर दी गई। लड़की के पिता ने अपने भांजे और बेटे के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। 17 नवंबर को बसई दारापुर इलाके में गला रेतकर हत्या की गई थी। सीसीटीवी फुटेज के जरिए पुलिस ने आरोपियों की पहचान करने के बाद हत्या की साजिश रचने वाले लड़की के पिता और उसके ममेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके सगे भाई की तलाश कर रही है। पुलिस ने इनके कब्जे से पेपर कटर, मृतक का मोबाइल फोन और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर 17 नवंबर को कीर्ति नगर थाना पुलिस को रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में एक युवक का शव लहूलुहान हालत में पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक की गला रेतकर हत्या की गई है। मृतक की शिनाख्त बसई दारापुर निवासी अंगद के रूप में हुई। जांच में पता चला कि उसका मोबाइल फोन और अन्य सामान गायब हैं। पुलिस ने छानबीन करने पर पाया कि अंगद बसई दारापुर इलाके में रहता था और एक फैक्टरी में काम करता था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी संजीव धोडी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने मृतक के घर के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें उसे अंतिम बार दो लोगों के साथ देखा गया, जिनकी पहचान करने के बाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने मामा और ममेरे भाई के साथ मिलकर हत्या की है।

बैंक के बाहर कैश कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने निजी कंपनी के कैश कलेक्शन एजेंट से 4.47 लाख रुपये लूटने का प्रयास किया। पीड़ित ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग उसकी मदद को पहुंचे। भीड़ को आता देखकर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर मौके से भाग गए। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान करावल नगर निवासी शिवम (24) और आशुतोष कश्यप (22) के रूप में हुई है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मंगलवार शाम को 100 फीटा रोड निवासी हिमांशु (20) के साथ लूट का प्रयास हुआ था। हिमांशु ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में कैश कलेक्शन का काम करता है। वारदात के समय वह बैंक में कैश जमा कराने जा रहा था। इस बीच बाइक सवार दो युवकों ने लूटने का प्रयास किया। बैग छीनने के दौरान हिमांशु ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग वहां पहुंच गए।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1) Mrs. Roshni Devi W/o Mr. Jagresh Singh & (2) Mr. Jagresh Singh S/o Mr. Pahlal Singh are the owner of Leasehold Commercial Shop No. E-10/14 area measuring 14.54 Sq. Mtrs., Situated at Pratap Vihar, G.M.P., Ghaziabad Tehsil & Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh. by virtue of Transfer Deed dated 24.10.2018 as Doc. No. 7274, Book no.1, Vol no. 7330, Pages no. 335-392, SR- V, Ghaziabad. in the Chain Documents below mentioned Document not available i.e. (1) Original Allotment Letter issued by GDA in favour of Mr. K.K. Dwivedi S/o Mr. L.L. Dwivedi (2) Original Possession Letter issued by GDA in favour of Mr. K.K. Dwivedi S/o Mr. L.L. Dwivedi, (3) Original Lease Deed dated 18.08.2000 executed by GDA in favour of Mr. K.K. Dwivedi S/o Mr. L.L. Dwivedi as Doc no. 204/205 in Book No. 1 Vol no. 4 on Page no. 48-57 SR- V Ghaziabad. & (4) Original Transfer Deed dated 10.08.2015 executed by Mr. K.K. Dwivedi S/o Mr. L.L. Dwivedi in favour of Mr. Raj Kumar S/o Mr. Jagat Singh as Doc no. 4396 in Book No. 1 Vol no. 5047 on Page no. 149-200 SR- V Ghaziabad. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by DCB Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, GURPREET KAUR DHALLA D/O JAGJEET SINGH R/O Z-6,1ST FLOOR, WEST PATEL NAGAR,PATEL NAGAR,CENTER DELHI,DELHI-110008, HAVE CHANGED MY NAME TO GURPREET KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, JAGJEET SINGH DHALLA / JAGJIT SINGH S/O HARINDER SINGH R/O Z-6, 1ST FLOOR,WEST PATEL NAGAR,PATEL NAGAR,CENTER DELHI, DELHI-110008, HAVE CHANGED MY NAME TO JAGJEET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, AMARJEET KAUR DHALLA W/O JAGJEET SINGH R/O Z-6,1ST FLOOR, WEST PATEL NAGAR, PATEL NAGAR, CENTER DELHI, DELHI-110008,HAVE CHANGED MY NAME TO AMARJEET KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Arun S/o Subhash Chand R/o House No. 335, Shyam Colony, 100 ft Road, Ballabgarh, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Arun Kumar Mittal for all future purposes

NAME CHANGE

I, Manju W/o Arun Kumar Mittal R/o House No. 335, Shyam Colony, 100 ft Road, Ballabgarh, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Manju Rani for all future purposes

NAME CHANGE

I Md Sameer S/O Mohd Shakil R/O T-703/B, 1st floor gali no-7 near shiv mandir Baljeet nagar delhi 110008 changed my name to Mohammad Sameer.

NAME CHANGE

I Shubham Srivastava S/O Omprakash Shrivastava R/O Flat No-304 Rose-1-Tower sector -1 Garden City Bishrakhla Surajpur Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh 201306 changed my name to Shubham Shrivastav.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Babloo to inform to the public at large that Mr. Babloo is purchasing the Third Floor with roof rights, on Property No. A-8/1, measuring 39 Sq. Yds., Khasra No.384/31, A-Block, Rani Garden, Shastri Nagar, Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110031 from Mrs. Akbari Begum who became owner vide Sale Deed dated 20.12.2016 (Document No. 7235) and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch Nangloi, Delhi. That, Original Regd. Irrevocable General Power of Attorney dated 06.09.2010 executed by Mr. Shambhu Singh, Mr. Manmeet Singh & Mr. Sanjeev Jain in favour of Mrs. Rehana Begum in respect of the said property, Doc. No.10023, Book No.4, dated 06.09.2010, SR-VIII, New Delhi has lost/misplaced and FIR for the same also lodged. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor, DLF Dilshad Extn.-II, Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE

It is for general information that I HIJAM SHYAMCHANDRA LUWANG, S/o HIJAM DHARMA LUWANG, R/O Andro Khunou Leikai, Andro Nagar Panchayet, PO: Yairipok, Dist- Imphal East, Manipur - 795149, and presently residing at Quarter No. 2, Block-J, Andrews Ganj Extension, New Delhi, Delhi – 110049 declare that the name of my wife has been wrongly written as SALAM SUMITA, in my minor son namely JESSE LUWANG HIJA? , aged 9 years in his School Record and Birth Certificate No. 11959. The actual name of my wife is SUMITA LUWANG respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto Known as KULDEEP KAUR W/o HARISH CHANDRA ARORA residing at AF - 47C, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as USHA ARORA.

NAME CHANGE

I hitherto known NARESH KUMAR alias NARESH SONI alias NARESH KUMAR SONI S/o JODH RAJ SONI residing at FB-11, Tagore Garden, West Delhi, Delhi - 110027 have changed my name and shall hereafter be known as NARESH KUMAR.

NAME CHANGE

I, PIYUSH S/o Sanjay Pulyani R/o H.No.222, Near Arya Samaj Mandir, Kharkari Mohalla, Narnaul, Mahendragarh, Haryana-123001, have changed my name PIYUSH PULYANI permanently

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR S/o Kishan Chand Pulyani R/o H.No.222, Near Arya Samaj Mandir, Kharkari Mohalla, Narnaul, Mahendragarh, Haryana-123001, have changed my name SANJAY PULYANI permanently

NAME CHANGE

I, AJAY S/o Shobhraj Chaman Barot R/o 211, Bhatt Camp, Ram Dev Nagar, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name from AJAY to PARDEEP RAI permanently

NAME CHANGE

I, PRADEEP MOYAL S/o Bhagaram Moyal R/o E-65, 1st Floor, Back Side, Mohan Garden, Peepal Wala Road, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name PRADEEP KUMAR MOYAL permanently

NAME CHANGE

I, Rekha Devi W/o Hari Om Tiwari R/o H. No. B-206, Street No.9, Pusta Road, West Karawal Nagar, Delhi-110094 have changed my name to Rekha Tiwari for all future purposes

NAME CHANGE

It is for general information that I JITENDER S/o JAIRAM, R/o H-222, Khasra No. 9/7, Gali No. 4, Kushak Road, Near Bharat Medical Store, Swaroop Nagar, Badli, North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine has been wrongly written as JITENDER KUMAR in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is JITENDER, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I HIJAM SHYAMCHANDRA LUWANG, S/o HIJAM DHARMA LUWANG, R/O Andro Khunou Leikai, Andro Nagar Panchayet, PO: Yairipok, Dist- Imphal East, Manipur - 795149, and presently residing at Quarter No. 2, Block-J, Andrews Ganj Extension, New Delhi, Delhi – 110049 declare that the name of mine has been wrongly written as H.S LUWANG, in my minor daughter namely HIJAM SHYAMITA LUWANG , aged 15 years in her School Record. The actual name of mine is HIJAM SHYAMCHANDRA LUWANG, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-15446836W, Rank-NK, Name-DANDGE VILAS SURESH residing at VILL-CHINCHKEDA, PO-JANEPHAL, SUB DIST-JAFRABAD, DIST-JALNA, MAHARASHTRA-431206, have changed my father's name from DANDGE SURESH to SURESH VITTHAL DANDGE for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15446836W, Rank-NK, Name-DANDGE VILAS SURESH residing at VILL-CHINCHKEDA, PO-JANEPHAL, SUB DIST-JAFRABAD, DIST-JALNA, MAHARASHTRA-431206, have changed my mother's name from ANUSAYABAI to ANUSAYA SURESH DANDGE for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LAKSHMI DEVI wife of JC-288945N, Rank- SUB Name-DHIRENDRA KUMAR DHIRAJ residing at VILL-TELDIHA, PO-KAJI PANKRI, TEH-LESLIGANJ, DISTT-PALAMAU, JHARKHAND-822118, have changed my name from LAKSHMI DEVI to LAXMI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MEHARWAN SINGH alias MEHARWAN SINGH RAWAT S/o MOHAN SINGH R/o RZH-333, Gali No-11, H-Block, Palam Colony, Raj Nagar Part-2, South West Delhi, Delhi-110077, have changed my name and shall hereafter be known as MEHARWAN SINGH RAWAT.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **समीर पुत्र मोहम्मद सबिर निवासी शेर खान का घर, मिंजा गार्डन, अशोक विहार, लोनी, अफशा मस्जिद के पास और साहिल पुत्र फिरोज खान निवासी गिरी मार्केट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 478/2016, U/S 325/34 IPC, अन्तर्गत थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** और **साहिल** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** और **साहिल** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहे हैं)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 478/2016, U/S 325/34 IPC, अन्तर्गत थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **समीर** और **साहिल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.01.2026** को इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री श्रुति सरस्वत
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी– 03
उत्तर–पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/15840/NE/2025(Court Matter)

गुमशुदा की तलाश

नाम- नौशाद आलम
Mob.: 9953745327
8235622699, 8851807070
B-63 Sanjay Colony Okhla, Phase-2 South Delhi-110020

दिनांक-10/11/2025 को समय करीब 04:00 pm पर घर से बिना बताये चले गये।

जिसका हुलिया इस प्रकार से है कद - 5 फुट 1 INCH रंग-गेहुआ, चेहरा - गोल, शरीर-पतला जिसने नीला शर्ट काला पेंट व पैरों में हवाई चप्पल पहने हुए है। जिसकी दीमागी हालत ठीक नहीं है। मिलने पर ऊपर दिए गए पते या मो० न० पर संपर्क करें।

NAME CHANGE

I HARISH CHAND S/O HAR DAYAL DHINGRA R/O CGL044DLF CAPITAL GREENS 15 SHIVAJI MARG MOTI NAGAR DELHI WEST 110015 HAVE CHANGED MY NAME TO HARISH CHAND DHINGRA

सार्वजनिक सूचना

यह आपको सूचित करने हेतु है कि श्री महेश परवाल एवं श्रीमती सुनीता परवाल, संपत्ति संख्या J–170, क्षेत्रफल 301 वर्ग गज, स्थित राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के तृतीय तल को श्रीमती परवीन कोहली एवं श्रीमती इंदरजीत कोहली से क्रय करने का अभिप्राय रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री अवतार सिंह कोहली थे, जिन्होंने यह संपत्ति श्री बाबू नंद लाल पुरी से दिनांक 30.04.1966 को निष्पादित विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी थी। दुर्भाग्यवश, बाद में श्री अवतार सिंह कोहली का देहांत हो गया। न्यायालय आदेश संख्या 235/1967 के आधार पर उक्त संपत्ति का हस्तांतरण श्रीमती कौशल्या देवी एवं श्री उपकार सिंह के पक्ष में किया गया। श्रीमती कौशल्या देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री अवतार सिंह कोहली ने दिनांक 03.06.1976 को एक पंजीकृत वसीयत श्रीमती परवीन कोहली एवं श्रीमती इंदरजीत कोहली के पक्ष में बनाई थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती कौशल्या देवी का देहांत दिनांक 28.06.1976 को हो गया। इसके परिणामस्वरूप, श्रीमती परवीन कोहली एवं श्रीमती इंदरजीत कोहली अब उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामित्वधारी हैं। यह पुष्टि की जाती है कि संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद–विवाद, बोझ, गिरवी, देय, या दावों से मुक्त है। कृपया अवगत रहें कि वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd), शाखा- गुरुग्राम, हरियाणा के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, SHAZIA W/O MOHD REHAN R/O H NO-D-92/2, GALI NO-9, WAZIRABAD VILLAGE DELHI-110084 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAZIA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, E SINDHUJA wife of No.-14653432K, Rank-HAV, Name-G ESAKKI MUTHU residing at 216, NAIDU, VILL-PADIKA SUVAITHAN PATTY, PO-VAITHILIGA PURAM, TEHSIL-SRIVILLIPUTUR, DIST-VIRUDHU NAGAR, TAMIL NADU-616225, have changed my name from E SINDHUJA to M SINDHUJA for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Be it known that my client Smt. Sarita Devi w/o Late Sh. Jagdish Prashad, R/o F-3/435 Sangam vihar, New delhi-110080, has disowned her son Sh. Rahul kumar - age about 35 years and her daughter in law namely Mrs. Indra D/o Harish Rana, W/o Rahul Kumar, age about 32 years and her grand son namely Raunak Age about 2 years, they all are resident of F-3/435 Sangam Vihar, New delhi-110080, from all her movable and immovable properties and has severed all relations from them due to their misbehavior and their indulgence into various illegal activities. If anybody deals with the aforesaid persons, he/she/they will be doing so on its own risk and consequences and their misdeeds will have nothing to do with my client Smt Sarita Devi.

Mr. Aakash Gupta, Advocate
Chamber No. 673, Saket Court,
New Delhi
Mob- 8860889988

NAME CHANGE

I, Priyanka Kumari W/O Ravi Shekhar R/O Sf-3, Plot No-14, Shakti Khand-2 Indra Puram, Shipra Sun City Indirapuram Ghaziabad Up 201014 Have changed my name name to Priyanka Shekhar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mithlesh Upadhyay S/O Shiv Bihari Upadhyay R/O 189, Satya Niketam New Delhi 110021 Have changed my name to Mithlesh Kumar Upadhyay for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMMAD JAWEED AKHTER CHOWDHARRY S/O MOHAMMAD YOUNUS R/O DDA SFS FLAT NO-74-T THIRD FLOOR SECTOR-7 JASOLA OKHLA DELHI-110025 have changed my name to MOHAMMAD JAWEED AKHTER CHOWDHARY for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SUDHIR KUMAR Son of No-8036116Y Rank-HAV Name-MAHENDER PAL Presently residing at VILL-SILARPUR, TEH-NARNAUL, DIST-MAHENDRAGARH, HARYANA-123021, have changed my name from SUDHIR KUMAR to SUDESH KUMAR for all future purposes and in my father's service records my date of birth wrongly mentioned as 24/11/2003 instead of my correct date of birth as 02/12/2000 vide Affidavit dated 25/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as KAMAL SINGH S/o RAMSAWROOP, R/o House No. 123, Kheri Sanwal, PO: Dhani Phogat, Dist: Charkhi Dadri, Haryana-127306, have changed my name and shall hereafter be known as KANWAL SINGH, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by **Mr. RAJU AZAAJ** who is purchasing Shop No. 137, area measuring 36.36 sq.yds., situated in Vegetable Market, Dabua Colony, NIT, Faridabad, Haryana. from Sh. Sunil and Sh. Radhey Shyam who is the owner of the property vide Sale Deed dated 22.05.2024 which is Registered as doc no. 1384, SR-Badkhal and will be taking financial assistance from **Aditya Birla Capital Ltd.** That The a. Original Allotment Letter issued by The Market Committee in favour of Sh. Rajesh Kumar in respect of shop no. 137 & Original Possession Letter issued by The Market Committee in favour of Sh. Rajesh Kumar in respect of shop no. 137 & Original Conveyance Deed dated 17/02/2009 executed by The Market Committee in favour of Sh. Rajesh Kumar in respect of shop no. 137. As doc no. 24925 & Original Sale Deed dated 07/12/2010 executed by Sh. Rajesh Kumar in favour of Sh. Kuldeep Kumar. In respect of shop no. 137, area measuring 36.36 sq.yds. As doc no. 12869, SR-Faridabad are lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Nandkishor W Nimje Son of Shri Wasudevrao Nimje R/O E-32C, First Floor, G8 Area, MIG Flat Mayapuri, Maya Puri, South West Delhi-110064 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as **Toshika Nandkishor Nimje** in my minor daughter's namely **Toshika Nimje** aged 14 years in her School record. The actual name of my minor daughter is **Toshika Nimje** respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It's therefore declared that I Dr. Munish Raizada S/O Jiwan Lal R/O E 157, B. K. Dutt Colony, Jor Bagh, New Delhi - 110003 and i was the New Delhi Assembly Candidate SEAT (AC-40) IN 2025 FROM Bharatiya Liberal Party(BLP) and my election symbol DUSTIBIN and was given Election Commission of Delhi. All the posters / Wall Paintings / Stickers / Holdings which was used during my campaign has been removed. During the election campaign some unknown and unpaid Volunteers put Posters / Wall Painting / Stickers Holdings in other restricted area without my consent or knowledge. These materials was not sanctioned by me nor any other officials from my office workers. I am not responsible for that the things which has occurred during election campaign.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD BABAR S/O MOHAMMAD JAKAR R/O H NO.6214 GALI JHARSIYAN,QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI G.P.O NORTH DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD BABAR

NAME CHANGE

I VISHAL S/O RAVINDRA KUMAR R/O FLAT NO 172 HERITAGE TOWER SAWAN CGHS NEAR DPS DWARKA SECTOR-3 DELHI-110078 HAVE CHANGED MY NAME TO VISHAL KUMAR

NAME CHANGE

I MOHAMMAD KAIF REZA S/O ANISH RAHMAN R/O H.NO ,E BLOCK ,154, GALI NO - 4 SHIV DURGA VIHAR LAKKARPUR SURAJKUND FARIDABAD HARYANA - 121009, I have changed my name to MOHAMMED KAIF REZA Permanently for all purposes

NAME CHANGE

I, Narendra Bhati S/O Kartar Singh, R/O Village Darin, Khera Chauganpur. Kulesara, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306, have changed the name of my minor daughter Anjil Bhati aged 16 years and she shall hereafter be known as ANGEL BHATI.

NAME CHANGE

I, RAFEEL AHMAD S/O RASHID AHMAD residing at H.No-321,Gali No-3,Old Mustafabad Delhi-110094, have changed my name to KAFEEL AHMAD.

NAME CHANGE

I, NITU DEVI is legally wedded wife of No. 189923M Rank UDC Name PERMOD KUMAR presently residing PLOT NO-399D, UPPER GROUND FLOOR, GALI NO-41, VIPIN GARDEN, DISTI WEST DELHI, (DELHI)-110059have changed my name from NITU DEVI to NITU KUMARI for all future purposes. Vide affidavit dated 24.11.2025 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, NAFISA BEGUM W/O ASHFAQ AHMED residing at HOUSE NO 1718-19, GALI MADARSA MEER JUMLA, MAIN BAZAR, NEAR HAMDARD DAWAKHANA, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to HANIFA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ASHFAQUE AHMED S/O ISHAQ AHMED residing at HOUSE NO 1718-19, GALI MADARSA MEER JUMLA, MAIN BAZAR, NEAR HAMDARD DAWAKHANA, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to ASHFAQ AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAISTA W/O MOHD SABIR R/O C-12/178, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SHAISTA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, MOHD SAIFI S/O GULAM BARI R/O H NO-1/11414 C-3, GALI NO-10, NEAR MEENA TAI DISPENSARY, SUBHASH PARK EXTENSION, SHAHDARA, EAST DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SHAFI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, SONI W/O DILSHAD ALI R/O H NO-12-A/196A, GALI NO-13, KH NO-256, VIJAY MOHALLA MAUJPUR, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME AYESHA FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN THAT MY Client Smt. Asha Devi W/o Sh. Khemchand, R/o House No. D-65, JJ Camp Tigri, South Delhi, New Delhi -110062, has Disowned/Debarred her child namely Pritam, from all her Movable-Immovable/Assets and any other Property which may be acquired or purchased hereinafter. In furtherance of the aforesaid Pritam, are not in my client's control & do not follow my client's instructions, and always disobey my client. Hence my client withdraws them from all/any benefits/ownership of all my client's movable and immovable property/properties and assets. Pritam (if any) will have no right in the estate of my client.

Rohan Bhambri Advocate

NAME CHANGE

I Vijay Kumar S/O Bhavish Chand Aggarwal R/O. 1/6624, Second Floor, Street No-4, East Rohtas Nagar, Shahdara Delhi-110032 have changed my name to Vijay Kumar Aggarwal for all purposes.

NAME CHANGE

I Laxami Kishore Prashar S/O Vishwanath Prashar R/O. H.No-A-3, Street No-5, Block-A, West Karawal Nagar Delhi-110094 have changed my name to Laxmi Kishore for all purposes.

NAME CHANGE

I VISHAVA Nath PRASHAR s/o HAR NARAYAN r/o A20/5 block A street no 5 west karawal nagar DELHI -110094 have changed my name to VISHWANATH for all purpose

PUBLIC NOTICE

Mr. Anurag Singh Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 127, First Floor, in Tower No. D, having Super area 1140 sq. ft., in the complex known as "GALAXY NORTH AVENUE", built up Plot bearing No.GC-03, situated in "GAUR CITY" Plot no. GH-01, Sector-04, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. , Mr. Anurag Singh have lost Original Allotment Letter dated 11.04.2013 issued by M/s Galaxy International Realtech Pvt. Ltd., in favour of Mr. Amit Kumar Dahiya and Mrs. Aman Dahiya and Possession Letter dated 27.07.2016 issued by M/s Galaxy International Realtech Pvt. Ltd., in favour of Mr. Amit Kumar Dahiya and Mrs. Aman Dahiya and Transfer memorandum issued by GNIDA dated 23.12.2021 in favour of Mr. Anurag Singh, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said Flat or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, MANJU DEVI is a legally wedded wife of No. 186773W Rank PIONEER Name JITENDER KUMAR presently residing, VPO- GUDHA, TEH-KANINA, DIST- MAHENDERGARH, (HARYANA)- 123027, have changed my name from MANJU DEVI to MANJU and date of birth from 01/01/1985 to 16/04/1983 for all future purposes. Vide affidavit dated 24.11.2025 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR S/O MAHABIR SINGH R/O PLOT NO-506, FLAT NO-101 NEAR RAILWAY STATION, BIJWASAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110061 HAVE CHANGED MY NAME TO MUKESH VERMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, TAHIR HASAN S/O JAHID HUSAIN R/O H NO-C-2/10, GALI NO-2, GANPATI AUTO MOBILE, KABIR NAGAR, GOKALPUR NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TAHIR HASSAIN AND FATHER NAME JAHID HUSSAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, SYED SAJID ALI S/O HAMID ALI R/O H NO-1, GALI NO-1, MAIN CHOK KARDAMPURI, GOKAL PUR, NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME SAJID ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, RESHAMA PARVEEN WIFE OF TAHIR HASAN AND DAUGHTER OF KHALEEL AHMAD R/O H NO-C-2/10, GALI NO-2, GANPATI AUTO MOBILE, KABIR NAGAR, GOKALPUR NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME RESHMA PARVEEN AND FATHER NAME KHALIL AHMED AND WIFE OF TAHIR HASSAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR S/o Sukh Bir Singh R/o B-1/70, Gali No.7, Vishnu Garden, Maddi Wali Gali, Delhi-110018 have changed my name from AMIT KUMAR to AMIT KUMAR DHINGRA permanently

NAME CHANGE

I hitherto known as SHAILENDRA KUMAR S/O SHEKHARCHANDRA R/O 215, Chhajarsi Colony Noida, Sector-63, PO: Chhajarsi, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201307, have changed my name and shall hereafter be known as GAJENDRA KUMAR.

NAME CHANGE

I, Jitendra Sharma S/O Jaswant Sharma Permanent resident of Madak, Hetalpur, Aligarh, Uttar Pradesh - 202137, Presently residing at, Flat No.1015, Tower No.D-2, Plot No.9, Gardina Gateway Sector -75, Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201316 have changed the name of my minor son Armaan Vashisth aged 06 years and he shall hereafter be known as Aarav Vashisth.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as JENITTA MARY L W/o Lucas , Permanent Address-NO.5/935, West Street, Sannuvur, Sannuvur South District Ariyalur,Tamil Nadu-621651, Present Address-H.No- 2/240, Dakshinpiri Extension, Ambedkar Nagar, South Delhi, New Delhi- 110062, have changed my name and shall hereafter be known as JENITTA MARY V.

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि नाम ङ्क श्रीमती सीमा पत्नी श्री अनिल कुमार वर्तमान पता- एच. नंबर 884/5 गली नंबर 6ए पटेल नगर बांके बिहारी मंदिर के पास गुड़गांव हरियाणा। (विक्रेता)। मेरे मुवक्किल (उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड) की ओर से सभी संबंधितों को यह ज्ञात हो कि रजिस्टर डीड विवरण ---1 बिक्री डीड संख्या 6733, बुक नंबर 1, दिनांक 08.11.1993 ऑस्कर डेवलपर्स (इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता श्री अनूप कुमार जैतोआ के माध्यम से) द्वारा मेसर्स बॉन टन इंपोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में निष्पादित, दुकान नंबर 327 दूसरी मंजिल पर। और 2. बिक्री डीड संख्या 28251, बुक नंबर 1, दिनांक 05.03.2008 लिमिटेड (इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता श्री युगल किशोर कोचर के माध्यम से) श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री राम कुमार यादव के पक्ष में। दुकान सं. 327, दूसरे तल पर और 3. बिक्री विलेख संख्या 33326, पुस्तक सं. 1, दिनांक 25.02.2011 श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री राम कुमार यादव द्वारा श्रीमती पूर्णिमा गौड़ पत्नी श्री नितिन गौड़ के पक्ष में निष्पादित। दूसरे तल पर दुकान सं. 327 (संपत्ति श्रृंखला का हिस्सा) दस्तावेज गायब है और यह वाणिज्यिक दुकान सं. 327 का हिस्सा है, जो दूसरे तल पर नगरपालिका समिति सं. 1119/6 पर है, जिसका कवर्ड एरिया 270 वर्ग फीट है, जिसमें सामने बरामदे में पूरा बरामदा है और यह वाणिज्यिक परिसर में स्थित है जिसे आप का बाजार अलवर रोड रोशनपुरा गुरुग्राम, हरियाणा के रूप में जाना जाता है। और अब बिक्री के लिए समझौता दिनांक 24.10.2025 श्रीमती सीमा पत्नी श्री अनिल कुमार द्वारा श्रीमती वीना पत्नी श्री विनोद के पक्ष में निष्पादित किया गया। दूसरी मंजिल पर दुकान नं. 327। और यही संपत्ति उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, एससीओ–36, सेक्टर–15–भाग–II, गुड़गांव (हरियाणा), पिन–122001 (मेरे मुवक्किल) के पास बंधक है। उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कागजात गलत जगह पर हैं/खो गए हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता है और इस संबंध में पी.एस. हरियाणा में एक रिपोर्ट दर्ज की गई है, वीडियो आवेदन संख्या- 132270462501158, खोई हुई तिथि 01.04.2019 कोई भी व्यक्ति, एसोसिएशन, या कोई अन्य कानूनी संस्था जिसे यह मिलती है, उससे अनुरोध है कि वह इसे तत्काल हस्ताक्षरकर्ता को वापस कर दे। कोई भी व्यक्ति (व्यक्तियों) के पास उक्त खोए/गुम हुए दस्तावेज़ के आधार पर या अन्यथा विषय संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, शीर्षक या हित है, तो वह अपना दावा, उसके समर्थन में दस्तावेज़(दस्तावेजों) के साथ, इस नोटिस के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर इसके बाद किसी भी तरह का कोई क्लेम स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दीपक मलिक (एडवोकेट)
पता–प्लॉट 604 दुकान – 2
कटारिया कॉम्प्लेक्स दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE

I hitherto known as SHAILENDRA KUMAR S/O SHEKHARCHANDRA R/O 215, Chhajarsi Colony Noida, Sector-63, PO: Chhajarsi, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201307, have changed my name and shall hereafter be known as GAJENDRA KUMAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I YAMIN S/O FHULEDEEN R/O House No. 10, Ward No. 08, Davar Talab, Sangam Vihar Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, declare that name of my father has been wrongly written as PHULA in my Aadhaar Card No. 907932777916. The actual name of my father is FHULEDEEN which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह कि, **श्रीमती नीलम जायसवाल मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड** से **100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट के लिए ऋण चाहती हैं, जिसकी संपत्ति आईडी संख्या 6एन2के1एल95 है, जो खेवट संख्या 1411 खाता संख्या 1432, मुस्तकिल संख्या 233 किला संख्या 13/2(3-6), 14/2(3-16), 15/2(5-5), 16/1(4-0) में शामिल है, जो वाका सिवाना मौजा फारुख नगर, तहसील फारुख नगर और जिला गुड़गांव (एचआर) में स्थित है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा; श्री विवेक कुमार जायसवाल ने** हमें यह समझाया है कि पिछले मालिक **श्रीमती परवेश देवी पत्नी श्री सुंदर** ने निम्नलिखित दस्तावेज अर्थात **ट्रांसफर डीड दस्तावेज संख्या 1466 दिनांक 09.09.2016 एलआर संख्या 132270412501282 को** कहीं खो दिया है या गलत जगह रख दिया है, जो पता लगाने योग्य नहीं हैं या नहीं मिल सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति या किसी व्यक्ति को कानूनी उत्तराधिकारियों, बंधक, उपहार, पट्टे, विरासत, ग्रहणाधिकार या अन्यथा के माध्यम से उक्त दस्तावेजों पर कोई दावा प्राप्त हुआ है या उसके खिलाफ कोई दावा है या उक्त दस्तावेजों के साथ कोई आपत्ति है तो इसके लिए आवश्यक है कि वे प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप से नीचे हस्ताक्षरकर्ता को बताएं, इन उपरोक्त दस्तावेजों को ऐसे दावों के लिए शून्य और अमान्य घोषित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो उसे माफ कर दिया जाएगा और ऐसा न करने पर, यह उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेगा जैसे कि उक्त संपत्ति के संबंध में कोई तीसरे पक्ष का दावा/आपत्ति/विवाद नहीं है दावे/आपत्तियां/विवादों पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी–132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली–110017
मोबाइल - 09991119392

सार्वजनिक सूचना

यह आपको सूचित करने के लिए है कि श्री राहुल पृथ्वी संपत्ति संख्या WZ–875, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, जो खसरा नंबर 328 एवं 352 से संबंधित है, गाँव सलीमपुर मजरा मादीपुर, दिल्ली राज्य स्थित, जो वर्तमान में अबादी के रूप में रानी बाग, शकूर बस्ती, दिल्ली–110034 के नाम से जानी जाती है, का तीसरी मंजलि एवं छत के अधिकार खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति श्री तजिंदर सिंह एवं श्रीमती तवलीन कौर से खरीदी जानी प्रस्तावित है। मूल मालिक श्री सुभाष खन्ना, श्रीमती शशि दत्त एवं श्री कुलदीप गुलाटी (जो श्रीमती सरोज शर्मा एवं अन्य के जनरल अटॉर्नी थे) ने उक्त पूर्ण 300 वर्ग गज संपत्ति में से ½ हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री प्रदुमन कुमार जैन को विक्रय विलेख दिनांक 10.10.1981 के माध्यम से बेचा था तथा शेष ½ हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री मनीष कुमार को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 08.02.1988 के माध्यम से स्थानांतरित किया था। इसके उपरांत, श्री प्रदुमन कुमार जैन ने अपना ड्ड हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री मनीष कुमार के पक्ष में नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 23.06.1992 के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया। तत्पश्चात, श्री मनीष कुमार ने द्वितीय मंजलि संपूर्ण क्षेत्रफल 300 वर्ग गज को श्री मदन लाल के पक्ष में नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 04.06.1999 के माध्यम से स्थानांतरित किया। श्री मदन लाल ने इसके बाद दूसरी मंजलि के पश्चिमी भाग, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, को श्री यश गुलाटी के पक्ष में रजिस्टर्ड GPA, ATS एवं रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 21.04.2004 के माध्यम से स्थानांतरित किया। दुर्भाग्यवश, श्री यश गुलाटी का देहांत हो गया और उनके कानूनी उत्तराधिकारी—श्रीमती सोनिया गुलाटी, श्री अभिषेक गुलाटी एवं श्री विवेक गुलाटी—उनके पीछे रह गए। बाद में, श्रीमती सोनिया गुलाटी और श्री अभिषेक गुलाटी ने अपने हिस्से श्री विवेक गुलाटी के पक्ष में त्याग विलेख दिनांक 06.11.2012 के माध्यम से त्याग दिए। इसके उपरांत, श्री विवेक गुलाटी ने दूसरी मंजलि की पश्चिमी छत का हिस्सा श्रीमती गुरमीत कौर के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 10.11.2012 के माध्यम से बेच दिया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती गुरमीत कौर का भी देहांत हो गया और उनके कानूनी उत्तराधिकारी—श्रीमती तवलीन कौर एवं श्री तजिंदर सिंह—उनके पीछे रह गए। इसके अतिरिक्त, श्री तजिंदर सिंह ने दूसरी मंजलि के छत अधिकार 85 वर्ग गज क्षेत्रफल श्री जवाहर लाल के पक्ष से विक्रय विलेख दिनांक 24.09.2009 के माध्यम से खरीदे थे तथा वही फ्लैट क्षेत्र श्रीमती कमलेश रानी से भी विक्रय विलेख दिनांक 24.09.2009 के माध्यम से खरीदा था। श्री जवाहर लाल एवं श्रीमती कमलेश रानी ने उक्त मंजलि को पहले श्री मदन लाल से दो अलग–अलग विक्रय विलेखों, दिनांक 03.11.2004 एवं 30.03.2005 के माध्यम से खरीदा था। आगे, श्रीमती तवलीन कौर ने अपना स्क्र दिनांक 27.04.2025 के माध्यम से श्री तजिंदर सिंह को नियुक्त किया। अत:, श्रीमती तवलीन कौर एवं श्री तजिंदर सिंह वर्तमान में उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भाजपा ने वोट चोरी करके बनाई है सरकारः भूपेंद्र हुड्डा

एजेंसी
सोनीपत। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोटों की गणना में धांधली कर सरकार बनाई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई दिनों तक मतदान प्रतिशत बढ़ता रहा, जिससे जनादेश की चोरी स्पष्ट होती है। एक-एक महिला के नाम पर कई वोट बनाए गए और लाखों फर्जी वोट जोड़कर लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचाई गई। हुड्डा ने सवाल उठाया कि यदि चुनाव आयोग पर लगे आरोपों में दम नहीं है, तो उनके बचाव में भाजपा नेता क्यों उतर रहे हैं? पत्रकार वार्ता में उन्होंने अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वे सरल स्वभाव के महान कलाकार थे और उनके जाने से फिल्म जगत को भारी क्षति हुई है। इस दौरान उन्होंने देश के नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को बधाई भी दी और कहा कि हरियाणा के लिए यह गर्व का विषय है। हरियाणा में एसआईआर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता और ब्लॉक स्तर के एजेंट सतर्क रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि जनता अब चुनावी धांधली को समझ चुकी है और इसके खिलाफ खुलकर आवाज उठा रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में हालात बदतर हो गए हैं। इंडियन न्याय रिपोर्ट में सरकार की नाकामी उजागर हुई है। पुलिस विभाग में हजारों पद खाली पड़े होने के कारण कार्यरत कर्मचारी अत्यधिक दबाव में हैं, जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है।

पानीपत वासियों को जल्द मिलेगा सार्वजनिक भ्रमण स्थल

पानीपत। पानीपत नगरवासियों को जल्द ही एक पिकनिक स्थल मिलने जा रहा है। जहां नगरवासी परिवार सहित घूम फिर सकेंगे। हरियाली से भरपूर यह स्थान बाबरपुर मंडी से बरसत रोड तक ड्रेन नंबर-2 के किनारे विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र अब पानीपत का नया सार्वजनिक स्थल बनकर उभर रहा है। यहां लोगों के बैठने, टहलने और आराम करने के लिए विशेष जगह तैयार की जा रही है। इसके अलावा साथ लगती सड़क को भी चौड़ी करने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। पानीपत नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से सौंदर्यकरण परियोजना के तहत यह कार्य कराया जा रहा है। प्राधिकरण का उद्देश्य शहर को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देना है, ताकि स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटक भी शहर के सौंदर्य और स्वच्छता का अनुभव कर सकें। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी भूपेंद्र चहल ने बताया कि शहर को विकसित बनाने के लिए कई स्तरों पर कार्य चल रहा है। विकास प्राधिकरण के ड्रेन नंबर-2 के किनारे विकास कार्य शुरू कर दिया है। अब फुटपाथ का स्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और बाकी कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां लंबे बेंच, हरियाली, फूलों से सुसज्जित क्यारियां, ओपन जिम और आकर्षक लाइटिंग लगाने की योजना है।

एमडीयू में डैफेटेरिया दिव्यांगों को स्वाभिमान के साथ खड़ा करने का जीवंत उदाहरणःसतीश पूनिया

रोहतक। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि एमडीयू में डैफेटेरिया को दिव्यांग चला रहे हैं और काम कर रहे हैं यह काफी प्रशंसनीय है। डा. पूनिया ने कहा कि यह डैफेटेरिया दिव्यांगों को स्वाभिमान के साथ खड़ा होने का जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभिनव पहल स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत रोहतक में दिव्यांगजन डैफेटेरिया संचालित किया जा रहा और यह प्रयास समाज में एक सकारात्मक संदेश देने के साथ हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। इस मौके पर एमडीयू के कुलपति राजबीर सिंह, डा. आशीष दहिया मौजूद रहे। डा. पूनिया ने कहा कि यह डैफेटेरिया दिव्यांगजन जो सुनने में असमर्थ हैं उनको बाहरी दुनिया से जोड़ने का काम कर रहा है। संचालकों की प्रशंसा करते हुए डा. पूनिया ने कहा कि यह स्टार्टअप सही मायने में बधिर लोगों को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें समाज के साथ खुलकर जुड़ने का मंच प्रदान कर रहा है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि मोदी सरकार ने स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया की सफलता दर्शाती है कि आज का भारत गतिशील, विश्वास से भरा और भविष्य के लिए तैयार भारत है। डा. पूनिया ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है।

कष्ट निवारण समिति की बैठक में 14 शिकायतों का निपटारा

सोनीपत। पंचायत भवन स्थित जिला परिषद हॉल में सोमवार को हुई कष्ट निवारण अंतर्राष्ट्रीय समाचार सेवा समिति बैठक में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने ग्रामीणों की विभिन्न शिकायतों पर त्वरित निर्णय लेते हुए कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कुल 20 शिकायतें रखी गईं, जिनमें से 14 का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। गांव बुटाना निवासी मंजू बाला ने आरोप लगाया कि बिजली चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उनसे राशि जमा करवाई गई। शिकायत पर गंभीरता दिखाते हुए राज्यमंत्री ने संबंधित जूनियर इंजीनियर का तबादला करने और जमा करवाई गई राशि वापस लौटाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम गलत दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत पर राज्यमंत्री ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए और कहा कि समिति एक महीने में रिपोर्ट सौंपे। इसी प्रकार चंदवती शर्मा द्वारा बेटी को विद्यालय में अध्यापक व प्राचार्य द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत पर नगराधीश, नगर निगम संयुक्त आयुक्त और जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति बनाकर निष्पक्ष जांच के आदेश दिए।

छह दिसंबर को गुरुग्राम आएंगें भारत के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी
गुरुग्राम। भारत के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत छह दिसंबर 2025 को गुरुग्राम आएंगें। इस दिन वे गुरुग्राम जिला जेल भौंडसी में कैदियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित नव-निर्मित आईटीआई का शुभारंभ करेंगें। यह पहल न्यायपालिका की उस संवेदनशील सोच को दर्शाती है, जिसके तहत कारागारों को सुधार, पुनर्वास और कौशल विकास का केंद्र बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस आईटीआई के माध्यम से कैदियों को तकनीकी शिक्षा एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे रिहाई के बाद सम्मानजनक आजीविका के साथ समाज में फिर से स्थापित हो सकें। मुख्य न्यायाधीश के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में हाईकोर्ट का

प्रतिनिधिमंडल जिला कारागार भौंडसी पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में माननीय जस्टिस पंकज जैन, जस्टिस कुलदीप तिवारी, जस्टिस सुदीप्ति शर्मा और जस्टिस शालिनी सिंह नागपाल भी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल के गुरुग्राम आगमन पर डीसी अजय कुमार ने सभी माननीय न्यायाधीश का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कारागार में आईटीआई से संबंधित अवसंरचना, प्रशिक्षण क्षमताओं तथा सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। न्यायाधीश जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान वर्कशॉप, जेल रेडियो, कंप्यूटर लैब, इलेक्ट्रॉनिक्स लैब, फिजिक्स लैब, संगीतशाला, सैलून और स्किल डेवलपमेंट सेंटर का दौरा किया। उन्होंने प्रत्येक केंद्र पर उपलब्ध संसाधनों, प्रशिक्षण सामग्री, प्रशिक्षकों की उपलब्धता तथा कैदियों की भागीदारी को विस्तार से परखा। न्यायाधीश ने कहा कि आईटीआई सहित विभिन्न कौशल केंद्र कैदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी साबित होंगे। इस अवसर पर डीजी (जेल) आलोक राय, आईजी (जेल) सतीश बालन, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरमैन वाणी गोपाल शर्मा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राकेश कादियान, अधीक्षक जिला कारागार भौंडसी विवेक चौधरी, डीसीपी(पूर्व) गौरव राजपुरोहित, डीसीपी (साउथ) हितेश यादव, अतिरिक्त निगम आयुक्त रविंद्र यादव, एसडीएम सोहना अखिलेश यादव, अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीजेआई सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल हिसार बार के वकील

.एजेंसी
हिसार।। जिला बार एसोसिएशन हिसार के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। भारत के नए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह में हिसार व हांसी के वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ताओं का एक विशेष दल दिल्ली स्थित सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और इस ऐतिहासिक क्षण का प्रत्यक्ष हिसार बार के पदाधिकारियों प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा, सचिव एडवोकेट समीर भाटिया, उप प्रधान एडवोकेट विकास पूनिया, सहसचिव एडवोकेट सुनील भारद्वाज और सहसचिव एडवोकेट सुनील सहदेव सोनी ने बताया कि यह अवसर हर अधिवक्ता के लिए भावुक, प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण रहा क्योंकि माननीय जस्टिस सूर्यकांत ने अपने विधिक जीवन की शुरुआत हिसार अदालत से ही की थी। वकीलों की समस्त कार्यकारिणी ने एक सुर में कहा कि किसी ऐसे व्यक्ति को देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर सम्मानित होते देखना जिसने अपनी प्रारंभिक यात्रा हिसार कोर्ट से शुरू की हो पूरे प्रदेश और विशेषकर हिसार बार के लिए अपार सम्मान का विषय है।

समस्याएं दूर करके जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार का ध्येय : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी
हिसार। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि जनता की समस्याएं दूर करके मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना भाजपा सरकार का प्रथम ध्येय है। केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार अपने इसी उद्देश्य से काम कर रही है ताकि जनता को कोई परेशानी न हो। डॉ. कमल गुप्ता भाजपा जिला कार्यालय में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकारें समान रूप से विकास करवाते हुए देश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जा रही है। जनता के सामने है कि किस प्रकार देश व प्रदेश के विकासात्मक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। भ्रष्टाचार समाप्त करने व जनता को घर द्वार पर ही अधिकतर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। इससे जनता न केवल आर्थिक परेशानी से बची है बल्कि उनका समय भी बचा है। उन्होंने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे

पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों व कार्यक्रमों की जानकारी आम जनता को उपलब्ध करवाएं। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस दौरान पिछले दिनों लालकिला के समीप हुए विस्फोट पर भी विस्तृत परिचर्चा आयोजित की गई। इस परिचर्चा में भाजपा नेत्री उषा सिंह ने जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा रामचन्द्र गुप्ता, सतीश सुरलिया, राजेन्द्र सपड़ा, सुरेन्द्र सैनी, कृष्ण बिश्नोई, लोकेश असीजा, विनोद तोसावर, प्रोमिला पूनिया, उषा सिंह कौशिक, अनुज जैन, जय भगवान, कैप्टन नरेन्द्र शर्मा, प्रीतम सैनी, विनोद कुमार व सुरेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डिजिटल रिकॉर्ड से संपत्ति संबंधी विवाद होंगे कमः रणवीर सिंह

एजेंसी
नारनौल। नारनौल में नक्शा परियोजना के तहत बनाया जा रहा डिजिटल रिकॉर्ड भविष्य में संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने और नागरिकों को बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। ऐसे में शहर के नागरिक इस कार्य में अपना सहयोग दें।

सभी पार्षद भी नागरिकों को इस बारे में जागरूक करें। यह निर्देश जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने नगर परिषद नारनौल के अधिकारियों तथा पार्षदों के साथ आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि नक्शा परियोजना के तहत संपत्ति सर्वेक्षण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि 'नक्शा' परियोजना शहर के व्यवस्थित विकास और संपत्ति के रिकॉर्ड को डिजिटल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी पार्षदों से अपील की कि वे अपने-अपने वार्डों में नागरिकों को इस सर्वेक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करें और इसमें सहयोग

सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण दल जब भी नागरिकों के पास जाएं, उन्हें अपनी संपत्ति के प्रमाण पत्र दिखाने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षक द्वारा संपत्ति दस्तावेजों की फोटो लेकर उसे नक्शा ऐप पर अपलोड किया जाएगा, जो रिकॉर्ड को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए आवश्यक है।

बैठक में उपस्थित सभी पार्षदों ने इस महत्वपूर्ण कार्य में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। डीएमसी ने नारनौल के सभी निवासियों से अपील की है कि वे नक्शा परियोजना को सफल बनाने के लिए सर्वेक्षण दल के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाएं। यह डिजिटल रिकॉर्ड भविष्य में संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने और नागरिकों को बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। इसी दौरान प्लाट की डिजिटल तरीके से नपाई भी की जाएगी।

मंत्रोच्चारण के साथ कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

एजेंसी
चंडीगढ़। मंत्रोच्चारण और शंखनाद की गुंजायमान ध्वनि के बीच कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया गया। पवित्र ग्रंथ गीता के महापूजन तथा गीता के श्लोकों के उच्चारण के बीच कुरुक्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ पवित्र ग्रंथ गीता के श्लोकोच्चारण से समस्त वातावरण गीतामय हो उठा।केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, कुरुक्षेत्र लोकसक्षा क्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता यज्ञ में पूर्ण आहुति डाली और ब्रह्मसरोवर का पूजन किया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गीता यज्ञ में पूर्ण आहुति डालने के बाद पवित्र गीता का पूजन

किया। उन्होंने देश और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में अध्यात्म, संस्कृति, ज्ञान एवं कला का दिव्य संगम हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से गीता जयंती को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का दर्जा मिला। उन्होंने कहा कि इस पावन धरा पर सरस्वती के तट पर ही वेद, उपनिषद और पुराणों की रचना हुई। इतना ही नहीं सम्राट हर्षवर्धन की वैभवशाली राजधानी थानेसर भी यहीं पर है।कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि गीता केवल दार्शनिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसकी व्यावहारिक जीवन में भी उपयोगिता है। यह ज्ञान-विज्ञान का अनूठा उदाहरण है। यही कारण है कि गीता भारतीयों को ही नहीं बल्कि विदेशियों को भी प्रिय है। पिछले 9 वर्षों से महोत्सव को अपार सफलता और लोकप्रियता मिली। वर्ष 2019 में यह महोत्सव देश से बाहर मॉरीशस, लंदन, कनाडा, आस्ट्रेलिया एवं श्रीलंका आदि देशों में भी मनाया गया।कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि इस महोत्सव में हर साल लाखों की संख्या में लोग शिरकत करते हैं और इस महोत्सव का आनंद लेते हैं। महोत्सव 5 दिसंबर तक जारी रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को लेकर पूरे प्रदेश में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

लेबर कोड्स को लागू करना मजदूर वर्ग पर बड़ा हमला : सहगल

एजेंसी
हिसार। हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित सेवानिवृत कर्मचारी संगठन की बैठक क्रांतिमान पार्क में महेंद्र सिंह स्याहड़वा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए लेबर कोड्स पर रोष प्रकट किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल ने लेबर कोड्स को लागू करने को मजदूर वर्ग पर बड़ा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उक्त कदम पूंजीपतियों और कारपोरेट सेक्टर को मजदूरों को गुलाम बनाने का रास्ता साफ किया गया और 100 साल में हासिल अधिकारों को पलटा गया है। देश का मजदूर और कर्मचारी आंदोलन इस हमले का माकूल जवाब देगा तथा इसे वापस करवाने के लिए निर्णायक आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह लेबर कोड्स मजदूरों के सभी अधिकार और हक ध्वस्त करने वाले हैं। एमएल सहगल ने सोमवार को कहा कि फिक्स टर्म नौकरी का अर्थ है कि पक्की या स्थाई नौकरी का खात्मा, अब सरकार ने कच्ची/ठेके की नौकरी का स्थाई प्रबंध कर दिया है। उन्होंने बताया कि 20 मजदूरों तक के संस्थानों को श्रम कानूनों को लागू करने से बाहर के दिया है। इसी प्रकार 300 मजदूरों तक के संस्थानों को बिना सरकार की अनुमति के कभी भी बंद किया जा सकता है और मजदूरों की छंटनी की जा सकती है। काम के घंटे 8 से बढ़ाकर 12 घंटे करने का प्रावधान किया गया है। यूनियन बनाने और हड़ताल करने के अधिकार पर इन लेबर कोड्स में अघोषित प्रतिबंध लगाया गया है। जिला स्तर पर श्रम न्यायालयों को खत्म किया गया है और वेरिफिकेशन का अधिकार लेबर विभाग से छीन लिया गया है। न्यूनतम वेतन के निर्धारण के पुराने कानूनी प्रावधानों को कमजोर करते हुए फ्लोर न्यूनतम वेतन की अवधारणा को पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 29 श्रम कानूनों को खत्म करके 2020 में चार लेबर कोड्स पारित किए थे।

सरकार किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों के हितों की रक्षा को प्रयासरत : गौतम

एजेंसी
पलवल। पलवल की अनाज मंडी में पलवल मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान पलवल मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन पंकज विरमानी तथा वाइस चेयरमैन मुकेश सिंगला ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून-विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए, जबकि भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने चेयरमैन पंकज विरमानी और वाइस चेयरमैन मुकेश सिंगला को पदभार ग्रहण करने की बधाई दी। समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गरीब किसान, मजदूर, पिछडा और मध्यम परिवार के उत्थान के लिए समर्पित है। सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हुई हैं,

जिनका सीधा लाभ कृषकों को मिल रहा है। गौतम ने कहा कि मंडियों को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे के विकास, साफ-सफाई, सुरक्षा एवं पारदर्शी खरीद प्रणाली के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पलवल मंडी में व्यापारिक गतिविधियों को और सक्रिय व व्यवस्थित बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंकज विरमानी एक युवा, ऊर्जावान और सक्रिय कार्यकर्ता हैं, जिनके अनुभव और कुशल नेतृत्व से मार्केट कमेटी पलवल की कार्यप्रणाली में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। नवनियुक्त चेयरमैन पंकज विरमानी ने विश्वास व्यक्त किया कि वे सभी व्यापारियों, किसानों और आढ़तियों के सहयोग से मंडी में पारदर्शिता, सुगमता और विकास को प्राथमिकता देंगे।

नस्ल सुधार के साथ गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगेः श्रवण कुमार

एजेंसी
सोनीपत। हरियाणा गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्रवण कुमार की अध्यक्षता में जिला सोनीपत के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारियों तथा गौशाला समितियों के प्रधान और सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने, नस्ल सुधार, गौवंश देखभाल, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा विभिन्न चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष श्रवण कुमार ने बताया कि जिले में सड़कों पर घूमने वाली गायों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में कोई भी गौवंश अवारा न रहे। इसी उद्देश्य से नंदी पकड़ने पर 800 रुपये, गाय पर 600 रुपये तथा बछड़ा या बछड़ी पकड़ने पर 300 रुपये की राशि संबंधित एजेंसी को दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि सोनीपत की गौशालाओं को 5 करोड़ 34 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है, ताकि आवश्यक कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। गौशालाओं को 2 रुपये प्रति इकाई की दर से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही गौशालाओं को मनरेगा से भी जोड़ा गया है, जिसके

तहत नाली, छप्पर और खोर आदि के निर्माण कार्य करवाए जाएंगे। अध्यक्ष ने सभी प्रतिनिधियों से नस्ल सुधार में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि बेहतर नस्ल से दूध उत्पादन बढ़ेगा और गौशालाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क से पकड़ी गई गायों को 15 दिन तक अलग बाड़े में रखकर टैगिंग की जाए तथा उन्हें हरा चारा और तेल दिया जाए, ताकि प्लास्टिक खाने से होने वाली समस्या में राहत मिले। बैठक में आयोग सदस्य राकेश मलिक, उपनिदेशक डॉ. रविन्द्र हुड्डा, एसडीओ बलजीत सिंह सहित सभी गौशाला समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

हिसार पुलिस ने डिजिटल फ्राड से नागरिकों के बचाए तीन करोड़

एजेंसी
हिसार। जिला पुलिस की साइबर टीम ने इस वर्ष में ऑनलाइन ठगी के मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नागरिकों के कुल तीन करोड़ पांच लाख 55 हजार रुपये सुरक्षित किए हैं। इनमें से दो करोड़ 16 लाख 65 हजार रुपये को समय रहते संबंधित खातों में ब्लॉक कराया गया, जबकि 88 लाख 89 हजार रुपये को पीड़ितों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक वापस भेजा गया है।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने सोमवार को बताया कि बढ़ती डिजिटल सुविधाओं के साथ टास्क पूरा कर पैसे कमाने का झांसा, फर्जी ऐप (एपीके फाइल) डाउनलोड कराना, फ्री गिफ्ट, लॉटरी, कूपन, बीमा पॉलिसी का लालच, लोन/क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा, केवाईसी अपडेट या बैंकिंग ठगी है। डिजिटल अरेस्ट में साइबर ठग खुद को सीबीआई, पुलिस विभाग, आरबीआई, इन्कम टैक्स अधिकारी और किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल पर लेते हैं। वे पीड़ित

को झूठे आरोपों में फंसाकर कहते हैं कि आपके नाम से मनी लॉन्ड्रिंग हुई है या आपके आधार नंबर से अपराध हुआ है या आपका पार्सल, बैंक अकाउंट, सिम कार्ड अपराध में इस्तेमाल हुआ है। इसके बाद वे पीड़ित को कहते हैं कि आप डिजिटल रूप से गिरफ्तार हैं और जब तक जांच पूरी नहीं होती, वीडियो कॉल पर ही बने रहें, नहीं तो आपको जेल भेज दिया जाएगा।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJESH KUMAR S/O SUKHBIR SINGH R/O H. NO. 115, Patel Nagar, Bhiwani, PO: Bhiwani, Dist: Bhiwani, Haryana- 127021 declare that name of my wife has been wrongly written as SAROJ in my minor son AAYAN MANIK aged 16 years in his 10th Class Marksheet and Certificate. The actual name of my wife is SAROJ KUMARI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJESH KUMAR S/O SUKHBIR SINGH R/O H. NO. 115, Patel Nagar, Bhiwani, PO: Bhiwani, Dist: Bhiwani, Haryana- 127021 declare that name of my wife has been wrongly written as SAROJ in my minor daughter BHUMI aged 17 years in his 10th Class Marksheet and Certificate. The actual name of my wife is SAROJ KUMARI which may be amended accordingly.

विदेश में नौकरी के नाम पर मानव तस्करी व साइबर फ्रॉड में दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी
गुरुग्राम। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर मानव तस्करी करने और अवैध तरीके से विदेश भेजकर साइबर फ्रॉड कराने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि आरोपियों के खिलाफ साइबर अपराध थाना मानेसर में केस दर्ज किया गया है। बता दें कि चार दिन पहले भी इसी तरह के मामले में दो आरोपियों को काबू किया गया था।जानकारी के अनुसार 20 नवंबर 2025 को पुलिस थाना साइबर अपराध मानेसर में एक केस दर्ज किया गया। इस केस में शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि थाईलैंड में नौकरी दिलाने को झांसा देकर उसके भाई को थाईलैंड भेजा गया। फिर वहां से म्यांमार ले जाकर साइबर ठगी का कार्य करने का दबाव बनाया गया। उसके भाई द्वारा जब ठगी का कार्य करने के लिए मना किया तो उसे मारने की धमकी दी गई। भारत वापस भेजने के नाम पर चार लाख रुपए वसूलने, लेकिन भारत वापस नहीं भेजा। बाद में म्यामांर सेना द्वारा वहां से भगाने के बाद उसके भाई ने उनके चंगुल से बचने की जानकारी दी। इस मामले में साइबर अपराध थाना मानेसर में दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें 22 नवंबर को हिसार से काबू किया गया। आरोपियों की पहचान संदीप (उम्र-24 वर्ष) निवासी गांव हरिता जिला हिसार व मुकुल (उम्र-26 वर्ष) निवासी महावीर कॉलोनी हिसार के रुप में हुई। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी संदीप दिसम्बर-2024 में तथा व मुकुल जून-2025 को म्यांमार गया थे। वहां पर वे चाइना मूल के लोगों से मिले और उनके साथ मिलकर साइबर फ्रॉड के काम करने लगे। चाइनीज लोग अवैध तरीके के काम/ठगी के लिए भारत से युवाओं को बुलाते हैं, जिसके बदले ये कमीशन के तौर पर प्रत्येक व्यक्ति के करीब 5/6 हजार थाईवा देते हैं। एजेंट को अलग से कमीशन देते हैं। आरोपी संदीप भी भारत से युवाओं को बुलाकर कमीशन कमाने में संलिप्त हो गया। वह टेलीग्राम व इंस्टाग्राम के माध्यम से भारत में युवाओं से सम्पर्क करता और भारत के युवाओं को थाईलैन्ड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाता। उन्हें अवैध तरीके से थाईलैन्ड से म्यांमार ले जाता।

क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट से ट्रंप परिवार को झटका, 8900 करोड़ हुए स्वाहा

-एरिक ट्रंप बोले- गिरावट कभी बुरी नहीं होती, यह बेहतरीन खरीदारी का मौका होती है

वाशिंगटन।

कुछ समय से क्रिप्टोकरेंसी में आई गिरावट ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को झटके मिल रहे हैं। ट्रंप परिवार ने क्रिप्टो का बड़ा पेरोकार है। अब वही क्रिप्टो बाजार उनके समर्थकों के सामने एक कड़वा सबक बनकर खड़ा है। ट्रंप परिवार की कमाई उनकी घोषित संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा कम समय में ही हवा हो चुका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परिवार की कुल संपत्ति सितंबर की शुरुआत में 7.7 अरब डॉलर थी, जो अब घटकर 6.7 अरब डॉलर पर आ गई है यानी करीब 1 अरब डॉलर का नुकसान। ट्रंप परिवार को तो एक अरब डॉलर का ही नुकसान हुआ है पूरी दुनिया में इस क्रैश ने निवेशकों का 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान कर दिया है। अगस्त से अब तक ट्रंप के नाम से जुड़े मीम कॉइन की कीमत करीब 25फीसदी गिरी है। हालत यह है कि जिसने भी इस मीमकॉइन को इसके लॉन्चिंग के सप्ताह भर बाद खरीदा, वह अब करीब अपना पूरा निवेश गंवा चुका है। ट्रंप के

बेटे एरिक ट्रंप की जिस बिटकॉइन माइनिंग कंपनी में हिस्सेदारी है, उसकी वैल्यू अपनी ऊंचाई से करीब आधी रह गई है। वहीं ट्रंप की सोशल मीडिया कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप, जिसने इस साल बिटकॉइन में भारी निवेश किया था, उसके शेयर भी अपने रिकॉर्ड निचले स्तर के आसपास आ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एरिक ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के कट्टर समर्थक हैं। वह लगातार समर्थकों से कहते रहे हैं कि गिरावट कभी बुरी नहीं होती, बल्कि एक बेहतरीन खरीदारी का मौका होती है। जो लोग उतार-चढ़ाव का स्वागत करते हैं, वे ही असली विजेता बनते हैं, लेकिन उनकी ये सलाह अब निवेशकों के लिए मुसीबत बन गई है। ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप, जो ट्रूथ सोशल चलाती है, ने गलत समय पर क्रिप्टो की दुनिया में बड़ा दांव लगाया। कंपनी ने करीब 2 बिलियन डॉलर बिटकॉइन और उससे जुड़े सिक्योरिटीज में लगाए थे। उस समय बिटकॉइन की कीमत करीब 115,000 डॉलर थी। अब कीमत करीब 25फीसदी नीचे है, जिससे कंपनी नुकसान में चली गई। कंपनी ने सिंगापुर से जारी सीआरओ टोकन भी बड़ी मात्रा में खरीदे थे, जिसकी कीमत अब आधी रह गई है। इसका सीधा असर ट्रंप की अपनी हिस्सेदारी पर भी पड़ा, जिसकी कीमत सितंबर से अब तक करीब 800 मिलियन डॉलर घट गई है।

कच्चे तेल में गिरावट से रुपया 11 पैसे मजबूत, 89.05 डॉलर पर पहुंचा

डॉलर की मजबूती से दबाव बरकरार, विदेशी मुद्रा बाजार में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर मंगलवार को भारतीय मुद्रा बाजार में दिखाई दिया, जहां रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की मजबूती के साथ 89.05 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.02 पर खुला और शुरुआती दौर में हल्की बढ़त दर्ज करते हुए 89.05 के स्तर पर पहुंचा। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की नरम कीमतें रुपये को सहारा दे रही हैं, हालांकि डॉलर की वैश्विक मजबूती रुपये पर दबाव बनाए हुए है। सोमवार को घरेलू मुद्रा 50 पैसे बढ़कर 89.16 पर बंद हुई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.06 फीसदी बढ़कर 100.13 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.33 फीसदी टूटकर 63.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं में हलचल बढ़ी।

एआई लॉन्चिंग से लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

- पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल की उथल-पुथल के बीच गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने नया एआई मॉडल जे मिनी 3 लॉन्च होते ही ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। लॉन्च के बाद अल्फाबेट के शेयरों में 3 फीसदी की तेजी आई, जिससे पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और उनकी संपत्ति 257 अरब डॉलर तक पहुंच गई। लैरी पेज के पार्टनर सर्जेई ब्रिन की नेटवर्थ में 6.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, और उनकी कुल संपत्ति 240 अरब डॉलर हो गई। दोनों संस्थापकों ने 1998 में गूगल की शुरुआत एक छोटे गैराज से की थी और आज एआई के दम पर कंपनी फिर से तेजी पकड़ रही है। विश्लेषकों का कहना है कि जे मिनी 3 स्टेट-ऑफ-द-आर्ट एआई मॉडल है, जो गूगल के प्रोडक्ट्स में बड़ा बदलाव ला सकता है। इस लॉन्च ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और अगले महीनों में और शेयर मूवमेंट की उम्मीद है। दुनिया के अरबपतियों की टाप-10 सूची में पहले नंबर पर एलन मस्क, दूसरे पर लैरी पेज, तीसरे नंबर पर लैरी एलिसन, चौथे जेफ बेजोस, पांचवे सर्जेई ब्रिन, छठवे मार्क जुकरबर्ग, सातवे बर्नार्ड अर्नाल्ट, आठवे स्टीव बाल्मर, नौसे जेन्सन हुआंग और 100वे नंबर पर वॉरेन बफेट का नाम शामिल है।

बजाज ऑटो ने ई-रिक्शा 'रिकी' के साथ किया बड़े पैमाने पर विस्तार

- पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंची

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने इस साल अपने नए इलेक्ट्रिक रिक्शा 'रिकी' के साथ ई-रिक्शा खंड में कदम रखा है। कंपनी ने शुरू में चार शहरों में पायलट परीक्षण किया था। अब पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंच चुकी है, जिनमें पटना, मुरादाबाद, गुवाहाटी और रायपुर शामिल हैं। कंपनी अगले साल जनवरी से मार्च तक 'रिकी' को 200 शहरों और कस्बों तक ले जाने की योजना बना रही है। बजाज ऑटो के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार शुरुआती चरण में ग्राहक प्रतिक्रिया देखी जाएगी। इसके आधार पर मात्रा और उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पहले चरण में बजाज ऑटो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के कई शहरों और कस्बों को लक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले तीन-चार महीनों में कंपनी केवल शुरुआत कर रही है, उसके बाद विस्तार की गति तेज होगी। 'रिकी' की कीमत 1.9 लाख रुपये है। कंपनी का कहना है कि यह पारंपरिक लेड-एसिड बैटरी वाले ई-रिक्शा की तुलना में अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है। एक बार चार्ज करने पर यह 140 किलोमीटर तक चल सकता है।

बजाज ऑटो ग्राहक प्रतिक्रिया के आधार पर उत्पादन और वितरण बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है, जिससे यह ई-रिक्शा खंड में एक मजबूत मौजूदगी बना सके।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 313, निफ्टी 74 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। ऑटो, आईटी और निजी बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 313.70 अंक नीचे आकर 84,587.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.70 अंक नीचे आकर 25,884.80 पर बंद हुआ। वहीं लार्जकैप शेयरों में बिकवाली दर्ज की गयी। इसके विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 216.40 अंक याकी तेजी के साथ 60,298 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.80 अंक की मजबूती के साथ 17,730.30 पर था। सेक्टोरल आधार पर आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.44 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.44 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.55 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.62 फीसदी, निफ्टी कमोडिटी 0.15 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर 0.37 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी ऑटो 0.23 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.57 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.80फीसदीऔर निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.23 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, एसबीआई, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट रुख के साथ खुले। सेंसेक्स ने 100 अंकों की बढ़त के साथ 85,008 पर कारोबार की शुरुआत की, लेकिन खुलते ही इसमें कमजोरी नजर आई। इसी तरह निफ्टी-50 भी 25,998 पर खुला, लेकिन जल्द ही इसमें उतार-चढ़ाव दिखा।

केंद्र की नई फास्ट ट्रैक जीएसटी योजना से पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी

- 21 मिनट में मिला जीएसटी नंबर!

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से फास्ट ट्रैक जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू की। इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को तेज़, आसान और पारदर्शी बनाना है। जीएसटी परिषद ने सितंबर में 56वीं बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। पहले 15 दिनों में 1,42,000 आवेदनों को मंजूरी मिली, जिनमें दो-तिहाई पंजीकरण स्वचालित रूप से हुए। कुल 2,17,000 पंजीकरण मंजूर किए गए। सबसे तेज मंजूरी 21 मिनट में दी गई। पहला पंजीकरण 1 नवंबर को जारी हुआ। नई प्रणाली के तहत तीन कार्यदिवसों में पंजीकरण उन आवेदकों को मिलेगा जिन्हें सिस्टम डेटा से पहचाना जा सके और जिनकी मासिक देयता 2.5 लाख रुपये से अधिक न हो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, इससे 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होगा। अधिकारियों के अनुसार, नई ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के एक अधिकारी ने बताया कि छोटे कारोबारी और पेशेवर अब 24 घंटे में पंजीकरण प्राप्त कर रहे हैं।

एसबीआई वेंचर्स जुटाएगा 2,000 करोड़ का जलवायु कोष

- हरित वृद्धि में निवेश को बढ़ावा देने की योजना

नई दिल्ली । एसबीआई वेंचर्स के एक अधिकारी ने आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण में बताया कि उनका उद्देश्य हरित वृद्धि को बढ़ावा देना है, जो एक नया वित्तीय अवसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए घरेलू और वैश्विक निवेशकों से संपर्क किया जाएगा और अगले साल की शुरुआत में रोड शो आयोजित किया जाएगा। एसबीआई वेंचर्स, जो एसबीआई का वैकल्पिक संपत्ति प्रबंधक है, अपने तीसरे जलवायु-केंद्रित कोष के लिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। प्रभाकर ने कहा कि उनका लक्ष्य अगले कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में कोष तैयार करना है। यह कोष प्रारंभिक और विकास-चरण वाले जलवायु स्टार्टअप में निवेश करेगा, विशेषकर अग्रणी जलवायु प्रौद्योगिकियों और एआई-सक्षम जलवायु नवोन्मेषण पर। प्रभाकर ने बताया कि भारत के जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 170 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है, जो वर्तमान प्रवाह से तीन गुना अधिक है।

अमेरिका शेयर बाजारों में तेजी, सभी प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद

- फेड रेट कट की उम्मीदें और ट्रंप-शी बातचीत से ग्लोबल सेंटीमेंट हुआ मज़बूत

वाशिंगटन । सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी शेयर बाजारों के लिए बेहद सकारात्मक रही, जहां सभी प्रमुख इंडेक्स मज़बूत बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को डाउ जोंस में 0.44 फीसदी की उछाल दर्ज की गई, जबकि नेस्डेक ने 2.69 फीसदी की दमदार छलांग लगाई, जो 12 मई के बाद इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे तेजी रही। एसएंडपी 500 भी 1.5 फीसदी से अधिक चढ़कर बंद हुआ। इस रैली की मुख्य वजह ब्रॉडकॉम, माइक्रॉन, एएमडी और टेस्ला जैसे दिग्गज टेक शेयरों में भारी खरीदारी रही, जिसने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। ग्लोबल मार्केट्स में तेजी की एक बड़ी वजह दिसंबर में फेडरल रिज़र्व द्वारा 0.25 फीसदी रेट कट की बढ़ती उम्मीदें भी हैं। बाजार विशेषज्ञों के ताजा अनुमान के अनुसार, रेट कट की संभावना 44 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी तक पहुंच गई है। अभी फेड फंड रेट 3.75-4.00 फीसदी के बीच है। रेट कट की संभावना बढ़ने से अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के बाजारों में पॉजिटिव माहौल बना है।

टेक शेयरों की तेजी से अरबपतियों की दौलत में 65 अरब डॉलर का इजाफा

वॉशिंगटन।

अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक्नोलॉजी शेयरों में आई जबरदस्त तेजी ने टेक बिलियनेयर्स की संपत्ति पर भारी असर डाला। गूगल, टेस्ला, अमेजन और मेटा जैसे दिग्गज कंपनियों के शेयरों में उछाल से अरबपतियों की लिस्ट में बड़ा हलचल मच गया। इंडेक्स के अनुसार, दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में से नौ की संपत्ति एक ही दिन में करीब 65 अरब डॉलर बढ़ गई। ये सभी अमेरिकी टेक उद्योग से जुड़े हैं, जो इस तेजी के प्रमुख लाभार्थी बने।

इस उछाल ने अमीरों की रैंकिंग को हिला दिया। गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने ओरिकल के लैरी एलिसन को पीछे छोड़ दिया। गूगल के शेयर 6 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 318.57 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुए, जिससे पेज को 14.9 अरब डॉलर का सीधा फायदा हुआ। उनकी कुल संपत्ति अब 272 अरब डॉलर हो गई है। इसी तरह, अमेजन के जेफ बेजोस चौथे से पांचवें स्थान पर खिसक गए, जबकि निवेश के दिग्गज वॉरेन बफे टॉप-10 से बाहर हो गए।

सबसे ज्यादा लाभ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को हुआ। टेस्ला शेयरों में 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी से उनकी संपत्ति 19.1 अरब डॉलर उछल गई। अब मस्क की कुल दौलत 441 अरब डॉलर पहुंच गई है, जो उन्हें इस साल के शीर्ष लाभ कमाने वालों में फिर से ला खड़ा किया। मस्क ने कहा कि यह उछाल इलेक्ट्रिक वाहनों और एआई क्षेत्र में बढ़ती मांग का नतीजा है। दूसरे नंबर पर लैरी पेज के बाद गूगल के दूसरे सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन रहे, जिनकी संपत्ति 13.8 अरब डॉलर बढ़कर 254 अरब डॉलर हो गई। लैरी एलिसन को 3.2 अरब डॉलर का फायदा मिला, उनकी कुल संपत्ति 257 अरब डॉलर है, जिसमें इस साल 64.4 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। अमेजन शेयरों में 2.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी से बेजोस की दौलत 5.09 अरब डॉलर चढ़कर 248 अरब डॉलर पहुंची।

मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयर 3 प्रतिशत से ज्यादा ऊपर चढ़े, जिससे मार्क जुकरबर्ग ने 6.49 अरब डॉलर कमाए। उनकी संपत्ति अब 217 अरब डॉलर है। एनवीडिया के शेयरों में 2 प्रतिशत की तेजी से सीईओ जेनसन हुआंग को 3.13 अरब डॉलर का लाभ हुआ, उनकी कुल दौलत 159 अरब डॉलर हो गई। माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर ने 5.87 अरब डॉलर जोड़े, उनकी संपत्ति 165 अरब डॉलर पहुंची। डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल ने 9.42 अरब डॉलर कमाकर 154 अरब डॉलर के साथ दसवें स्थान पर कब्जा जमाया और बफे को बाहर कर दिया। यह तेजी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में टेक सेक्टर की मजबूती को दर्शाती है, लेकिन विशेषज्ञ चेताते हैं कि बाजार की अस्थिरता से ये लाभ अस्थायी हो सकते हैं। फिर भी, टेक बिलियनेयर्स की यह डॉलर की बारिश वैश्विक धन असमानता पर बहस छेड़ रही है।

जम्मू-कश्मीर में एक अरब टन चूना-पत्थर का भंडार- जीएसआई

- केंद्र का मिला समर्थन, ई-नीलामी शुरू

जम्मू । भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण (जीएसआई) के अनुसार जम्मू-कश्मीर में लगभग एक अरब टन चूना-पत्थर मौजूद है। केंद्रीय खान मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव संजय लोहिया ने बताया कि क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की भी संभावना है, जिन्हें स्थानीय लोगों के लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। पहली बार जम्मू-कश्मीर के खनिज ब्लॉक नीलामी मानचित्र में चूना-पत्थर ब्लॉक को शामिल करते हुए नीलामी और रोड शो का आयोजन किया गया। संजय लोहिया ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र में खनन, विकास और निवेश को तेज़ करने में पूरा सहयोग देगी। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने अनंतनाग, राजौरी और पुंछ में 314 हेक्टेयर में फैले सात चूना-पत्थर ब्लॉकों की ई-नीलामी शुरू की।

जेएंडके बैंक ने एमडीबी ग्रुप के साथ किया करार

नई दिल्ली । जेएंडके बैंक ने एमडीबी ग्रुप के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मोहाली में दिल्ली-मनाली हाईवे पर विकसित हो रहे अल्ट्रा-लक्ज़री हाउसिंग प्रोजेक्ट 'द लुटियंस' के लिए विशेष वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। बैंक की ओर से एक ज़ोनल हेड (कठुआ) और एमडीबी ग्रुप की ओर से एक वरिष्ठ सीए ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान बैंक के एक अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी बैंक की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है और प्रीमियम घर खरीदने वाले ग्राहकों को सरल, अनुकूलित और विश्वसनीय फाइनेंस सेवाएं प्रदान करेगी।

अफगानिस्तान सोने की खदानों में पैसा लगाएं भारतीय कंपनियां, टैक्स में मिलेगी छूट

-भारत का व्यापारिक दूत अफगान होगा तैनात, दोनों देशों में व्यापार आसान होगा

नई दिल्ली।

भारत में अफगानिस्तान के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी अपनी छह दिन की यात्रा पूरी कर ली। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए गए। भारत का एक व्यापारिक दूत अफगानिस्तान में तैनात होगा जो दोनों देशों के व्यापार को और आसान बनाएगा। साथ ही जो भारतीय कंपनियां या निवेशक अफगानिस्तान के सोने की खदानों में पैसा लगाएंगी, उन्हें पांच साल तक टैक्स में पूरी छूट दी जाएगी। सबसे खास बात ये है कि भारत और अफगानिस्तान के बीच एक एयर कार्गो कॉरिडोर से नया रास्ता खुलेगा। यही मुख्य बातें हैं जो तालिबान शासित अफगानिस्तान के वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने अपनी छह दिन की भारत यात्रा सोमवार को खत्म करते वक्त तय कीं। पिछले हफ्ते भारत आए अजीजी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की थी और भारतीय कारोबारियों से बातचीत की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में अफगान दूतावास में पत्रकारों से बात करते हुए अजीजी ने कहा था कि एक महीने में अफगानिस्तान का व्यापारिक दूत भारत आएगा और काबुल चाहता है कि दोनों देशों का व्यापार एक अरब डॉलर से बहुत ज्यादा हो। उन्होंने कहा कि निजी निवेश के मामले में भारत और अफगानिस्तान दोनों तरफ से बहुत मजबूत रहे। अजीजी ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में पैसा लगाने का ऑफर दिया और कहा कि खदान, खेती, दवा-स्वास्थ्य, आईटी, बिजली और कपड़ा जैसे कई क्षेत्रों में मौका है। उन्होंने बताया कि नए क्षेत्रों में निवेश करने वालों को पांच साल तक टैक्स नहीं देना पड़ेगा। खासकर सोने की खदान में। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन वहां ज्यादा प्रतिद्वंद्वी नहीं मिलेंगे, भारत को जमीन भी देंगे, टैरिफ में छूट देंगे और पांच साल टैक्स माफ करेंगे, ताकि भारतीय कंपनियां आसानी से वहां कारोबार शुरू कर सकें।

छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया

- सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा धीमा रहा

मुंबई ।

सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा केवल 1.2 फीसदी बढ़ा, जो पिछले तीन साल में सबसे कमजोर वृद्धि है। बिक्री में भी वृद्धि धीमी रही, केवल 6.4 फीसदी, जो पिछले 17 तिमाहियों में सबसे कम है। नतीजतन, निफटी-50 का कुल मुनाफे में हिस्सा घटकर 50 फीसदी रह गया, जो पिछले पांच साल में न्यूनतम है। इस तिमाही में इन कंपनियों ने मिलकर 1.81 ट्रिलियन का मुनाफा कमाया। वहीं देश की बाकी लिस्टेड कंपनियों का कुल मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा। मिडकैप-150 कंपनियों का मुनाफा 27 फीसदी और स्मॉलकैप-250 का 37 फीसदी बढ़ा। इस तरह छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 2,647 कंपनियों का मुनाफा 3.62 ट्रिलियन तक पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, इस तिमाही में अधिक कमाई ऊर्जा, धातु, सीमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, मटेरियल और ऑटो जैसे चक्रीय सेक्टर्स से हुई। निफटी-50 में इन सेक्टरों की कंपनियां कम हैं। इसके बजाय, बड़ी कंपनियों में बैंक, आईटी, एफएमसीजी और तेल-गैस जैसी सेक्टर अधिक हैं, जिनकी वृद्धि इस तिमाही में धीमी रही।

भारत हमारी एआई रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बाजार- एनटीटी डेटा

तोक्यो । टोक्यो की वैश्विक आईटी सेवा कंपनी एनटीटी डेटा ने कहा है कि भारत उनकी एआई रणनीति में एक अहम बाजार है। कंपनी भारत को एपीएसी क्षेत्र का वैश्विक एआई आपूर्ति और प्रतिभा केंद्र बनाने पर काम कर रही है। एनटीटी डेटा के पास भारत में डेटा सेंटर क्षेत्र में 30 फीसदी हिस्सेदारी है और इसे और बढ़ाने की योजना है। कंपनी ने शुरुआती निवेश और अधिग्रहण पर गर्व जताया। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में युवा प्रतिभा को प्रशिक्षण देकर एआई रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। इंडिया एआई मिशन जैसी सरकारी पहल कंपनी के लिए एक जरूरी समर्थन साबित हो रही है।

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

ललित गर्ग

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मयार्दा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ॰ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं। इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मयार्दा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है।

संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था-ह्लसंविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा।ह्व उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि ह्लसंविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है।ह्व उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ह्लसंविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है।ह्व उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे ह्यसंविधान के प्रति कर्तव्य पालनह्ण अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

संपादकीय

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा विजयगान, केसरिया ध्वज लहराते ही नया युग शुरू

नीरज कुमार दुबे

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट-पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं था– वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे।

विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और ह्यजय श्रीरामह्ण के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर-शिल्प की 79 समृद्ध झांकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दशार्ते हैं।

यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा; यह उन अनेकों साधना-यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज निश्चित रूप से आत्म-संतोष का भाव रहा होगा। साधु-संतों की भक्ति-भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य-भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं है; यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ-साथ फल-फूल सकते हैं। महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति-पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श-आधारित बनाने की कल्पना करती है।

इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार-प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवारा; वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दिया; वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखाया; और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात-दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था।

आज, उन समुदायों और परिवारों का भी अभिवादन आवश्यक है जो शांतिपूर्ण और संयत भाव से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने रहे। भीड़ के उत्साह में जो संयम और अनुशासन दिखा, वह सामाजिक सहिष्णुता और साझा गर्व का प्रतीक था। संतों के भावपूर्ण शब्दों ने इस क्षण को दैवीयता का अनुभाव बना दिया और भक्तों की आशा-आभा ने यह संकेत दिया कि यह भूमि अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है– जहाँ आध्यात्मिकता और सामाजिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ने का वादा करते हैं। आज का दिन हमें यह भी संदेश देता है कि किसी भी महान लक्ष्य की पूर्ति के लिये संकल्प, सहनशीलता और सामूहिक भागीदारी अनिवार्य हैं।

बहरहाल, जब केसरिया ध्वज आकाश में लहरा रहा था, तब उसके साथ एक नयी आशा भी ऊँची हुई कि यह स्थान उन मूल्यों का प्रसार भी करेगा जो व्यक्ति को नैतिक, दयालु और समाज-प्रेरित बनाते हैं। अयोध्या की यह गाथा निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों को श्रद्धा, सेवा, समर्पण और साझा-सपनों के लिये प्रेरित करेगी। जय श्रीराम।

'हमेशा ऑनलाइन' रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है-यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है-एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते-सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18-34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं-इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे ह्लकनेक्टेडह्व दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह ह्लपोस्ट करने लायकह्व तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले ह्लपरफेक्ट रिश्तोंह्व से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है-हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है-उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे-ह्लबस थोड़ा और। ह्व इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

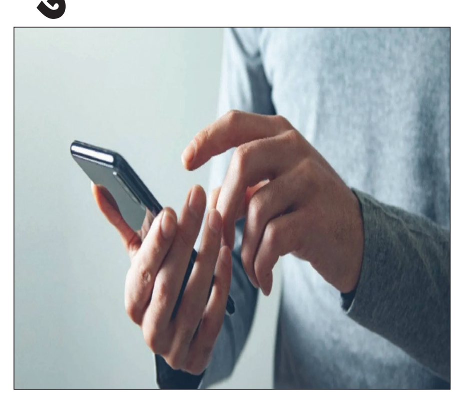

समस्या जितनी बड़ी है, उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है-डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक निश्चित समय तय करना चाहिए-इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए ह्यहाइलाइट रीलह्ण से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार, दोस्तों, किताबों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है। अभिभावकों को भी बच्चों में मोबाइल उपयोग की आदतों पर संयमित और संवेदनशील निगरानी रखनी चाहिए।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी वास्तविक प्रतिभा, भावनाएँ, रचनात्मकता और मेहनत किसी स्क्रीन पर आए आंकड़ों से अधिक मूल्यवान हैं। जीवन का अर्थ डिजिटल तालियों से नहीं, बल्कि वास्तविक अनुभवों, रिश्तों और आत्मविकास से बनता है। सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा जरूर बनाया है, लेकिन इसका उपयोग यदि संयमित न हो तो यह हमारे ही जीवन का दायरा छोटा कर देता है। समय आ गया है कि युवा इस मायाजाल से जागें, स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाएं और अपनी वास्तविक पहचान की ओर लौटें। क्योंकि लाइक-व्यूज की यह दौड़ अंतहीन है-और इसमें थकना निश्चित है। लेकिन जीवन की दौड़ के रास्ते अनंत हैं, अर्थपूर्ण हैं और सच्चे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया: पोप ने की अपहरणकर्ताओं के कैद में 253 छात्र और 12 शिक्षक की रिहाई की अपील

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के एक कैथोलिक स्कूल से किडनैप हुए 303 स्कूली बच्चों में से 50 कैद से भाग निकले हैं। स्कूल अथॉरिटी ने रविवार को कहा अब अपने परिवारों के पास हैं। जबकि पोप ने अभी भी लापता बच्चों को तुरंत छोड़ने की अपील की है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के चेयरमैन और स्कूल के संचालक मोस्ट रेव. बुलुस दौवा योहाना ने बताया कि अब भी 253 छात्र और 12 शिक्षक अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी माता-पिता से संपर्क और मुलाकात के बाद पक्की हुई।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही, 19 हजार प्रभावित

डार्विन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही। मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, 7 गिरफ्तार

मनीला, एजेंसी। फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि इस घोटाले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई अन्य की तलाश जारी है। इस मामले में शक्तिशाली सांसद और सरकारी अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। भ्रष्टाचार के कारण गरीब इलाकों में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएँ अधूरी या निम्न गुणवत्ता की बन रही थीं। इस घोटाले में जाल्डी को, पूर्व सांसद, और कुछ सरकारी इंजीनियर भी आरोपी हैं। पहले मामले में ओरिएंटल मिनडोरो प्रांत की नदी की ढाई करोड़ पेसो की डाइक परियोजना में अनियमितताएं मिलीं। मार्कोस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक को क्यूज़ोन सिटी में एक घर से गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अन्य स्वयं पुलिस के सामने आए। राष्ट्रपति ने बाकि संदिग्धों से आग्रह किया है कि वे भी जल्द आत्मसमर्पण करें। उन्होंने कहा कि हम रुकेंगे नहीं, जांच जारी रहेगी।

काठमांडू में नेपाल प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी करते 8 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने रविवार को नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले जा रहे मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे। पकड़े गए सभी युवक आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 19 से 35 साल के बीच है। वे काठमांडू के समाखुसी इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। काठमांडू वैली क्राइम इन्वेस्टिगेशन ऑफिस के प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य ने बताया कि यह समूह टूर्नामेंट पर करीब 5 लाख नेपाली रुपए (लगभग 3 लाख भारतीय रुपए) का अवैध सट्टा लगा रहा था। सूचना मिलने के बाद एक विशेष पुलिस टीम ने उन्हें स्टेडियम के पास बल्कू इलाके से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 15 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

बहुत शानदार होगा राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा: उशाकोव

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय व आवास क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आगामी भारत दौरा बहुत शानदार और कामयाब होगा। रूसी सरकारी टीवी वीजीटीआरके के साथ बातचीत में उशाकोव ने कहा, रूसी और भारतीय पक्ष दौरे की पूरी तैयारी कर रहे हैं। यह एक बहुत शानदार दौरा होगा।

नेपाल में आम चुनाव के लिए अब तक 56 दलों का पंजीकरण

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 56 राजनीतिक दल अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत 12 और दलों ने पंजीकरण कराया। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल के निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नए चुनाव की घोषणा के बाद उभरी कई नई पार्टियों सहित आयोग में कुल 132 दल पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 56 ने आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक पंजीकरण कराया है।

वेनेजुएला में सुरक्षा हालात बिगड़े, एफएए की चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

काराकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहा है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य विकल्पों को खुला रखते हुए बी-52 परमाणु-सक्षम बॉम्बर का 'अटैक डेमो' करवाया। इससे पहले यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड विमानवाहक पोत सहित कई युद्धपोत कैरेबियन क्षेत्र में तैनात कर चुका है। इस बीच अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को लेकर अलर्ट जारी किया। वहीं अब रविवार (23 नवबंर) को कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला की उड़ानें रद्द कर दी है।

छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने उड़ान सेवा रोकी

संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दक्षिण अमेरिकी देश के आसपास बढ़ी हुई सैन्य गतिविधि के कारण 'संभावित खतरनाक स्थिति' के बारे में प्रमुख एयरलाइनों को चेतावनी दिए जाने के बाद छह अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वेनेजुएला एयरलाइंस एसोसिएशन की अध्यक्ष मारिसेला डी लोआइजा के हवाले से बताया गया है कि स्पेन की इबेरिया, पुर्तगाल की टीएपी, चिली की लैटम, कोलंबिया की एवियनका, ब्राजील की जीओएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की कैरिबियन एयरलाइंस ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें रोक दी हैं।

अमेरिकी चेतावनी और सैन्य तैनाती

मारिसेला दे लोआइजा के मुताबिक इन छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने अपनी सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए रोक दी हैं। वहीं तुर्किश एयरलाइंस ने 24 से 28 नवंबर तक उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। उड़ानों पर रोक ऐसे समय लगाई गई है, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ गया है। वाशिंगटन ने अपने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत कैरिबियन में सैनिकों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को भी तैनात कर दिया है। हालांकि, कराकस इस अभियान को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश बता रहा है।

अमेरिकी सेना ने कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र में कथित ड्रग नौकाओं पर कम से कम 21 हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 83 लोग मारे गए हैं। इस बीच कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए चिंता जताते हुए कहा कि सभी लैटिन अमेरिकी देशों के बीच नियमित उड़ानें जारी रहनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'देशों पर रोक लगाना, वास्तव में लोगों पर रोक लगाने जैसा है, और यह मानवता के खिलाफ अपराध है।'

एफएए की कड़ी चेतावनी

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की ओर से चेतावनी में कहा था कि वेनेजुएला में 'अनिर्दिष्ट खतरे' मौजूद हैं, जो देश के ऊपर उड़ रहे विमानों, लैंडिंग और टेकऑफ कर रहे विमानों व जमीन पर खड़े विमानों तक के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान के पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर धमाके, आत्मघाती हमले में तीन जवानों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को संघीय पुलिस दल (कॉन्स्टेबुलरी) के मुख्यालय पर हमला हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यालय के पास कई धमाकों की आवाज सुनी गई, जिसके बाद इलाके को खाली करा लिया गया है।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में शामिल आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया गया है। इस घटना में पुलिस दल के तीन जवानों की मौत हुई है। इसके अलावा दो घायल हुए हैं। पाकिस्तान की द डॉन वेबसाइट के मुताबिक, हमला सुबह करीब 8 बजे सद्दार-कोहत सड़क पर हुआ। पहले एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को मुख्यालय के गेट पर ही उड़ा लिया। इसके बाद कुछ फायरिंग की आवाजें भी सुनी गईं।

इस दौरान एक और हमलावर मुख्यालय में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि, उसे सुरक्षाबलों ने मार गिराया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और राहत-बचाव अभियान शुरू किया। इस बीच पेशावर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल लेडी रीडिंग हॉस्पिटल में आपातकाल घोषित कर दिया गया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि छह घायलों को को लाया गया है, जिनकी हालत स्थिर है। बताया गया है कि जिस संघीय पुलिस दल पर हमला हुआ है, उसे नागरिक अर्धसैनिक बल है, जिसे पहले फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी कहा जाता था। इसी साल जुलाई में शहबाज शरीफ की सरकार ने इसका नाम फेडरल कॉन्स्टेबुलरी रखा था। पेशावर में जिस जगह पर इसका मुख्यालय है, वह जगह काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है। साथ ही सैन्य छावनी भी यहां से काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में बीते कुछ वर्षों में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में। इन हमलों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान सरकार का शांति समझौता टूटना रहा है।

पाकिस्तान में पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर बंदूकधारियों ने किया हमला, 3 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को बंदूकधारियों ने पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कैंपस पर 2 आत्मघाती हमलावरों ने भी विस्फोट किया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'पहले आत्मघाती हमलावर ने मेन गेट पर विस्फोट किया, जबकि दूसरा हमलावर परिसर के अंदर घुस गया।' सीनियर अधिकारी ने कहा, 'सेना और पुलिस की टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। फिलहाल स्थिति को सावधानी से संभाला जा रहा है क्योंकि हमें संदेह है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। उनकी तलाशी की जा रही है।' इससे पहले, गुरुवार रात पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उग्रवादियों ने पीस कमेटी के कार्यालय पर हमला किया। 2 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारियों ने बन्नू जिले के दारा दरिज इलाके में कमेटी के कार्यालय पर हमला किया और पीस कमेटी के प्रमुख कारी जलील के दफ्तर को निशाना बनाया।

पाकिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसे : स्वाबी और कराची में छह लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारी बयान के हवाले से मिली है। स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) में एक बड़ा हादसा तब हुआ जब पेशावर से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर नदी के पास गहरी खाई में गिर गई।

वियतनाम में भारी बारिश से 90 की मौत, हजारों घर डूबे

हनोई, एजेंसी।द्व वियतनाम के पहाड़ी इलाकों में इस महीने की शुरुआत से हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हजारों घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें डाक लाक प्रांत में सर्वाधिक 63 की मौतें हुई हैं, जबकि खान होआ में 14 और लाम डोंग में पांच मौतें दर्ज की गईं। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, भूस्खलन के कारण 12 से ज्यादा लोग लापता हैं। सड़कें बाधित होने से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

44 दिनों में 500 बार टूटा गाजा युद्धविराम! इस्राइल की कार्रवाई में 300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में लागू किए गए गाजा युद्धविराम को इस्राइल ने पिछले 44 दिनों में लगभग 500 बार तोड़ा है, जिसमें सैकड़ों फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। यह दावा गाजा सरकार के मीडिया ऑफिस ने किया है, जिसकी रिपोर्ट अल जजीरा ने प्रकाशित की। जारी बयान के मुताबिक, 342 फलस्तीनी नागरिक युद्धविराम उल्लंघनों में मारे गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिर्फ शनिवार को ही इस्राइल की ओर से 27 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की मौत और 87 से ज्यादा लोग घायल हुए।

युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन : गाजा मीडिया ऑफिस ने इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इन हमलों और नाकेबंदी के चलते इस्राइल मानविक और सुरक्षा स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस्राइल अब भी गाजा में मानवीय सहायता और मेडिकल सप्लाई के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगाए हुए है, जबकि युद्धविराम समझौते में इसकी अनुमति दी गई थी।

हालिया हमले में 24 फलस्तीनी मारे गए : शनिवार को इस्राइल ने गाजा के कई इलाकों पर हवाई हमले किए, जिनमें बच्चों सहित 24 फलस्तीनी मारे गए। इस्राइल ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब एक हमास लड़ाके ने तथाकथित येलो लाइन के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में 5 वरिष्ठ हमास लड़ाकों को मार गिराया। हालांकि, हमास ने इस्राइल के इस दावे को चुनौती देते हुए सबूत पेश करने की मांग की है। हमास नेता इज़्जत अल-रिशेक ने कहा कि अमेरिका और समझौते के मध्यस्थ इस्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह युद्धविराम समझौते का पालन करे। उधर, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में कई फिलिस्तीनी परिवार फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्राइली सेना समझौते के विपरीत अपनी तैनाती और अंदर बढ़ाती जा रही है।

सरकारी खर्चों को घटाने के लिए ट्रंप का बनाया डीओजीई विभाग 10 महीने बाद बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। सरकारी खर्च को कम करने के उद्देश्य से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बनाया गया सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) अब बंद हो गया है। यह विभाग उसके कार्यकाल के आठ महीने शेष रहते ही भंग कर दिया गया है, जबकि इसका उद्देश्य जुलाई 2026 तक चलना था। डीओजीई ट्रंप की सरकार को छोटा करने और खर्च कम करने का एक बड़ा कदम माना जा रहा था, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इससे बहुत ज्यादा बचत नहीं हो पाया है। मामले में अमेरिकी कर्मचारियों के मामलों के प्रमुख स्कॉट कुपर ने बताया कि अब डीओजीई कोई केंद्रीय विभाग नहीं रहा। इसके कुछ काम अब कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम) कर रही है। बता दें कि डीओजीई जनवरी में शुरू हुआ था। शुरू में यह पूरे वॉशिंगटन में सक्रिय था और सरकारी एजेंसियों को छोटा करने, बजट कम करने और ट्रंप की प्राथमिकताओं के अनुसार काम बदलने की कोशिश कर रहा था।

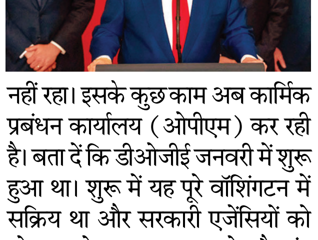

डीओजीई का प्रचार और विवाद : बीते दिनों डीओजीई ने दावा किया कि उसने अरबों डॉलर बचाए, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। एलन मस्क ने डीओजीई के काम को बड़े उत्साह के साथ प्रचारित किया और कहा कि यह ब्यूरोक्रेसी के लिए चेनसॉ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दिन से सरकारी हायरिंग पर रोक थी। ऐसे में अब यह रोक खत्म हो गई है। डीओजीई के कई कर्मचारियों ने अब नए प्रशासनिक और तकनीकी रोल संभाल लिए हैं। वहीं ट्रंप की टीम अब नियम-कानूनों को कम करने और एआई के जरिए सरकारी नियमों की समीक्षा पर काम कर रही है।

प्रमुख लोगों ने संभाली नई भूमिका

डीओजीई के प्रमुख लोगों ने अब नई भूमिकाएं संभाल ली हैं। एयरबीएनबी के सह-संस्थापक जो गेबीआ अब राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो का नेतृत्व कर रहे हैं और उनका काम सरकारी वेबसाइटों को और अधिक आकर्षक बनाना है। वहीं डीओजीई के अन्य कर्मचारी, जैसे एडवर्ड कोरिस्टिन, प्रशासन में नई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जाचरी टेरेल अब स्वास्थ्य और मानव सेवाएं विभाग के मुख्य तकनीकी अधिकारी हैं, जबकि राचेल रिले नौसेना अनुसंधान कार्यालय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोते से मिलने कनाडा गए भारतीय बुजुर्ग पर किशोरियों के उत्पीड़न का आरोप, कोर्ट ने निर्वासन का आदेश दिया

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के सर्निया में 51 साल के भारतीय नागरिक जगजीत सिंह को दो किशोरियों को लगातार परेशान करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। सिंह जुलाई में अपने नवजात पोते से मिलने कनाडा आए थे। अब उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा और भविष्य में कनाडा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, सिंह ने स्कूल के बाहर धूम्रपान क्षेत्र में लड़कियों के पास जाना शुरू किया। आठ से 11 सितंबर के बीच उन्होंने लड़कियों से बार-बार फोटो लेने की कोशिश की और उनके साथ नशे और शराब के बारे में बातें कीं।

एक लड़की ने बताई आपबीती

मामले में एक लड़की ने बताया कि उसने पहले फोटो लेने से मना किया, लेकिन बाद में सिंह को शांत करने के लिए झिझकते हुए हां कर दी। इसके बाद सिंह ने लड़की के पास हाथ रखकर उसे असहज किया, जिसे लड़की ने हटा दिया। पुलिस ने बताया कि अंग्रेजी नहीं बोलने वाले जगजीत सिंह ने छात्राओं का पीछा भी किया। उन्हें 16 सितंबर को गिरफ्तार किया गया और यौन दुर्व्यवहार और यौन छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन नई शिकायत के बाद फिर गिरफ्तार किया गया।

क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए ठहराए गए दोषी

मामले में 19 सितंबर को सिंह ने यौन छेड़छाड़ के आरोप में दोषी नहीं होने की बात कही, लेकिन क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए दोषी ठहराए गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि सिंह का उस स्कूल के बाहर होना बिल्कुल गलत था।

जानें कौन-कौन सी सजा मिली?

बता दें कि सिंह को तीन साल की परिवीक्षा दी गई है। इसके तहत वे किसी भी लड़की से संपर्क नहीं कर सकते, उनके घर, स्कूल या काम की जगह के पास नहीं जा सकते। 16 साल से छोटे किसी भी बच्चे के पास नहीं रह सकते, सिर्फ अपने नवजात पोते को छोड़कर। इसके अलावा वे किसी स्कूल, पार्क, खेल का मैदान या समुदाय केंद्र के 100 मीटर के दायरे में नहीं जा सकते।

कौन लीक कर रहा था पाक के न्यूक्लियर सीक्रेट्स

मुशर्रफ से है कनेक्शन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआई के पूर्व ऑपरेशंस चीफ जेम्स लॉलर ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान अन्य देशों को परमाणु तकनीक और सीक्रेट बेच रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने पर तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति मुशर्रफ ने बड़ा नाटकीय व्यवहार किया था। उन्होंने कादिर खान के लिए गालियां तक बकी थीं। बाद में मुशर्रफ ने लंबे समय तक कादिर खान को उनके ही घर में नजरबंद रखा। बता दें कि सीआईए के पूर्व अधिकारी जेम्स लॉलर को अब्दुल कादिर खान के अंतराष्ट्रीय परमाणु तस्करी का खेल उजागर करने के लिए जाना जाता है। एएनआई के साथ इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉर्ज टेनेट ने निजी तौर पर मुशर्रफ को कादिर खान की हरकतों की जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने पुख्ता सबूत भी पेश किए थे। इसमें बताया गया था कि खान परमाणु तकनीक से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीबिया जैसे देशों को बेच रहे हैं।

बता दें कि अब्दुल कादिर खान का नाम कई विवादों से जुड़ा रहा। इसमें परमाणु तकनीक के प्रसार और अवैध नेटवर्क के संचालन के आरोप शामिल हैं। इसके चलते उन्हें 2004 में नजरबंद भी किया गया था। उन्होंने बाद में इस नेटवर्क में अपनी भूमिका होने की बात मानी, लेकिन मुशर्रफ और बेनजीर भुट्टो पर भी आरोप लगाए। लॉलर के मुताबिक टेनेट ने मुशर्रफ को बताया कि खान पाकिस्तान को धोखा दे रहे हैं। यह सुनते ही मुशर्रफ भड़क उठे थे। उन्होंने अब्दुल कादिर खान के लिए गंदी सी गाली निकालते हुए कहा, 'मैं उसे मार डालूंगा।' इसके बाद ही मुशर्रफ ने खान को कई साल के लिए हाउस-अरेस्ट कर लिया था। गौरतलब है कि एक्यू खान को मौतों का सौदागर कहा जाता था। लॉलर ने बताया कि अमेरिकी एजेंसी लंबे समय तक निगरानी के बाद यह जानने में कामयाब हो गई थी कि वह पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बना रहे हैं। हालांकि यह जानने में समय लगा कि वह इससे जुड़ी जानकारियां बाहर भी भेज रहे हैं। लॉलर बताते हैं कि इसी वजह से मैंने उसका नाम मौत का सौदागर रखा था। लॉलर ने बताया कि एक्यू खान का नेटवर्क ईरान के परमाणु कार्यक्रम पहुंच गया था। इसकी पुष्टि इस बात से हुई कि तेहरान ने पी1 और पी2 सेंट्रीफ्यूज डिजाइन का इस्तेमाल किया था, जो खान द्वारा तस्करी करके भेजा गया था। खान के नेटवर्क ने बैलिस्टिक मिसाइल और एक चीनी एटॉमिक बम का ब्लूप्रिंट भी भेजा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान परमाणु संपन्न हो गया तो पूरे मिडिल ईस्ट में 'परमाणु महामारी' फैल जाएगी।

खाली पेट एक्सरसाइज करने से दोगुनी रफ्तार से घटता है मोटापा

शोध में हुआ खुलासा

मोटापा आज हर दूसरे व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुका है, जिसका एक कारण मधुमेह भी है। डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है। डायबिटीज में शरीर में इंसुलिन का स्राव कम हो जाता है, जिससे खून में ग्लूकोज लेवल बढ़ने लगता है। इंसुलिन एक हॉर्मोन है, जो पाचक ग्रंथि द्वारा बनता है। इसकी जरूरत भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए होती है। एक अध्ययन के अनुसार, भोजन और व्यायाम के समय में बदलाव कर लोग मधुमेह के स्तर पर नियंत्रण रख सकते हैं और ऐसी दिनचर्या बना सकते हैं, जिससे मधुमेह और मोटापे से लड़ने में मदद मिल सके।

ब्रिटेन के बाथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, सुबह के नाश्ते से पहले व्यायाम करने वाले लोग वसा की अधिक मात्रा घटाने में कामयाब होते हैं। इसके उलट, जो सुबह के नाश्ते के बाद व्यायाम करते हैं, उनके शरीर से वसा की मात्रा घटने का अनुपात कम होता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रायनोलोजी एंड मेटाबोलिज्म में प्रकाशित शोध के अनुसार, सुबह व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए बेहतर है । शोधकर्ताओं ने छह हफ्ते तक मोटापे के शिकार या अतिरिक्त वजन वाले 30 पुरुषों पर शोध करने के लिए उन्हें दो समूहों में बांटा। एक समूह में उन्हें रखा गया, जिन्होंने सुबह के नाश्ते के पहले व्यायाम किया और दूसरे में उन्हें रखा गया, जिन्होंने नाश्ते के बाद व्यायाम किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि छह हफ्ते चले शोध में भाग लेने वालों का वजन कम नहीं हुआ, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव अवश्य पड़ा।

शोध में प्रतिभागियों के शरीर ने इंसुलिन के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया दी, उनके रक्त में शर्करा की मात्रा नियंत्रण में रही और मधुमेह और दिल की बीमारी की आशंका कम देखी गयी। अध्ययन के सह-लेखक जेवियर गोंजालेज ने कहा कि 'हमारे परिणाम बताते हैं कि जब आप व्यायाम करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य में बदलाव ला सकते हैं।' हालांकि शोधकर्ताओं के अनुसार, नाश्ते से पहले व्यायाम करने वालों की मांसपेशियों में प्रोटीन की मात्रा में अधिक वृद्धि देखी गई। विशेष रूप से उन लोगों में, जिनका शरीर ग्लूकोज को रक्तप्रवाह से मांसपेशियों में ले जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि छोटे समय के अध्ययन में केवल पुरुष शामिल थे और वे इस प्रकार के व्यायाम के दीर्घकालिक प्रभावों का पता लगाने की कोशिश करेंगे। वे यह जानने का प्रयास करेंगे कि क्या इससे महिलाओं को भी पुरुषों के समान लाभ होता है।

ब्लड शुगर बढ़ने से रोकते हैं ये 3 देसी अनाज

जब डायबिटीज आप पर हमला करता है, तो इसका मतलब आपको तुरंत अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए। अपनी डाइट में शुगर कम करना, प्रॉसेस्ड खाद्य पदार्थों की कटौती करना और अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को सीमित करना शामिल है।

ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने का मतलब यह नहीं है कि आप पोषण पर समझौता करें। अनाज भारतीयों के लिए एक मुख्य भोजन है और उनमें पोषक तत्वों का खजाना है, जो आपके शरीर के लिए अच्छा है। अच्छे के लिए खराब को स्वैप करना और अपने आहार में कुछ स्वस्थ और अनाज को शामिल करना डायबिटीज को सुधारने में मदद करता है। जब यह बेमेल शर्करा के स्तर को कम करने की बात आती है, तो आपको आदर्श रूप से उन खाद्य पदार्थों को देखना चाहिए जिनमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, यानी, जो पचने में अधिक समय लेते हैं और शरीर में उर्जा को बरकरार रखते हैं। अनाज की पोषण संबंधी जानकारी की पहचान करना इस प्रकार की बीमारी के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। कुछ खाद्य पदार्थ हैं जो आपके डायबिटीज को मैनेज कर सकते हैं।

बाजरा

बाजरा ऊर्जा का निर्माण करता है। यह मैग्नीशियम का एक अच्छा स्त्रोत है, जो आदर्श इंसुलिन स्राव और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार एंजाइम के उत्पादन में मदद करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित रूप से बाजरे का उपभोग करने टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है। साथ ही, इसमें पौष्टिक फाइबर होता है जो विषाक्त पदार्थों और ब्लड लिपिड के स्तर को कम करता है।

रामदाना

रामदाना का लंबे समय से पारंपरिक रूप से उपयोग किया जाता है और इसके कई लाभ भी हैं। आपको बता दें कि, अनाज शुगर का प्रबंधन करने की क्षमता के लिए और भी अधिक लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। रामदाना एक ग्लूटेन-फ्री अनाज है, जो अमीनो एसिड, आयरन, पोटैशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर के चयापचय को स्थिर करता है और सुनिश्चित करता है कि इंसुलिन के स्तर सहित सभी कार्य उसी के अनुसार काम करें।

बकव्हीट

हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि उपवास के दौरान बकव्हीन (एक प्रकार का अनाज) खाना मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। यह अनाज सक्रिय रूप से अच्छे फाइटोन्यूट्रिएंट्स, फाइबर की आपूर्ति करके और बढ़ती इंसुलिन स्राव को कम करके जीर्ण शुगर की समस्या के प्रबंधन में बहुत मददगार हो सकता है।

रेसिपी

पेरी पेरी चिकेन

सामग्री

- बारीक कटी लहसुन की कलियां
- क्रश्ड रेड पेपर फ्लेक्स: ½ टीस्पून
- रेडीमेड स्मोक्ड पैपरिका पाउडर: 1 टेबलस्पून
- नींबू का रस: ¼ कप
- ऑलिव ऑयल: ¼ कप
- रेड वाइन विनेगर: 1 टेबलस्पून

विधि

पेरी पेरी मैरिनेशन बनाने के लिए सभी चीजों को ब्लैंड्र में डालकर प्यूरी बना लें। चिकेन ब्रेस्ट के पीसेज को चाकू से गोदकर फ्लैट करें। प्लास्टिक बैग में चिकेन पीसेज को डालकर इसमें पेरी पेरी मैरिनेशन डालें। नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। अच्छी तरह मिलाएं। करीब 4-5 घंटे या रातभर के लिए फ्रिज में रख दें। अवन को 200 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। बेकिंग ट्रे में ऑलिव ऑयल का स्प्रे करें। चिकेन ब्रेस्ट के पीसेज को रखें। साइड में लंबी स्लाइसेज में कटे पेपर्स रखें। ऊपर से ताज़े हर्ब्स डालें। लगभग 20 मिनट के लिए इसे बेक करें। प्लेट में निकालें। साइड में नींबू की स्लाइसेज डालकर सर्व करें।

मिक्स पराठे

सामग्री

■ गेहूं का आटा: 2 कप ■ गाजर: 1/4 कप कटी हुई ■ पत्तागोभी: 1/2 कप कटी हुई, ■ शिमला मिर्च: 1/4 कप कटी हुई ■ प्याज: 1/4 कप बारीक कटा हुआ ■ मेथी: 2 टेबलस्पून बारीक कटी हुई ■ अदरक-लहसुन पेस्ट: 1 टीस्पून ■ हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ हरी मटर: 1/4 कप ■ हरा धनिया:1 टेबलस्पून ■ हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई ■ गरम मसाला: 1/4 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च: 1/2 टीस्पून ■ तेल या घी: 2 टीस्पून ■ नमक: स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर तेल गरम करें। उसमें गाजर, गोभी, शिमला मिर्च, हरी प्याज, मेथी के पत्ते और अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक और हल्दी पाउडर डालकर भूनें। सब्जियां नरम हो जाएं, तब तक इन्हें भूनें। इसमें लगभग 3 से 4 मिनट तक का समय लगेगा। फिर मटर को मैश करके उसमें मिक्स करें और थोड़ी देर में गैस बंद कर दें। सब्जियों को 5 मिनट के लिए ठंडा होने दें। एक बाउल में गेहूं का आटा, तेल और नमक डालें। उसमें पकी हुई सब्जियों का पेस्ट, कटी धनिया, कटी हरी मिर्च, सारे मसाले डालकर उन्हें अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटे को गूंद लें और 10 मिनट के लिए ढककर रख दें। इसके बाद आप आटे की गोली बनाकर उसे हल्के हाथ से धीरे-धीरे बेलें और फिर तवे पर तेल या घी डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक सेक लें। इसके बाद दही या अचार के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2658

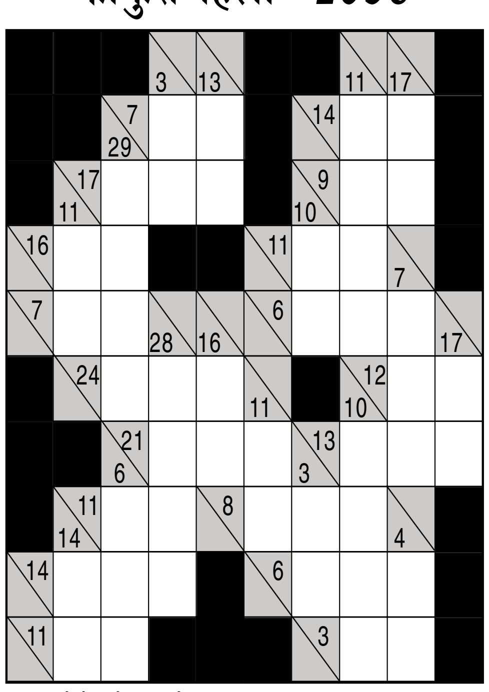

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

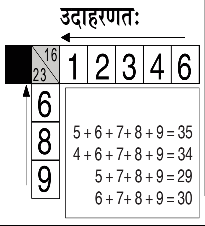

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2657 का हल

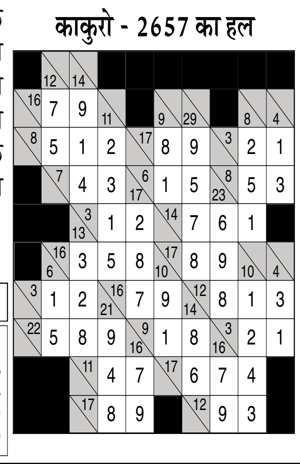

हंसी के फूव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैंने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देखा चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

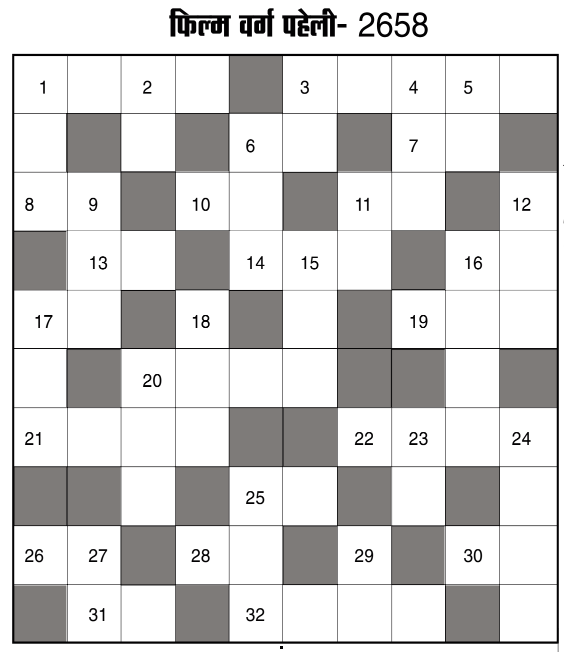

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2657

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झौ	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़ा
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		रा	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -2658

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2657 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 2658

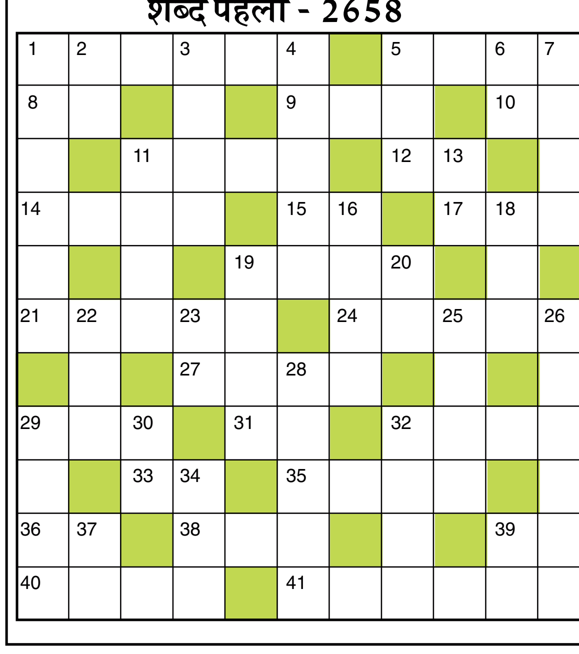

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -2657 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		व	सु	ध	रा		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
व		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		तं		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

दूसरे दिन मप्र और महाराष्ट्र की बौद्ध स्थापत्य कला और सांची स्तूप के कई अनछुए पहलुओं पर हुई चर्चा

एजेंसी

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज़ (आईएसबीएस) के रजत जयंती समारोह के दूसरे दिन बौद्ध धर्म, पालि भाषा, युद्धकाल में बौद्ध धर्म की व्यावहार्यता और अप्लाइड बुद्धिस्म पर चर्चा हुई। सामान्य सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. अरविंद जामखेड़कर रहे। उन्होंने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की बौद्ध स्थापत्य कला पर विचार रखें। उन्होने सांची स्तूप के कई अनछुए पहलुओं को भी सामने रखा। आईएसबीएस में हुए तीन समानांतर सत्रों में 50 शोधपत्र पढ़े गये। प्रो. सुष्मिता पाण्डे की अध्यक्षता में हुए सत्र में शोधार्थी ने मध्य प्रदेश की पुरातात्विक महत्व की साइट तुमेन पर अपने विचार रखे। भरहुत तथा सांची स्तूप के मानव मूल्यों को भी आंका गया। बौद्ध स्थापत्य कला में डर और साहस के दर्शन को जांचा गया। इसी तरह भारत और थाइलैंड के रिश्तों को भी बौद्ध सर्किट के साथ मापा गया। प्रो. बंदना मुखर्जी की अध्यक्षता में दूसरे सत्र में धम्म पद पर, धम्म उपदेश में चित्त की शुद्धि के वर्णन, बंगाल में बौद्ध दर्शन का पुनरुत्थान, श्रीलंका में बुद्ध धम्म की विचार कथा, थेरगाथा में स्त्री का चित्रण, जातक कथाओं का हिंदी साहित्य पर प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस सत्र में भी 10 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। अंधश्रद्धा को छोड़ वेदना निवारण के लिए चित्त शुद्धि पर जोर दिया गया।

'जीआई-टैग जनजातीय कला कार्यशाला और प्रदर्शनी-सांस्कृतिक उत्सव' की शुरुआत

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जनजातीय छात्र शिक्षा समिति (नेस्ट्स) ने तीन दिवसीय जीआई-टैग जनजातीय कला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी-सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन किया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में 24-26 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश भर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के चयनित 139 छात्र, 34 कला एवं संगीत शिक्षक और 10 कुशल कारीगर भारत की भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग जनजातीय कला परंपराओं का उत्सव मनाने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए एक साथ पहुंचे हैं। इस मौके पर नेस्ट्स के संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) विपिन कुमार, आईजीएनसीए के जनपद संपदा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार, नेस्ट्स के संयुक्त आयुक्त (सिविल) बिपिन रतूड़ी, नेस?ट्स के अपर आयुक्त प्रशांत मीणा और नेस्ट्स के आयुक्त अजीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। ईएमआरएस छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन उद्घाटन सत्र में ईएमआरएस के छात्रों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें धेम्सा नृत्य (ओडिशा), जौनसारी नृत्य (उत्तराखंड), मिजो लोक नृत्य (मिजोरम), लोक गायन एकल (दादरा और नगर हवेली), देशभक्ति गीत (मध्य प्रदेश) शामिल है।

उच्च शिक्षा संस्थानों ने छात्र कल्याण को दिया नया आयाम, आईआईटी बॉम्बे में सम्पन्न हुआ दूसरा राष्ट्रीय वेलबीइंग कॉन्क्लेव

नई दिल्ली। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य और छात्र कल्याण को केंद्र में लाने के उद्देश्य से दूसरा राष्ट्रीय वेलबीइंग कॉन्क्लेव 22-23 नवंबर को आईआईटी बॉम्बे में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम ने छात्र मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श प्रणालियों, संस्थागत जवाबदेही और समग्र कल्याण जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडा के रूप में मजबूत दिशा प्रदान की। शिक्षा मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कॉन्क्लेव का सबसे बड़ा परिणाम मानसिक स्वास्थ्य को उच्च शिक्षा के भीतर एक अनिवार्य संस्थागत तत्व के रूप में स्थापित करने की दिशा में सहमति बनना रहा। विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने माना कि कैंपस स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, शुरुआती पहचान और हस्तक्षेप तंत्र विकसित करना तथा स्थायी सहायता प्रणालियों का निर्माण तत्काल आवश्यकता है। इसी के साथ, कॉन्क्लेव ने विश्वविद्यालयों के बीच सहयोगात्मक ढांचे-इंटर-इंस्टीट्यूशनल पार्टनरशिप मॉडल-को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया, ताकि कल्याण संबंधी सेवाएं अधिक प्रभावी और व्यापक हो सकें।

राज्यपाल ने 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का किया शुभारंभ, स्काउट्स-गाइड्स को दिया अनुशासन व कर्तव्य निभाने का संदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लखनऊ में वृंदावन स्थित डिफेंस एक्सपो में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का झंडारोहण कर शुभारंभ किया। इस मौके पर देश–विदेश से आए स्काउट्स– गाइड्स ने जय जंबूरी के नारों से राज्यपाल सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उद्घाटन अवसर पर मैदान में उपस्थित देश–विदेश से आए हजारों स्काउट्स – गाइड्स का अभिवादन करते हुए कहा आप सबको देखकर यही मन कर रहा है कि ईश्वर हमें फिर से छोटा बना दें। मैंने पहली बार जंबूरी देखी है और यह यूपी में काफी साल बाद यह हो रही है। स्काउट एंड गाइड को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यहां से कुछ नया सीख कर जाना है। लगभग 25 देशों से आए युवा यहां एक लघु भारत का रूप दे रहे हैं। उन्होंने यहां की बेहतर व्यवस्थाएं देख कर कहा कि इसके लिए राज्य सरकार बधाई की पात्र है। राज्यपाल ने आगे कहा कि मेरे जीवन की यात्रा भी चुनौतियों से होकर गुजरी है, लेकिन हमारे लिए चुनौती बोझ नहीं हमेशा आगे बढ़ना का मंत्र रही है। यह अवसर भी प्रेरणा प्रदान करने वाला है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 10 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटने का अनुमान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग का अनुमान है कि राज्य की मतदाता सूची से 10 लाख से अधिक नाम हटाए जाएंगे। यह अनुमान दोस्तरीय अधिकारियों द्वारा संकलित और बीएलओ ऐप पर अपलोड किए गए प्रपत्रों के प्रारम्भिक मूल्यांकन के आधार पर लगाया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि हटाए जाने वाले नामों में मृत मतदाता, दोहरी प्रविष्टियां, अन्य राज्यों में स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके मतदाता तथा लापता अथवा अनुपलब्ध मतदाता शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, मृत मतदाताओं की श्रेणी में सबसे अधिक, लगभग छह लाख 50 हज़ार प्रविष्टियां हटाई

जाएंगी। सूत्रों ने कहा कि प्रपत्रों के संकलन और उन्हें बीएलओ ऐप पर अपलोड करने की प्रक्रिया जारी है, इसलिए सटीक आंकड़ा आयोग द्वारा मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद ही स्पष्ट होगा। मसौदा सूची नौ दिसम्बर को जारी की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने उन मतदाताओं से अपील की जो अब तक अपने प्रपत्र जमा नहीं कर पाए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि चार दिसम्बर है और इसे किसी भी स्थिति में बढ़ाया नहीं जाएगा। जो मतदाता निर्धारित तिथि तक प्रपत्र जमा नहीं करेंगे, उनके नाम स्वतः ही मतदाता सूची से हट जाएंगे। इस बीच, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान राज्य में अब तक तीन बीएलओ की मौत की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अग्रवाल ने बताया कि संबंधित जिलाधिकारियों, जो जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी भी हैं, ने विस्तृत प्रतिवेदन आयोग को भेज दिया है। अग्रवाल ने कहा कि बीएलओ इस पूरे पुनरीक्षण अभियान के वास्तविक नायक हैं और उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

कर्नाटक में लोकायुक्त पुलिस ने 10 अधिकारियों के घरों और कार्यालयों पर छापा मारा

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद लोकायुक्त पुलिस ने आज सुबह एक साथ छापे मारे और कुल 10 अधिकारियों के घरों और कार्यालयों का निरीक्षण शुरू किया। विशेष टीमों के इस अभियान में अवैध संपत्ति, दस्तावेजों में अशुद्धियों और वित्तीय लेन-देन में विसंगतियों की जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई जारी है।

अधिकारियों का विवरण-कुमारस्वामी, इलेक्ट्रॉनिक सिटी ट्रांसपोर्ट ऑफिस, बेंगलुरु के अधीक्षक।-मांड्या नगर निगम सीएओ पुट्टास्वामी।-प्रेम सिंह, मुख्य अभियंता, बीदर कृष्णा अपर परियोजना।-मैसूर हूटागल्ली नगर निगम के राजस्व निरीक्षक रामास्वामी सी.।-सुभाष चंद्र, सहायक प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़।-सतीश, वरिष्ठ निरीक्षक, हुलिगोल प्राथमिक पशु चिकित्सा केंद्र।-एफडीए लक्ष्मीपति सी.एन., सिम्स मेडिकल कॉलेज, शिवमोग्गा।-दावणगेरे एपीएमसी के सहायक निदेशक प्रभु जे.।-मैसूर पीडब्ल्यूडी के सहायक कार्यकारी अभियंता गिरीश डी.एम.।-हावेरी परियोजना निदेशक कार्यालय के कार्यकारी अधिकारी इंजीनियर शेकप्पा। यह उन अधिकारियों में से एक हैं जिन पर हमला किया गया।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ओरछा में श्रीराम विवाह महोत्सव में हुए शामिल

एजेंसी

निवाड़ी। मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में स्थित बुंदेलखंड की अयोध्या कहे जाने वाली भगवान श्रीराम राजा सरकार की नगरी ओरछा में इन दिनों श्री राम विवाह महोत्सव के उत्साह में डूबी हुई है। ऐतिहासिक रामराजा सरकार मंदिर में लाखों श्रद्धालु उमड़े, जहां पर परंपरा के अनुसार पंगत का आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सोमवार शाम को ओरछा पहुंचे और श्री राम-जानकी विवाह महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सीधे मंदिर प्रांगण में पहुंचकर रामराजा सरकार के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर उन्होंने कहा, आज रामराजा सरकार का विवाह महोत्सव है और कल धर्म ध्वजा लहराने वाली है। मेरा सौभाग्य है कि भगवान के चरणों के दर्शन कर पाया। उन्होंने सभी के स्वस्थ और निरोगी रहने की कामना रामराजा सरकार से की। इस दौरान उन्होंने लोगों से भेंट भी की और इस आयोजन को 'अद्वितीय

सांस्कृतिक विरासत' बताया।

उनके साथ भाजपा विधायक अनिल जैन समेत भाजपा पदाधिकारी और भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश पटेरिया भी मौजूद रहे। पर्यटन नगरी ओरछा में यह आयोजन सदियों से बुंदेलखंड की पहचान रहा है। परम्परा के अनुसार यहां श्री राम-जानकी विवाह महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस दौरान भगवान श्रीराम राजा सरकार को हल्दी लगाई गई और मंडप पूजन संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान सुबह 11 बजे विधि-विधान से किया गया। रामराजा सरकार को हल्दी चढ़ाने का कार्य वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पूरे परिसर में शंखध्वनि और जय-जयकार के स्वर गूंजते रहे। हल्दी रस्म के बाद मंडप सजाकर विधिवत मंडप पूजा की गई। इस महोत्सव में लाखों भक्तों की आस्था उमड़ पड़ी।

धर्म और मानवता के लिए गुरु तेग बहादुर का बलिदान अद्वितीयः डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी

एजेंसी

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि धर्म और मानवता के लिए गुरु तेग बहादुर का बलिदान अद्वितीय है। विश्व इतिहास में धर्म और मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से धर्म-रक्षा, राष्ट्रवाद और सर्वोच्च आत्मबलिदान के प्रतीक गुरु तेग बहादुर के 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए बसाए गए 'भगवान बिरसा मुंडा नगर' में संगोष्ठी को डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी संबोधित कर रहे थे। डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि सत्रहवीं शताब्दी में मुगल अत्याचारों के विरुद्ध गुरु तेग बहादुर ने केवल सिखों के गुरु के रूप में नहीं बल्कि भारत की आध्यात्मिक आत्मा के प्रतिनिधि के रूप में अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। सत्रहवीं शताब्दी का वह काल, जब मुगल शासक औरंगज़ेब की ओर से धार्मिक स्थलों का विध्वंस, जजिया कर का थोपना और कश्मीरी पंडितों पर जबरन धर्मांतरण का दमनकारी अत्याचार किया जा रहा था, उस समय गुरु तेग बहादुर ने संपूर्ण

भारत की आध्यात्मिक चेतना के प्रतिनिधि के रूप में अत्याचारों के विरुद्ध अडिग प्रतिरोध खड़ा किया। उन्होंने कहा कि धर्म और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अन्याय को स्वीकारने से इंकार करते हुए गुरु तेग़ बहादुर ने चांदनी चौक में अपना शीश समर्पित कर दिया, यह बलिदान आज भी भारतीय इतिहास के सर्वोच्च बलिदानों में से एक है। इसी स्मृति को अधिवेशन में पुनर्जीवित करने के लिए दिल्ली स्थित गुरुद्वारा शीशगंज साहिब से पवित्र जल लाया जा रहा है। जिसे अधिवेशन स्थल पर स्थापित कर गुरुजी के इस अप्रतिम बलिदान को श्रद्धांजलि दी जाएगी। अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कहा कि भारत की परंपरा सदैव संदेश देने की रही है। गुरु तेग बहादुर का बलिदान इस सनातन संदेश का सर्वोच्च उदाहरण है। आज की युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में अग्रसर होना चाहिए।

आईएफएफआई गोवा में मध्य प्रदेश की फिल्मों का अनुपम प्रदर्शन

एजेंसी

भोपाल। गोवा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 2025 में, 'अतुलनीय मध्य प्रदेश' ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मक दृष्टि से एक अमिट छाप छोड़ी। मप्र पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं एमपी टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की अद्वितीय सृजनात्मक क्षमता और फिल्म-अनुकूल वातावरण को वैश्विक पटल पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतिष्ठित महोत्सव में एमपी टूरिज्म द्वारा बनाई गई दो महत्वपूर्ण फिल्मों- 'द सितारिस्ट' और 'लोकमाता अहिल्याबाई'- का विशेष प्रीमियर हुआ, जिन्होंने न केवल दर्शकों को भाव-विभोर किया, बल्कि समीक्षकों की भी प्रशंसा बटोरी। ये दोनों फिल्में मध्य प्रदेश की आत्मा को दर्शाती हैं। प्रसिद्ध सितारिस्ट अनुष्का शंकर द्वारा अभिनित 'द सितारिस्ट' दर्शकों को एक सितार वादक की शांत और गहरी कला-साधना की यात्रा पर ले जाती है। इसकी कहानी में राज्य की

नैसर्गिक सुंदरता–वन, झीलें, पर्वत और ग्रामीण परिवेश–को अत्यंत मनोरम ढंग से दर्शाया गया है। वहीं, एनिमेटेड फिल्म 'लोकमाता अहिल्याबाई' में राजमाता अहिल्याबाई होलकर के न्याय, करुणा और कुशल नेतृत्व के गुणों को सरल और आकर्षक तरीके से नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास है। यह जीवंत चित्र दिखाता है कि क्यों उनका योगदान आज भी प्रदेश और राष्ट्र के सांस्कृतिक जीवन में एक प्रेरणास्रोत बना हुआ है। मध्य प्रदेश की रचनात्मक पहल को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला, जब आईएफएफआई ने 'द सितारिस्ट' के निर्माण के लिए अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला को सम्मानित किया। इस अवसर पर, स्पैन कम्युनिकेशन्स के नरेश खेत्रपाल और 'लोकमाता अहिल्याबाई होलकर' की निर्देशक डिंपल दुगर को भी उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए सम्मानित किया गया। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने इस सम्मान पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ये फिल्में हमारी सांस्कृतिक विरासत की गहराई को संवेदनशील रूप से प्रस्तुत करती हैं, और यह सम्मान हमें और अधिक गुणवत्तापूर्ण सिनेमा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करता है। इन प्रमुख फिल्मों के साथ ही, मध्य प्रदेश में शूट हुई फिल्म विमुक्त, चंबल और पिंच की भी विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। अंतरराष्ट्रीय संवाद और सहयोग से मप्र बना वैश्विक फिल्म निर्माण का केंद्रः शुक्लाअंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मध्य प्रदेश पर्यटन ने अपनी फिल्म-निर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए गहन अंतर्राष्ट्रीय संवाद और महत्वपूर्ण व्यावसायिक बैठकें (बी2बी) आयोजित कीं।

भारत ने अरुणाचल की महिला को चीन में रोके जाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया, कहा- सामान्य होते संबंधों के लिए यह अच्छा नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने चीन के शंघाई हवाईअड्डे पर एक अरुणाचल निवासी महिला को रोकने के मामले में कड़ा प्रतिवाद दर्ज किया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और उसके निवासी भारतीय पासपोर्ट के आधार पर पूर्ण वैधता के साथ यात्रा करने के हकदार हैं। तीन घंटे के ट्रांजिट के दौरान हुई यह घटना महिला के लिए 18 घंटे की परेशानी में बदल गई थी। भारत ने साफ कहा है कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ऐसे में इस तरह की घटनाएं प्रक्रिया में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करती हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार विदेश मंत्रालय ने घटना के दिन ही बीजिंग और दिल्ली में चीनी अधिकारियों के समक्ष सशक्त डिमार्शे दर्ज किया। मंत्रालय ने रेखांकित किया कि यात्री को तर्कहीन आधारों पर हिरासत में लिया गया और यह स्वीकार्य नहीं है। सूत्रों के अनुसार, भारत ने यह भी जोर देकर कहा कि चीनी अधिकारियों की कार्रवाई शिकागो और मॉन्ट्रियल नागरिक उड्डयन कन्वेंशनों के उल्लंघन के अंतर्गत आती है।

उल्लेखनीय है कि चीन समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर इस तरह की हरकतें करता रहता है। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाली प्रेमा थोंगदोक को शंघाई हवाईअड्डे पर रोक लिया गया था। उनके पास मौजूद भारतीय पासपोर्ट में जन्मस्थान के रूप में अरुणाचल प्रदेश का उल्लेख था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से देश में खेलों के विकास का इकोसिस्टम हुआ तैयारः केन्द्रीय मंत्री मांडविया

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि नए भारत का निर्माण विकसित भारत के लक्ष्य के साथ हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने और वर्ष 2036 तक देश में ओलम्पिक खेल के आयोजन की तैयारियों के लिए मार्ग दिखाया है।

डॉ. मांडविया सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने देश में खेलों के विकास के लिए इकोसिस्टम तैयार किया और जमीनी प्रतिभाओं को तराशने के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई। इसके तहत देश में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जाता है। इससे निकली प्रतिभाओं को खेल स्कूलों एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से उचित ट्रेनिंग दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंटरनेशनल ओलंपिक सेंटर के माध्यम से देश की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। सेंटर में विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं होंगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतरीन टेर्अनिंग मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में खेलो इंडिया खेल नीति के तहत खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन राजस्थान के 7 संभागों पर किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेने आए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, यह खिलाड़ियों के सपनों की उड़ान की शुरुआत है। इन गेम्स से खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन भी बन सकता है, इसलिए सभी खिलाड़ी पूरी

लगन से इन खेलों में हिस्सा लें। शर्मा ने कहा कि जो व्यक्ति खेल के मैदान में संघर्ष करना सीख जाता है और कभी हार नहीं मानता, वह जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बन जाता है। इन गेम्स में खिलाड़ी सिर्फ पदक जितने नहीं आए हैं, बल्कि अपने भीतर के योद्धा को जगाने आए है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए युवाओं से 'उठों, जागों और देश-दुनिया पर छा जाओं' का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब पदक देखने के लिए भारत की आंखे तरस जाती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश ने खेलों की दुनिया में मान-सम्मान अर्जित किया है। हमारी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में वर्ल्ड कप जीतकर पूरी दुनिया को बता दिया कि बेटियां भी बेटों से कम नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 48 लाख के ईनामी 15 माओवादियों ने बिना हथियार किया समर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की पुलिस के समक्ष 48 लाख के ईनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने बिना हथियार के समर्पण किया। आत्मसमर्पित माओवादियों में 05 महिला सहित 15 पुरूष माओवादी है। आत्मसमर्पित 4 माओवादी पर 08-08 लाख, 02 माओवादी पर 05-05 लाख, एक माओवादी पर 3 लाख, एक माओवादी पर 2 लाख एवं एक माओवादी पर एक लाख कुल 48 लाख रूपये के इनाम घोषित है। छत्तीसगढ़ शासन की 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति' एवं 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से संगठन में सक्रिय 05 महिला सहित 15 माओवादियों के द्वारा माओवादी संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी किरण चव्हाण, सीआरपीएफ द्वितीय वाहिनी कमाण्डेन्ट कमलेश कुमार समक्ष खाली हाथ समर्पण किया गया।

राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के बीच पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में अकादमिक, प्रशिक्षण और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पुलिसिंग में अनुसंधान-आधारित सुधारों और फील्ड स्तर की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमओयू के तहत स्मार्ट पुलिसिंग, सुरक्षा नवाचार और पेशेवर क्षमता-विकास के लिए संयुक्त कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे राज्य की आंतरिक और सार्वजनिक सुरक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिसिंग की उत्कृष्टतम प्रथाओं को लगातार अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार पूरे देश के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के सहयोग से राजस्थान पुलिस भी

और अधिक कुशलता के साथ कार्य कर सकेगी। साथ ही, प्रदेश में पुलिस की कार्यकुशलता और पेशेवर क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से स्मार्ट पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक तथा आंतरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य और अधिक संगठित तथा प्रभावी ढंग से संपादित किए जा सकेंगे। साथ ही, बड़ी घटनाओं के दौरान आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की विशेषज्ञता का लाभ भी लिया जा सकेगा। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिस शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में रक्षा विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. बिमल एन. पटेल ने कहा कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता के साथ कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आरआरयू की अकादमिक और विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता, राजस्थान पुलिस की रणनीतिक तथा परिचालन क्षमताओं को और अधिक मजबूत एवं उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉ. पटेल ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय द्वारा 82 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है तथा विश्वभर में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एमओयू के बाद राजस्थान पुलिस भी आरआरयू के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कोर्सों का लाभ आसानी से ले सकेगी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यों, अनुसंधान गतिविधियों तथा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा की।

मिनी ब्राजील के खिलाड़ियों में फुटबाल के प्रति निःस्वार्थ प्रेमः जर्मन कोच बीयर्सडॉर्फ

एजेंसी

शहडोल। जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ ने कहा कि भारत के लिए 'मिनी ब्राजील' की उपमा अद्वितीय है। मिनी ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ियों में फुटबॉल के प्रति जो जुनून, हुनर और निःस्वार्थ प्रेम है, वह बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत कम जगहों पर फुटबॉल के प्रति ऐसा निःस्वार्थ प्रेम देखने को मिलता है। यहाँ की प्रतिभा और उत्साह चार पीढ़ियो से लगातार जारी है, जो भारत के लिए गर्व की बात है। जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में स्थित मिनी ब्राजील के नाम मशहूर ग्राम विचारपुर पहुंचे थे। उन्होंने यहां खिलाड़ियों से संवाद किया। कोच बीयर्सडॉर्फ ने कहा कि ग्राम विचारपुर के कई खिलाड़ी जर्मनी में प्रशिक्षण के दौरान उनके मेहमान रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'इन खिलाड़ियों ने जर्मनी में बेहतरीन प्रदर्शन किया। युवा खिलाड़ियों और उनके कोचों पर मुझे गर्व है। उनकी सरलता, शांत स्वभाव, दयालुता और दूसरे देश के प्रति अपनापन मुझे बेहद प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि मिनी ब्राजील के खिलाड़ियों में मौजूद समर्पण और लगन उन्हें एक दिन एक अलग पहचान अवश्य दिलाएगी। मिनी ब्राजील यानी ग्राम विचारपुर पहुंचने पर जर्मन कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ, कौशिक मौलिक एवं मैन्युअल स्केफर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, नन्हे-मुन्ने फुटबॉल खिलाड़ियो और कोचों ने भारतीय परंपरा अनुसार हाथ जोड़कर अभिवादन व पुष्पगुच्छ भेंटकर का स्वागत किया। जर्मन कोच ने सभी फुटबॉल खिलाड़ियों व कोचों से परिचय प्राप्त किया और उनके उत्साह, समर्पण और प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर सहायक खेल संचालक रईस अहमद, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अजय सोंधिया, राजीव श्रीवास्तव, अनिल सिंह कोच, लक्ष्मी सहीश, सीताराम सहीश रहीम खान, नीलेंद्र कुंडे, नरेश कुंडे, जसराम साहू, रजनी सिंह, पुष्पराज सिंह, मीडियाकर्मी एवं बड़ी संख्या में फुटबॉल खिलाडी और कोच उपस्थित रहे। जर्मन कोच ने जर्मनी में प्रशिक्षित फुटबॉल खिलाड़ियों के अभिभावकों से किया संवाद जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब के कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ ने 'मिनी ब्राजील' के नाम से प्रसिद्ध ग्राम विचारपुर के भ्रमण के दौरान जर्मनी में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ियों के परिवार जनों से मुलाकात की। कोच बीयर्सडॉर्फ जर्मनी में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों वीरेंद्र बैगा, लक्ष्मी सहीस और सानिया कुंडे के घर पहुंचे और उनके अभिभावकों से संवाद किया। उन्होंने खिलाड़ियों को विदेश भेजने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

टेस्ट सीरीज में वापसी की आस पर पानी फिरा, भारत को मिला 549 रनों का महा-लक्ष्य, मुश्किल में टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा दिए गए 549 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 21 रन पर दो विकेट गंवा दिए। टेस्ट सीरीज़ में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने कल एक कठिन चुनौती है क्योंकि टेस्ट के आखिरी दिन उसके पास केवल आठ विकेट ही बचे हैं। भारत ने चौथे दिन के आखिरी सत्र में विकेट गंवाए और गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच के आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत है।

चौथे दिन स्टंप्स तक भारत का स्कोर 27/2 था, जिसमें कुलदीप यादव (4*) और साई सुदर्शन (2*) नाबाद थे। मेज़बान टीम को दो मैचों की सीरीज़ 1-1 से बराबर करने के लिए पाँचवें दिन 522 रनों की ज़रूरत है। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 26/0 से की और लंच तक 220/4 रन बनाकर ट्रिस्टन स्टब्स (60*) और वियान मुल्डर (29*) स्ट्राइक पर थे।

लंच के बाद के सत्र में नीतीश कुमार रेड्डी ने पहला चौका तब दिया जब स्टब्स ने 74वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्हें चार चौके जड़े। स्टब्स ने आक्रामक रुख अपनाया और 76वें ओवर में रेड्डी के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए। 78वें ओवर में, प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर डीप मिड-विकेट की बाउंड्री के ऊपर से एक गगनचुंबी छक्का जड़ा। 78वें ओवर की तीसरी गेंद पर, स्टब्स, जो अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, जडेजा की गेंद पर बोल्ड हो गए, जिन्होंने 180 गेंदों में 94 रन बनाए।

स्टब्स के आउट होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने 260/5 पर अपनी पारी घोषित करने का फैसला किया और उन्होंने 549 रनों का मुश्किल लक्ष्य रखा। यह दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा रनों का लक्ष्य दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 543 रनों का लक्ष्य दिया था। वह मैच वे 342 रनों से हार गए थे, जो रनों के लिहाज़ से उनकी सबसे बड़ी हार है। भारतीय सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल और यशस्वी बल्लेबाज़ी करने उतरे। जायसवाल ने एक चौका और एक छक्का लगाकर आक्रामक रुख़ दिखाया, जबकि राहुल ने सतर्कता से शुरुआत की।

'दीप्ति शर्मा डब्ल्यूपीएल मेगा नीलामी में सबसे ज़्यादा डिमांड वाली खिलाड़ी होंगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे टीमें टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तैयारी कर रही हैं और अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं, सभी की नजरें भारत की टॉप ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और भरोसेमंद बैट्समैन हरलीन देओल पर हैं, जो उनकी लाइन-अप को मजबूत करेंगी। जियो हॉटस्टार के शो 'मोस्ट वांटेड: टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन' में एक्सपर्ट अंजुम चोपड़ा और वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर और हरलीन देओल की वैल्यू को खास भारतीय खिलाड़ियों के तौर पर बताया, जिन पर हर फ्रेंचाइजी करीब से नजर रखेगी।

अंजुम चोपड़ा ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, 'गुजरात जायंट्स को मेगा-ऑक्शन में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में टारगेट कर सकती है जो बैटिंग और बॉलिंग दोनों को मजबूत करती है। गुजरात और दिल्ली के बाद यूपी वॉरियर्स उनकी सर्विस लेने में दिलचस्पी रखने वाली तीसरी टीम हो सकती है।'

गुजरात जायंट्स द्वारा हरलीन देओल को रिलीज किए जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी है कि गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल को रिलीज किया। वह एक मल्टी-टैलेंटेड भारतीय खिलाड़ी है जो थोड़ी बॉलिंग भी कर सकती है, और मुझे उम्मीद है कि वह अपनी बॉलिंग स्किल्स को और डेवलप करेंगी। अब उनमें अच्छी दिलचस्पी होगी। दीप्ति शर्मा के साथ, वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी होगी जिसे हर फ्रेंचाइजी टारगेट करेगी क्योंकि टीमें मजबूत भारतीय बैट्समैन और संभावित लीडरशिप ऑप्शन चाहती हैं।'

वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा की स्किल्स की तारीफ की और बताया कि मेगा नीलामी में वह सबसे ज़्यादा डिमांड वाली प्लेयर क्यों होंगी। उन्होंने कहा, 'दीप्ति शर्मा पिछले डब्ल्यूपीएल सीजन से एक जानी-मानी मैच-विनर हैं, उन्होंने बैट और बॉल दोनों से शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता। मेगा-ऑक्शन में उनकी डिमांड जरूर ज़्यादा होगी, और हर फ्रेंचाइज उन पर करीब से नजर रखेगी।% टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी 27 नवंबर को होगी जिसे जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधे देखा जा सकता है।

शमी की फिर हुई उपेक्षा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त होने का संकेत तो नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर अनदेखी हुई है। शमी को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। शमी लंबे समय से वापसी के लिए इंतजार रहे थे पर टीम में जगह नहीं मिलने से उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। इससे ये भी अटकलें लगायी जा रही हैं कि शमी अब लगता है चयन समिति की योजनाओं का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभी वह घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में शमी ने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल की ओर से 4 मैचों में 20 विकेट लिए थे और उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए भी जगह मिली थी पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पायी है। जिससे कहा जा रहा है उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त हो गया है।

ये भी कहा जा रहा है कि जब शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट ले रहे हैं तो फिर उन्हें टीम में जगह क्यों नहीं मिल रही है। क्या चयन समित उसने अपनी नाराजगी निकला रही है। शमी ने कुछ समय पहले चयन समिति पर सवाल उठाये थे। तब मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने एक कार्यक्रम में बताया था कि उन्हें फिटनेस की वजह से टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसके बाद . शमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं और इसी कारण घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया गया है। फिलहाल ये दोनों तेज गेंदबाज टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। ऐसे में शमी को अवसर दिया जाना था पर ऐसा नहीं हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ, आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा

मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

SMAT : करियर को पटरी पर लाने का सुनहरा मौका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT), जो टी20 फॉर्मेट में भारत के सबसे बड़े घरेलू टूर्नामेंटों में से एक है, शॉ के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कल से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट उनके लिए सिर्फ रन बनाने का अवसर नहीं, बल्कि यह दिखाने का मंच है कि वे वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। IPL 2025 के मिनी ऑक्शन को देखते हुए हर पारी, हर रन और हर स्ट्राइक-रेट उनकी बोली पर सीधा प्रभाव डालेगा।

IPL ऑक्शन में झटका और अब उम्मीद की नई किरण

पिछले साल के IPL ऑक्शन में किसी भी टीम ने पृथ्वी शॉ पर बोली नहीं लगाई। यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर झटका नहीं, बल्कि एक संकेत था कि उनके मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अब उनकी नज़र SMAT में दमदार प्रदर्शन पर है। अगर वे अपनी पुरानी आक्रामक बैटिंग शैली और कंसिस्टेंसी वापस लेकर आते हैं, तो IPL टीमों का ध्यान उनकी ओर लौट सकता है, खासकर वे फ्रेंचाइजी जो भारतीय ओपनर की तलाश में हैं और विदेशी स्लॉट बचाना चाहती हैं।

लीडरशिप की जिम्मेदारी

इस बार पृथ्वी शॉ को सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि कप्तान की भूमिका भी निभानी है। रुतुराज गायकवाड़ राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित होने के कारण महाराष्ट्र की कप्तानी ग्रुप स्टेज तक शॉ को सौंपी गई है। यह भूमिका उनके व्यक्तित्व, मैच्योरिटी और गेम अवेयरनेस को उजागर करने का शानदार मौका है, वे गुण जिन्हें IPL टीमें बहुत महत्व देती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स से शुरुआत और विस्फोटक IPL रिकॉर्ड

शॉ ने IPL में अपने सातों सीजन दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले, जहां उन्होंने 1,892 रन बनाए और 147 की स्ट्राइक-रेट से गेंदबाजों पर हावी रहे। पावरप्ले में तेज शुरुआत दिलाने की उनकी क्षमता आज भी कई टीमों के लिए अमूल्य है। अगर वे पुराना फ्लो वापस पाते हैं, तो IPL 2026 से पहले उनका क्रिकेट करियर दोबारा नई उड़ान पकड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन वाइल्ड कार्ड प्लेऑफ में सुमित नागल की जीत के साथ शुरूआत

चेंगडू ।भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2.6, 6.0, 6.2 से जीत दर्ज की।नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिये पुरूष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे ।नागल को शुरूआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी। बाद में मसला सुलझने पर वह यहां आ सके।अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त बू युंचाओकेते और जिजियांग यांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

भारत में खेलकर उत्साहित हैं मुथुसामी

नई दिल्ली ।गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने दक्षिण अफ्रीका टीम के भारतीय मूल के ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी ने कहा है कि भारत में खेलकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। मुथुसामी ने कहा है कि साल 2019 में भारत दौरे के बाद उन्हें लगा था कि अब उन्हें यहां कभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई अवसर फिर कभी नहीं मिल पाएगा क्योंकि तब वह दो विकेट ही ले पाये थे। इसलिए वह इस बार के भारत दौरे से बेहद उत्साहित हैं। अब 6 साल बाद मुथुसामी ने भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है।उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप के हालातों को हमने बेहतर ढंग से सामझा है। मुथुसामी ने इस साल पाकिस्तान दौरे में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में ही 11 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली जब टीम ने 201 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। मुथुसामी ने कहा, 'मेरी यात्रा अलग प्रकार की रही है। साल 2019 में भारत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया पर अधिक सफलता नहीं मिली हालांकि क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।' उन्होंने कहा, 'लेकिन 2019 के बाद मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कभी टेस्ट क्रिकेट खेल पाऊंगा।और भारत में खेलने के बारे में तो बिल्कुल भी भरोसा नहीं था।' मुथुसामी ने कहा, 'मैं बस उस समर्थन के लिए आभारी हूं जो मुझे कोचों, परिवार और सहयोगी स्टाफ से मिला।' साल 2019 की पदार्पण सीरीज के बाद उन्हें चार साल बाद टीम में जगह मिली। इस बीच उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सुल्तान अजलान शाह कप : बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से हारा भारत

इपोह (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अजलान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी केर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंट फुट पर की और मौके की तलाश में अच्छे पास दिए। हालांकि, बेल्जियम ने खेल के दौरान बढ़त बना ली, और रोमन डुवेकोट के गोल की मदद से पवन की रुकावट को तोड़ दिया। तुरंत जवाब की तलाश में, दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक अच्छा मूव पूरा किया लेकिन खतरनाक खेल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। भारत के ज़ोर लगाने और जांच करने के बावजूद, बेल्जियम ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शुरुआत से ही जोरदार शुरुआत की और अभिषेक के शानदार मूव को गोल में बदलकर बराबरी हासिल की।

मोमेंटम के साथ भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया। हालांकि, निकोलस डी केर्पेल (45') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को बढ़त वापस दिला दी। उन्होंने जल्द ही अपनी बढ़त बढ़ा ली, चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट ने गोल करके बेल्जियम को कुछ राहत दी। भारत ने एक बार फिर तुरंत जवाब देने की कोशिश की और 10 मिनट से भी कम समय में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब पहुंच गया।

शिलानंद लाकड़ा ने कुछ देर बाद रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके भारत को उम्मीद की एक किरण दी। जब मैच खत्म होने में 90 सेकंड बाकी थे, मोहित एचएस ने शानदार स्टॉप लगाकर बेल्जियम को चौथा गोल करने से रोक दिया और भारत को रेस में बनाए रखा। हालांकि, इस कड़े मुकाबले में भारत बराबरी का गोल नहीं कर पाया। पांच बार का सुल्तान अजलान शाह कप विजेता भारत अब बुधवार को मेजबान मलेशिया से खेलेगा।

विराट को टेस्ट नहीं एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था : श्रीवत्स गोस्वामी

गुवाहाटी ।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेटर खेलना जारी रखना था।गोस्वामी ने कहा कि विराट को टेस्ट की जगह पर एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था।गोस्वामी ने कहा है कि और एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले श्रीवत्स ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट को टेस्ट क्रिकेट नहीं छोड़ना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के बाद गोस्वामी ने कहा कि कोहली का टेस्ट से अचानक संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहा है।गोस्वामी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, मेरा मानना है कि विराट को एकदिवसीय खेलना छोड़ देना चाहिए था और टेस्ट क्रिकेट तब तक खेलते रहना चाहिए था, जब तक कि उनका फार्म बरकरार था।एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी ऊर्जा, भारत के लिए खेलने का प्यार और जुनून टीम को हर हाल में जीतने को प्रौत्साहित करता है।गोस्वामी ने साथ ही लिखा, विराट के अंदर जीतने की जो मानसिकता और जोश था, वह वर्तमान टीम में नहीं है।गौरतलब है कि कोहली का कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 68 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए 40 मुकाबले जीते जबकि 17 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी।विराट ने इस साल 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।कोहली ने अंतिम बार बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 खेली थी जिसमें वह केवल एक शतक ही लगा पाए थे।उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले अचानक ही संन्यास ले लिया था।

रोहित और विराट की जोड़ी दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में बनाएगी रिकार्ड

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते नजर आयेंगे।इस सीरीज में प्रशंसकों को विराट और रोहित को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा।अब 30 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रोहित और विराट की जोड़ी सबसे अधिक मैच खेलने का एक नया रिकार्ड अपने नाम करेगी।रोहित और विराट ने अभी तक 391 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।किसी जोड़ी के यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल सबसे अधिक मैच हैं।रोहित और कोहली के अलावा सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भी इतने ही मैच खेले थे।ऐसे में जब रोहित और विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय खेलने मैदान पर उतरेंगे तो वह तेंदुलकर और द्रविड़ के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।रोहित–कोहली की जोड़ी इस मैच में उतरते ही भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली जोड़ी बन जाएगी।सचिन और सौरव गांगुली की जोड़ी 341 मैचों में एकसाथ उतरी थी।वहीं सचिन और अजहर की जोड़ी 292 मैचों में उतरी।विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी की जोड़ी 285 मैचों में उतरी।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : सुरेश रैना ने गौतम गंभीर का किया बचाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है।

दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा, 'गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा। उनके नेतृत्व में हम सीमित ओवरों के प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां हमने इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दुबई में एशिया कप जीता था।'

'भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग' के जर्सी लॉन्च के मौके पर इसके ब्रांड एम्बेस्डर रैना ने कहा, 'रन तो खिलाड़ियों को ही बनाने होंगे। कोच मार्गदर्शन और सलाह ही दे सकता है।' रैना ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि घरेलू टेस्ट मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण मुख्य कोच के रूप में गंभीर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को अगर कोई समस्या आ रही है, तो उन्हें कोच से इस बारे में बात करना चाहिए। खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोच की भी सराहना की जाएगी। लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, तो कोच को उसके पद से बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'मैं गौतम भैया के साथ खेला हूं, उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से प्यार है, उन्हें क्रिकेट से प्यार है, मैंने उनके साथ विश्व कप खेला है और जीता भी है। उन्होंने देश के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और अच्छा प्रदर्शन करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है।' मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम के चयन से जुड़े फैसलों की आलोचना पर रैना ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन ही मानक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, अगर वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में अपने आप दिखाई देगा।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में खिलाड़ियों के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से सामंजस्य बिठाना काफी चुनौतीपूर्ण है। व्यस्त कार्यक्रम का असर प्रदर्शन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'इस श्रृंखला के लिए बेहतर योजना बनाई जा सकती थी क्योंकि खिलाड़ियों को सफेद गेंद (सीमित ओवर) प्रारूप से लाल गेंद (टेस्ट) प्रारूप में ढलने का काफी कम समय मिला।'

रैना ने कहा कि वह 30 नवंबर से शुरू होने वाली दोनों टीमों के बीच वनडे श्रृंखला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टीम को बेहर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का साथ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'रो-को (रोहित शर्मा और विराट कोहली)' जरूर वापसी करेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम को जरूर मजबूत करेंगे। ये दोनों विश्व और भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन दूत हैं। जब वे टीम में होंगे तो माहौल अलग होगा, ऋषभ पंत भी कुछ समय बाद वापसी कर रहे हैं, इसलिए वनडे श्रृंखला देखना मजेदार होगा।'

पलाश की बहन बोली , मंधाना और हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें

इंदौर ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनकी शादी टल गयी है।इसी मामले को लेकर अब स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की बहन पलक ने लिखा है कि शादी टल गयी है।इस संवेदनशील समय में हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें।स्मृति की शादी का कार्यक्रम रविवार को था पर उनके पिता को सीने में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा जिसके बाद स्मृति के पिता को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और शादी की तैयारियां रोक दी गयीं।इसके बाद स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ा हालांकि कुछ समय में इलाज के बाद वह होटल लौट आये। .पलाश को वायरल संक्रमण और एसिडिटी बढ़ने के कारण एक निज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।इलाज के बाद पलाश को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर नमन शाह ने बताया कि उनकी सेहत की निगरानी के लिए मेडिकल टीम तैनात है।अगर उनकी तबीयत में जरूरी सुधार होता है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।अचानक आई इन मुसीबतों से परिवार उबर रहा है और चाहता है कि इन क्षणों में उसकी निजता का सम्मान किया जाये।

दो दीवाने शहर में फिल्म ने मुझे मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की

बॉलीवुड में रोमांस और दिल छू लेने वाली कहानियों को हमेशा खास जगह दी जाती है। इस कड़ी में संजय लीला भंसाली का प्रोडक्शन एक ऐसी ही फिल्म लेकर आ रहा है, जिसका नाम है दो दीवाने शहर में। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आएंगे।

इस फिल्म को रवि उद्यावर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के बारे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, जब मैं दो दीवाने शहर में फिल्म की शूटिंग कर रहा था, उस समय मैं अपने निजी जीवन में कुछ मुश्किल भरे दौर से गुजर रहा था। मेरे लिए यह फिल्म सिर्फ एक काम नहीं थी; यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मुझे क्रिएटिविटी के तौर पर चुनौती दी और व्यक्तिगत रूप से मुझे उन मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की। सिद्धांत ने बताया कि फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है और उम्मीद जताई कि शूटिंग के दौरान जो जुड़ाव उन्होंने महसूस किया, वही फिल्म देखने के दौरान दर्शक भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा, कहते हैं कि परफेक्ट जैसा कुछ नहीं होता। बस आपको किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो आपके लिए दुनिया से लड़ सके और आप भी उनके लिए हमेशा खड़े रहें। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसे दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी बताया। फिल्म की घोषणा करते हुए भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी... इस वैलेंटाइन डे आपको इश्क से इश्क हो जाएगा। दो दीवाने शहर में 29 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही है। संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं। फिल्म रवि उद्यावर फिल्म्स के सहयोग से बनाई जा रही है।

द फैमली मैन 3 में अपने किरदार पर बोलीं निमरत कौर

मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज द फैमिली मैन 3 प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक द फैमिली मैन के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था।

सीरीज में कैसा है निमरत का किरदार?

कौर ने फिल्म द लंचबॉक्स, एयरलिफ्ट और दसवीं में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर द फैमिली मैन 3 में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह द फैमिली मैन 3 का हिस्सा हैं।

शो ऑफ करने लगीं

निमरत कौर ने कहा शुरू में मैं धीरे से जवाब देती थी क्योंकि मैं आम तौर पर शांत रहने वाली इंसान हूं। बाद में, मुझे समझ आया कि मुझे हर किसी से, परिवार से, दोस्तों से और लोगों से अच्छा रिएक्शन मिल रहा है। फिर मैंने शो ऑफ करना शुरू कर दिया। जब कोई मुझसे पूछता आप आगे क्या करने वाली हो? तो मैं कहती मैं द फैमिली मैन 3 करने वाली हूं। ऐसे रोल का इंतजार रहता है

अपने किरदार के बारे में कहा

ये ऐसा किरदार है जिसे आपको बनाना होता है, ये आपको दिया जाता है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि आप इसके साथ न्याय करें। इसलिए, मैं हमेशा ऐसे रोल का इंतजार करती हूं, मुझे ऐसे सेट पर बहुत मजा आता है।

सीरीज में हैं ये कलाकार

द फैमिली मैन 3 में शारिब हाशमी, प्रियामणि, अश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग हैं। सीरीज पर दर्शक अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

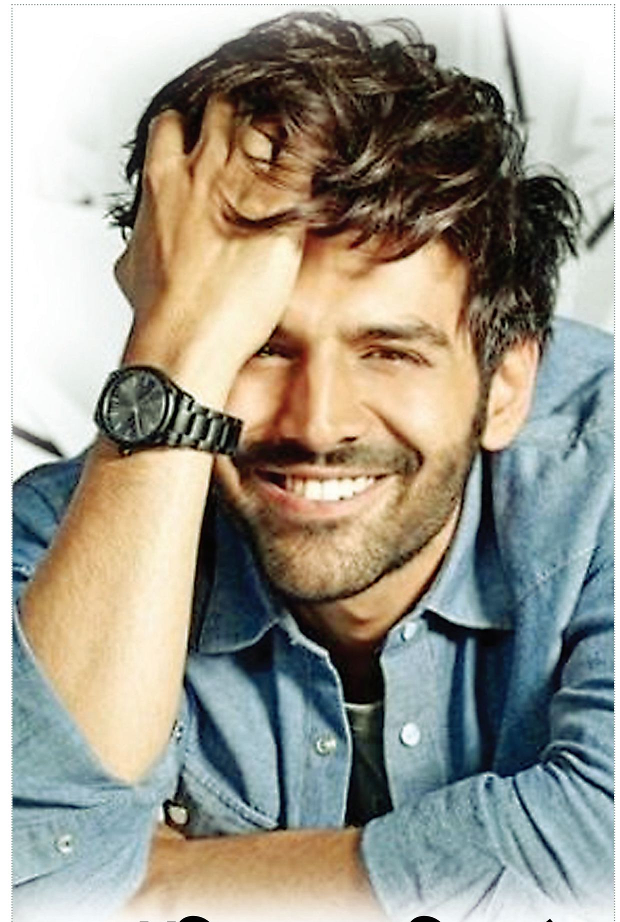

कॉमिक टाइमिंग के जादूगर, जानें कैसे बने बॉलीवुड के रोम-कॉम किंग

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार होते हैं जो अपने चेहरे की मासूमियत, हंसी और स्क्रीन पर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। कार्तिक आर्यन ऐसे ही एक कलाकार हैं, जिन्होंने रोमांस और कॉमेडी से बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उनकी फिल्में दर्शकों का लंबे समय से मनोरंजन करती आई हैं। उनकी फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ ह्यूमर का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है, जिसके चलते उन्हें आज बॉलीवुड का रोम-कॉम किंग कहा जाता है। कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को मध्य प्रदेश के शहर ग्वालियर में हुआ। उनका असली नाम कार्तिक तिवारी है, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में आने के लिए अपना सरनेम बदलकर आर्यन रख लिया। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं, इसलिए उनके परिवार की पहली इच्छा थी कि कार्तिक भी डॉक्टर बने। लेकिन कार्तिक के दिल में फिल्मी दुनिया का सपना था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे एक्टिंग की ओर भी आकर्षित होते गए। 2011 में कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड में कदम रखा और प्यार का पंचनामा फिल्म से डेब्यू किया। इस फिल्म में उनका किरदार रजत नाम के लड़के का और उन्होंने एक सीन में लगभग पांच मिनट का लंबा मोनोलॉग बिना रुके कहा। यह मोनोलॉग आज भी बॉलीवुड की यादगार पलों में गिना जाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और कार्तिक की प्रतिभा को खूब सराहा गया। इस मूवी ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में दरवाजे खोल दिए।

इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और लुका छुपी जैसी फिल्में की। इन फिल्मों में उन्होंने अपने कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। सोनू के टीटू की स्वीटी में उनका किरदार ऐसा था जो दर्शकों के दिलों में तुरंत उतर गया। लुका छुपी में उनकी मासूमियत और मजेदार अंदाज ने फिल्म को और भी हिट बनाया। इन फिल्मों के जरिये कार्तिक ने साबित किया कि वह सिर्फ रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि कॉमेडी में भी माहिर हैं। कार्तिक आर्यन ने इसके अलावा पती-पत्नी और वो जैसी फिल्मों में भी शानदार प्रदर्शन किया। कॉमेडी के साथ-साथ कार्तिक ने भूल भुलैया 2 और भूल भुलैया 3 जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में भी की, जो सुपरहिट रहीं। इसके अलावा, उन्होंने धमाका और फ्रेडी जैसी फिल्में कर करके अपने अभिनय की सीमा को और बढ़ाया। धमाका में उन्होंने एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाया, जबकि फ्रेडी में वह एक शर्मीले और शांत डेंटिस्ट बने, जिसमें उनका डार्क और सस्पेंस से भरा अंदाज देखने को मिला। करियर में अपनी मेहनत और अभिनय से उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें स्टारडस्ट अवार्ड, जी सिने अवार्ड्स, आईफा, और फिल्मफेयर आदि में नामांकन और पुरस्कार मिल चुके हैं। हाल ही में उन्हें भूल भुलैया 3 और चंदू चैंपियन के लिए भी कई पुरस्कार मिले।

नए शो में हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी मोनालिसा

अभिनेत्री मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया। अपने स्पेशल दिन पर भी मोनालिसा ने काम किया, आखिर मामला नए शो का जो है। मोनालिसा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने नए शो पर अपडेट दिया है, जिसमें वे हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी। मोनालिसा ने लिखा, यह जन्मदिन नई शुरुआत के साथ खास रहा, वर्किंग बर्थडे, मिलिए सूर्या और शनाया से, एक नया किरदार शानदार को-एक्टर के साथ शो में। क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम हितेन के साथ काम करते हुए मोनालिसा ने कहा, शानदार अनुभव रहा। हितेन ने भी लिखा है, शुक्रिया मोना जी, धमाल करते हैं। मोनालिसा ने बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज भी शेयर की हैं, जिनमें अपने पति के साथ नजर आ रही हैं।

राशी खन्ना ने फरहान अख्तर को बताया शानदार इंसान

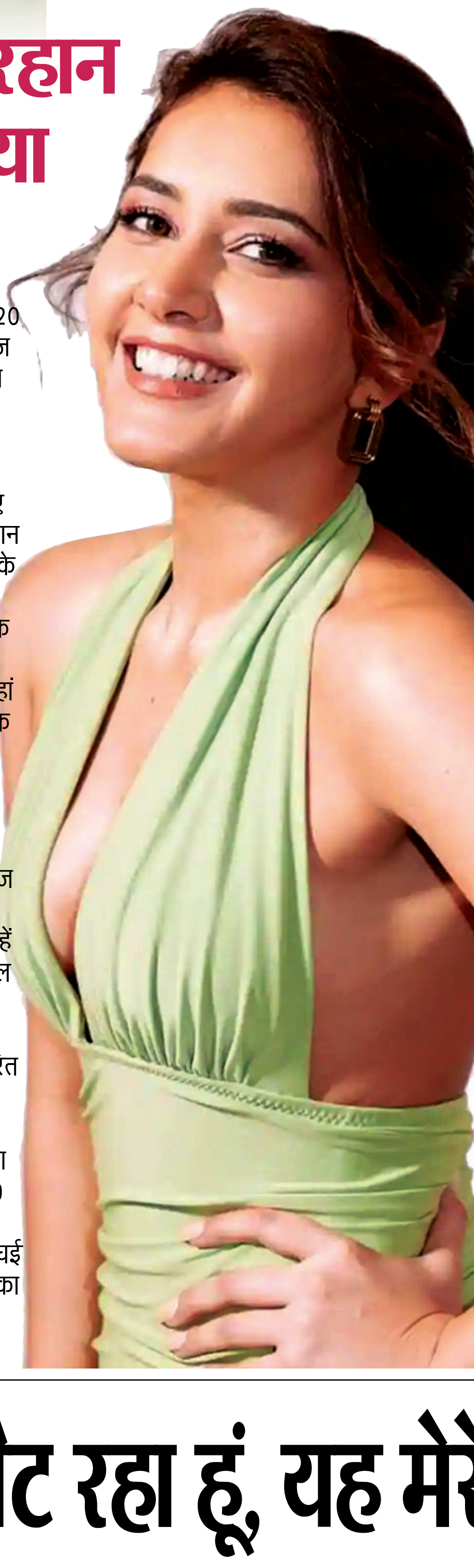

एक्ट्रेस राशी खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म आज यानी शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रिलीज के साथ ही राशी ने न केवल अपने को-स्टार फरहान अख्तर की तारीफ की बल्कि दर्शकों से फिल्म के लिए प्यार भी मांगा। इंस्टाग्राम पर बीटीएस तस्वीरों को पोस्ट करते हुए राशी खन्ना ने को-स्टार और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर की जमकर तारीफ की। राशी ने फरहान के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए फिल्म में अपने किरदार का जिक्र करते हुए लिखा, फरहान सर के साथ शगुन शैतान सिंह का रोल करना ऐसा लगा जैसे किसी ऐसी जगह पर कदम रख दिया हो, जहां सब कुछ अच्छा और आसान हो गया हो। उनमें एक शांत, समझदार इंसानियत है, जो आपको सबसे इंटेंस सीन में भी सुरक्षित महसूस कराती है। अभिनेत्री ने फरहान का आभार जताते हुए आगे लिखा कि फरहान के साथ बिताए हर पल के लिए वह शुक्रगुजार हैं। साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी जोड़ा कि उन सभी मौकों के लिए भी धन्यवाद, जब फरहान सर ने जरूरत पड़ने पर उन्हें हंसाया। राशी ने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा, 120 बहादुर हमारी फिल्म अब आपकी है। प्लीज जाइए, अपना प्यार बरसाइए। फिल्म की कहानी रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है, जहां 120 भारतीय सैनिकों ने 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ डटकर मुकाबला किया। यह फिल्म सैनिकों की वीरता और देशभक्ति की भावना को शानदार तरीके से पर्दे पर पेश करती है। 120 बहादुर को एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रजनीश घई के निर्देशन में बनी फिल्म में राशी खन्ना ने शगुन का किरदार निभाया है, जबकि फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह के रोल में हैं। झ

रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहा हूं, यह मेरे लिए नई शुरुआत है

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में विजय ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

90 के दशक की बहुत सी यादें हैं। हर चीज में अपना अलग मजा था। मौसम का, फिल्म देखने का, थिएटर की लाइन में लगने तक का। उस समय हर चीज के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन लोग उस इंतजार को भी एन्जॉय करते थे। लाइट चली जाती थी तो परिवार या दोस्तों के साथ बातें करते थे, पुराने फोटो एल्बम देखते थे, छोटी-छोटी खुशियां मनाते थे। वही पुरानी खूबसूरत यादें इस फिल्म में फिर से देखने को मिलेंगी।

स्कूल टाइम में जो मासूम प्यार होता था, वो एकतरफा था या दोतरफा? कोई अनुभव शेयर करें?

एकतरफा ही था, क्योंकि कभी बात नहीं की। शायद दोतरफा भी हो, लेकिन मौका ही नहीं मिला।

आपने कभी अपने दिल की बात कही थी?

स्कूल के समय मैं बहुत शर्मीला था, किसी से ज्यादा बात नहीं करता था। 18 साल की उम्र में पहली बार किसी लड़की से बात हुई। उसने खुद मुझे एक चिट्ठी भेजी थी, जिसमें लिखा था- तुम चेक शर्ट में अच्छे लगते हो। इसके बाद हम दोस्त बने, फिर कुछ सालों बाद हमारी डेटिंग शुरू हुई। कुछ समय बाद हमारा रिश्ता खत्म हो गया, और उसके बाद मैं पढ़ाई के लिए पुणे के एफटीआई चला गया।

नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सुना है, एफटीआईआई में उनकी वर्कशॉप में आप नहीं जा पाए थे, क्या कहानी है?

जब मैं एफटीआई में था, तब नसीर साहब की वर्कशॉप हमारे बैच में नहीं हुई थी। अगले बैच में उनकी वर्कशॉप रखी गई, तो मैं और मेरा एक दोस्त पुणे चले गए। हमने सोचा था कि क्लास में बैठ जाएंगे, लेकिन वहां जाने की अनुमति नहीं मिली क्योंकि वो दूसरे बैच की वर्कशॉप थी। हम बाहर ही पूरा दिन बैठे रहे, बस उनसे मिलने की उम्मीद में। शाम को जब नसीर साहब ने देखा कि हम अब भी बाहर बैठे हैं, तो मुस्कुराकर बोले, कल सुबह 9 बजे आ जाना। इसी तरह हमें उनकी वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिल गया।

विजय आप अपनी को-स्टार फातिमा के बारे में क्या कहेंगे?

फातिमा बहुत डाउन टू अर्थ और सिंपल हैं। बिल्कुल भी एटीट्यूड नहीं है, बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद बहुत ग्राउंडेड है।

हाल में आपने ओटीटी पर कई अच्छे रोल किए, अब फिर रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहे हैं, कैसा लग रहा है?

बहुत नया महसूस हो रहा है, जैसे एक्टर के तौर पर दोबारा जन्म ले रहा हूं। मेरी फिल्में काफी समय बाद थिएटर में आ रही हैं, वो भी बतौर लीड। तो यह मेरे लिए नई शुरुआत है। बस चाहता हूं कि ऑडियंस का प्यार और सपोर्ट मिले ताकि आगे बढ़ता रहूं।

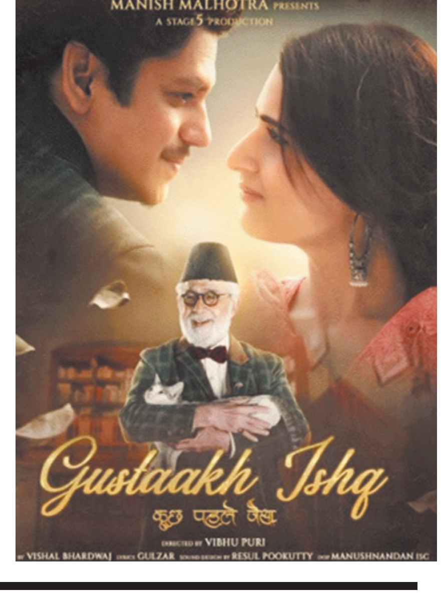

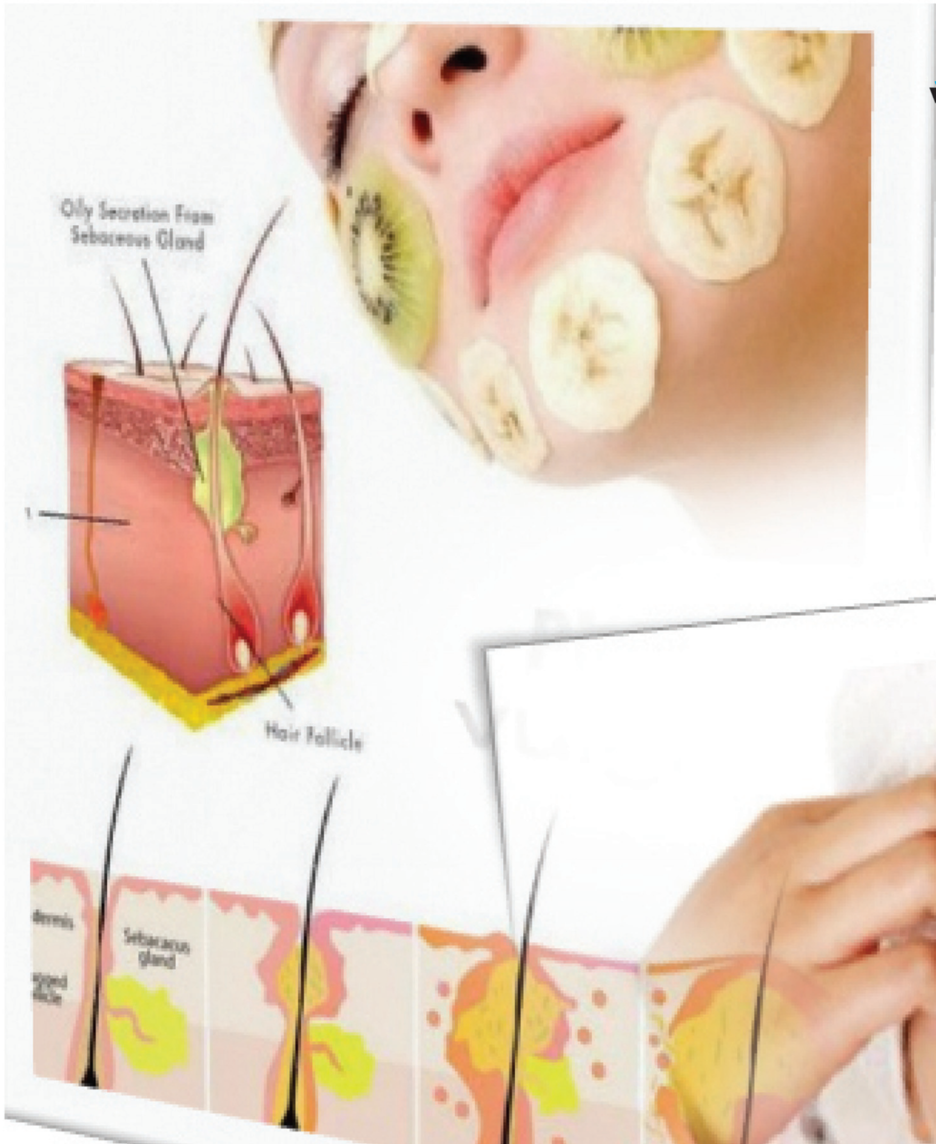

कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार

कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है। तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।

आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।

* सोहागा 3 ग्राम, चमेली का शुद्ध तेल 1 चम्मच। दोनों को मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्टी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।

दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।

त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती हैं। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

<u>ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के नुस्खे</u>

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।